ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र नहीं, बल्कि कांग्रेस नेताओं ने दिए ऑफर... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 17 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-347

विजय दिवस का विचित्र विरोधाभास — पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण की ऐतिहासिक तस्वीर हटी

भारतीय सेना मुख्यालय से हटाई गई शौर्य की शिनाख्त

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने अपने मुख्यालय से पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण की ऐतिहासिक तस्वीर हटा दी है। पाकिस्तानी सेना के पूर्वी कमान के तत्कालीन जीओसी इन सी लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्लाह खान नियाजी ने 16 दिसंबर 1971 को करीब एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों के साथ भारतीय सेना की पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा एवं अन्य शीर्ष सेनाधिकारियों के आगे आत्मसमर्पण किया था। बांग्लादेश की स्थापना और पाकिस्तान के विध्वंस की कहानी बताने वाली उस तस्वीर को हटा कर भारतीय सेना ने अपने ही शौर्य की शिनाख्त मिटाने का काम किया है। निश्चित तौर पर यह काम सेना ने रक्षा मंत्रालय के आदेश पर किया होगा। तस्वीर हटाने को लेकर रक्षा मंत्रालय की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। यह जरूर पता चला कि उस तस्वीर को सेना मुख्यालय से हटा कर जनरल मानेक शॉ स्मृति केंद्र में लगा दिया गया है।

पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी के साथ एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों के आत्मसमर्पण को दर्शाती वह तस्वीर भारतीय सेना की ताकत और विजय

बांग्लादेश के निर्माण में इंदिरा गांधी का योगदान भुलाने की नीति!

का प्रतीक मानी जाती थी, लेकिन अब इसे हटा कर उसकी जगह एक नई पेंटिंग लगा दी गई है। शौर्य की शिनाख्त हटाए जाने के पीछे भारतीय सेना के बदलते सैन्य फोकस और आधुनिक युद्ध रणनीतियों को मुख्य वजह बताया जा रहा है। लेकिन आला सेनाधिकारी इसे परोक्ष तुष्टिकरण की नीति ही मानते हैं। इस कदम यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश है कि बांग्लादेश के निर्माण की शौर्यगाथा से भारत सरकार खुद को अलग करना चाहती है। भारत सरकार की नीयत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल एसएफजे मानेक शॉ के योगदानों को लोगों की स्मृति से हटाना है।

1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक युद्ध लड़ा था। उस युद्ध में पाकिस्तान के पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने एक लाख पाकिस्तानी सैनिकों के साथ भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किया था। यह क्षण भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान का अंतरराष्ट्रीय प्रतीक बन गया। इस तस्वीर ने दुनियाभर में भारतीय सेना की ताकत को रेखांकित किया। अब इस तस्वीर को सेना मुख्यालय से हटा कर शौर्य के उस ऐतिहासिक क्षण को धूमिल करने की कोशिश की गई है। इसे भारतीय सेना का समकालीन सैन्य दृष्टिकोण बताना देश के लोगों को धोखा देना है। ▶10 पर

श्रीलंका के राष्ट्रपति का नई दिल्ली पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

भारत-श्रीलंका में हुए रक्षा और ऊर्जा समेत कई समझौते

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके भारत के दौरे पर हैं। राजकीय यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में दिसानायके का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर दोनों देशों ने समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व में भारत और श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडलों के बीच व्यापक विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने व्यापक भारत-श्रीलंका साझेदारी की समीक्षा की और दोनों देशों के साथ-साथ क्षेत्र के पारस्परिक लाभ के लिए संबंधों को गहरा करने के रोडमैप पर सहमति व्यक्त की। इसके बाद, पीएम मोदी और दिसानायके ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। श्रीलंकाई राष्ट्रपति

श्रीलंका से भारत विरोधी गतिविधियां नहीं चलने देंगे : दिसानायके

श्रीलंका के विकास में भारत भरोसेमंद भागीदार बना रहेगा : मोदी

ने कहा, भारत ने सार्वजनिक सेवाओं को डिजिटल बनाने में जबरदस्त सफलता हासिल की है। श्रीलंका भी उसी मार्ग पर चल रहा है। पीएम मोदी ने मुझे इस कोशिश में समर्थन देने का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं राष्ट्रपति दिसानायके का भारत में स्वागत करता हूं। हमें खुशी है कि राष्ट्रपति के रूप में आपने अपनी पहली विदेश राजकीय यात्रा के लिए भारत को चुना है।

आज की यात्रा से हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा का संचार हो रहा है। हमारी साझेदारी के लिए हमने एक भविष्योन्मुखी दृष्टि अपनाई है। हमारे आर्थिक सहयोग में, हमने निवेश-आधारित विकास और कनेक्टिविटी पर बल दिया है। हमने तय किया है कि भौतिक, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी हमारी साझेदारी के महत्वपूर्ण स्तंभ होंगे। बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और मल्टी पेट्रोलियम पाइपलाइन के लिए काम किया जाएगा। पीएम ने कहा, जब पाली भाषा को भारत में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया था, तो इसे श्रीलंका में भी मनाया गया था। ▶10 पर

संभल मामले में विपक्ष के हंगामे पर योगी का विधानसभा में जवाब

संभल का सच सामने आया खटाखट जनता ने कर दिया सफाचट

लखनऊ, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के आज से शुरू हुए सत्र में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल का प्रकरण उठाया और सपा-कांग्रेस एवं विपक्ष पर कड़ा प्रहार किया। सीएम योगी ने कहा, संभल में आपकी हकीकत खटाखट सामने आई और जनता ने आपका तुरंत सफाचट कर दिया। योगी ने कहा, संभल में 1982 से अब तक 209 हिंदुओं का कत्ल हो चुका है, लेकिन सपा-कांग्रेस या विपक्ष से किसी ने आवाज नहीं उठाई। संभल में हिंसा पर उतारू कट्टरपंथियों की गोलीबारी में आपस में ही मरे लोगों पर दोनों पार्टियां रुदाली कर रही हैं। संभल की खटाखट के जवाब में जनता ने सफाचट कर दिया। सीसामऊ में बाल-बाल बच गए। कुंदरकी में लोगों को अपनी जड़ें याद आने लगी हैं। लोग चिल्ला-चिल्लाकर बोल रहे हैं। आप एक बार बाबरनामा जरूर पढ़ें।

सीएम योगी ने कहा, बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान में धर्म निरपेक्ष, पंथ निरपेक्ष या समाजवाद शब्द नहीं है। लोगों को भ्रमित करके विपक्ष सिर्फ सत्ता हथियाना चाहते हैं। आप जितना भी चिल्ला लें, संभल घटना के जो भी दोषी हैं, उनमें से कोई भी बख्शा नहीं जाएगा। हम ज्यूडिशियल कमेटी बनाएंगे। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। विपक्ष सच्चाई को कभी स्वीकार नहीं करेगा। सीएम योगी ने कहा, आगरा में 1972 में हुए दंगे

209 निर्दोष हिंदुओं की हत्या पर चुप रहे, आज संभल पर रो रहे

में 19 लोगों की मौत हुई। 1972 में आजमगढ़ में दंगा हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई। 1973 आगरा में फिर दंगा हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई। 1973 में गोंडा में दंगा हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई। 1973 में प्रयागराज में दंगा हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई। 1973 में मेरठ दंगे में 8 लोगों की मौत हो गई। आगरा में 1974 में दंगे में एक की मौत हो गई। इसी वर्ष पीलीभीत दंगे में तीन लोगों की मौत हो गई। संभल में 1982, 1986, 1990, 1992, 1996 में लगातार दंगे होते रहे। लगातार मौतें होती रहीं। ▶10 पर

अवैध घुसपैठियों को भारत में बसाने का अंतरराष्ट्रीय कुचक्र

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों के 52000 फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बरामद

रायबरेली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।

रायबरेली के 11 गांवों में चल रहा था गिरोह का धंधा

उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने के लिए तैयार किए गए 52 हजार से अधिक फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बरामद किए गए हैं। इस फर्जीवाड़े में भारत के कई राज्यों सहित पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल तक के लोगों के प्रमाण पत्र शामिल हैं। शासन ने इन सभी फर्जी प्रमाण पत्रों को निरस्त करने का ऐलान किया है। फर्जी जन्म प्रमाण पत्रों से सलोन ब्लॉक के कुल 11 गांव बुरी तरह प्रभावित हैं। इन 11 गांवों को मिला कर कुल 52,594 जन्म प्रमाण पत्र फर्जी निकले हैं। ये जन्म प्रमाण पत्र बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, तमिलनाडु, केरल और पंजाब के साथ-साथ बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल तक के नागरिकों के नाम पर बनाए गए थे। ▶10 पर

पीएम संग्रहालय ने सोनिया और राहुल को लिखा पत्र

पंडित नेहरू के निजी पत्र संग्रहालय को लौटाएं

नेहरू के उन पत्रों को छुपाना क्यों चाहती है कांग्रेस?

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) ने एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से उनके परिवार के पास मौजूद जवाहरलाल नेहरू के ऐतिहासिक दस्तावेजों को लौटाने की मांग की है। अहमदाबाद के इतिहासकार और पीएमएमएल के सदस्य रिजवान कादरी ने 10 दिसंबर 2024 को राहुल गांधी को लिखे पत्र में 2008 में सोनिया

गांधी द्वारा लिए गए 51 बॉक्स दस्तावेजों को लौटाने की मांग दोहराई है। इन दस्तावेजों में नेहरू और जयप्रकाश नारायण, एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, अरुणा आसफ अली, विजया लक्ष्मी पंडित और बाबू जगजीवन राम जैसी हस्तियों के बीच हुए पत्राचार शामिल हैं। यह पहली बार नहीं है जब पीएमएमएल ने यह अनुरोध किया है। इससे पहले सितंबर 2024 में सोनिया गांधी को भी ऐसा पत्र भेजा गया था।

कादरी के अनुसार, इन दस्तावेजों का ऐतिहासिक महत्व अत्यधिक है ▶10 पर

नेहरू के पत्रों में ऐसा क्या है जिसे देश न जाने: संबित

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। इस मसले पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस से पूछा है कि उन पत्रों मंद ऐसा क्या है कि गांधी परिवार उसे देना नहीं चाहता या नहीं चाहता कि देश को पता चले। संबित ने कहा, इस संग्रहालय में शुरू में केवल नेहरू जी के ऐतिहासिक अभिलेख ही मौजूद थे। इनमें नेहरू जी द्वारा वैश्विक नेताओं को लिखे गए सभी पत्र शामिल थे। बाद में पता चला कि 51 पेटियों में वे पत्र थे, जिन्हें नेहरू जी ने एडविना माउंटबेटन, ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

जय श्रीराम का नारा लगाना अपराध कैसे?

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सवाल किया कि जय श्री राम का नारा लगाना अपराध कैसे हो सकता है? जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मस्जिद के भीतर कथित तौर पर जय श्री राम के नारे लगाने वाले दो व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को रद्द कर दिया था। शीर्ष कोर्ट में हैदर अली सी.एम. की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। बेंच ने टिप्पणी की, वे लोग एक खास धार्मिक नारा लगा रहे थे। यह अपराध कैसे हो सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी पूछा कि जिन लोगों ने मस्जिद के अंदर जाकर नारे लगाए, उन्हें कैसे पहचाना गया? ▶10 पर

कठमुल्ला बोलना गुनाह, तो सुप्रीम कोर्ट का मजाक उड़ाना गुनाह क्यों नहीं?

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव को किया तलब

रोहिंटन नरीमन के बेजा बयान पर सुप्रीम कोर्ट की चुप्पी का क्या मतलब?

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मुसलमानों को रूढ़ियों से मुक्त होने की सलाह देने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने तलब किया है। सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर वाले फैसले को मजाक बताने और हिंदुओं को शैतान का सिर कहने वाले पूर्व जस्टिस रोहिंटन नरीमन पर सुप्रीम कोर्ट की शातिराना चुप्पी देशभर में निंदा का विषय बनी हुई है। जस्टिस शेखर यादव को जल्द ही व्यक्तिगत रूप से अपना रुख स्पष्ट करने के लिए कॉलेजियम के समक्ष पेश होना होगा। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में लिया गया। कॉलेजियम 17 दिसंबर को इस मामले पर बैठक करेगा। मुस्लिमों को कठमुल्लेपन से बाहर आने का आह्वान करना शेखर यादव का गुनाह है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का मजाक उड़ाना रोहिंटन नरीमन का अपराध नहीं

है। यह आपराधिक विरोधाभास देश की सर्वोच्च न्यायिक पीठ का क्रूर सत्य है।

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यादव के बयान को लेकर गहरी चिंता भी जताई है और इसे न्यायिक मर्यादा के उल्लंघन के रूप में देखा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश रहे रोहिंटन नरीमन का बयान न्यायिक मर्यादा का उल्लंघन नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण और अन्य ने शेखर यादव के बयान को न्यायाधीश की शपथ का उल्लंघन बताया, लेकिन नरीमन के बयान पर मक्कारी भरी चुप्पी साध ली। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट से अभी हाल ही रिटायर हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने रोहिंटन नरीमन के बेजा बयान पर अपनी सधी हुई प्रतिक्रिया जाहिर की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने इससे कोई सीख नहीं ली।

जस्टिस शेखर यादव ने 8 दिसंबर को विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक कार्यक्रम में समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए मुसलमानों से तीन तलाक, हलाला एवं अन्य रूढ़ियों से मुक्त होने की अपील की थी। जैसे हिंदुओं ने सती प्रथा जैसी कुप्रथाओं से खुद को मुक्त किया। ▶10 पर

विजय दिवस — राष्ट्रपति, पीएम, आरएम ने दी श्रद्धांजलि

पर बांग्लादेश निर्माण में योगदान की चर्चा तक नहीं की

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत का प्रतीक विजय दिवस समारोह आज मनाया जा रहा है। सोमवार को कोलकाता स्थित भारतीय सेना की पूर्वी कमान फोर्ट विलियम में विजय दिवस समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों ने विजय स्मारक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में बांग्लादेश के सैनिक भी शामिल हुए। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शहीद सैनिकों को नमन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, विजय

दिवस पर मैं उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं जिन्होंने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए भारत को विजय दिलाई। राष्ट्र हमारे वीरों के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है। उनकी कहानियां हर भारतीय को प्रेरित करती हैं और राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बनी रहेंगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विजय दिवस पर भारत की जीत के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। ▶10 पर

मन की बात कार्यशाला का हुआ समापन

30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग साउथ बेंगलूरु द्वारा आयोजित 7 दिनों की विशेष कार्यशाला मन की बात का समापन रविवार को हुआ। यह कार्यशाला विशेष रूप से माता-पिता के लिए तैयार की गई थी, जिसमें 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्देश्य अभिभावकों को सार्वजनिक भाषण कला में दक्षता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करना था। समारोह की शुरुआत नवकार मंत्र के जाप से हुई। इसके बाद अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा अगर आपको सेवा, धर्म, या व्यवसाय में रुचि है और कुछ नया सीखना चाहते हैं, तो जीतो आपके लिए सही जगह है। उन्होंने कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस बार जीतो ने अभिभावकों के लिए एक अनोखा प्रयास किया है, ताकि वे अपने भीतर छुपी हुई कला और हुनर को सामने ला सकें।

बबीता रायसोनी ने यह भी कहा कि मन की बात का शीर्षक इस कार्यक्रम के लिए पूरी तरह उपयुक्त था, क्योंकि यह विशेष रूप से माता-पिता के लिए था और इसमें हर प्रतिभागी ने अपना आत्मविश्वास और क्षमता दिखाया। जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी ने कहा कि दुनिया पूरी तरह से ऊर्जा पर निर्भर है। यदि आपके पास ऊर्जा है, तो आप हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर आप सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताएंगे, तो आप केवल एक दर्शक बनकर रह जाएंगे, न कि एक विद्यार्थी, क्योंकि आपकी ऊर्जा वहां नष्ट हो जाती है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि हमें पवित्र मंत्रों का उच्चारण जोर से करना चाहिए, क्योंकि इससे हमारी आयु बढ़ती है, रिश्तों में सुधार होता है और स्वास्थ्य बेहतर होता है। कार्यक्रम में प्रशिक्षक अरविंद मांडोत, रक्षा जैन और विनोद मोदी ने भी प्रतिभागियों की सराहना की। मुख्य प्रशिक्षक अरविंद मांडोत ने अपने अनुभव साझा किए और प्रभावी संवाद की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा यह देखना बहुत उत्साहजनक था कि प्रतिभागी आत्मविश्वास के साथ अपनी मन की बात रख रहे थे।

उन्होंने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि उनका समर्पण अद्भुत था और उनकी प्रगति सभी को स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। सह प्रशिक्षिका, रक्षा जैन ने कहा कि यदि आप दूसरों को प्रेरित कर पाते हैं, तो यह जीवन की सबसे बड़ी संतुष्टि है। उन्होंने यह भी कहा कि यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप अवसरों को पकड़ें और अन्य संगठनों में उनका लाभ उठाएं, ताकि प्रशिक्षकों का प्रयास सार्थक हो सके। सह प्रशिक्षक विनोद मोदी ने कहा कि ज्ञान और बुद्धि होने के बावजूद, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपनी बात कैसे व्यक्त करते हैं और दूसरों को कैसे मनाते हैं। यदि आप यह कर पाते हैं, तो आप एक सफल सार्वजनिक वक्ता हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे अपनी नई बोलने की कला का उपयोग खुशी और सकारात्मकता फैलाने के लिए करें। जीतो महिला विंग के संयोजक प्रवीण सोफाडिया ने महिला विंग की सराहना करते हुए कहा कि विंग ने मैप्स के रूप में एक बेहतरीन पहल की है। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतिभागियों ने अपने भाषण दिए, जो वाकई बहुत प्रभावशाली थे। एक प्रतिभागी ने मॉक पार्लियामेंट का अनुभव साझा करते हुए कहा, यह अनुभव मुझे बचपन की याद दिलाता है और अब मैं आत्मविश्वास के साथ खुलकर अपनी बात रख सकता हूं। एक अन्य प्रतिभागी ने पैनल चर्चा से सीखे गए संवाद और बहस के महत्व को सराहा। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को भाषण कला, तर्कशक्ति और नेतृत्व कौशल में उत्कृष्टता प्राप्त करने का मौका मिला। अस्मिता चौहान, यश डुगर, कनिष्का मोदी, संगीता पारख, चंद्रा जैन और प्रतीक कानूँगा ने मॉक वक्तव्य दिया। पेजेंट्री का आयोजन तारा लूनिया द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि का परिचय वंदना कोचर ने दिया। पायलट फैकल्टी अरविंद मंडोत का परिचय अनुराधा छाजेड ने दिया।

सहायक पायलट फैकल्टी विनोद मोदी का परिचय त्रिशला कोठारी ने दिया। सहायक पायलट फैकल्टी रक्षा जैन का परिचय सरला ने दिया। संयोजक तरुणा मेहता और अर्पिता लधानी की कड़ी मेहनत थी। अर्पिता ने आगामी 2 दिवसीय, उड़ान प्रदर्शनी की सूचना दी। इनकी टीम ने पूरी कार्यशाला को शानदार तरीके से आयोजित किया। समारोह में एपेक्स, जीतो महिला विंग की पूर्व उपाध्यक्ष ललिता गुलेचा, उपाध्यक्ष लता बोहरा और नीलम शांड, सह सचिव चन्द्रा जैन, एमसी कमेटी की सदस्या अंगिका बाफना, हेमा सोलंकी और रेखा किशोर जैन का भी अहम योगदान था। सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम ने सभी को अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में सफल होने के लिए प्रेरित किया।

श्री उत्सव में हस्त निर्मित एवं होममेड वस्तुओं की 31 स्टॉल लगाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित श्री उत्सव का आयोजन राजाजीनगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा शुक्रवार और शनिवार को तेरापंथ सभा भवन राजाजीनगर में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया।

अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी पधारे हुए गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी से मिले सहयोग की सहारना की। श्री उत्सव में बहनों के हस्त निर्मित एवं होममेड आइटम्स की 31 स्टॉल लगाई गई। श्री उत्सव का यह आयोजन महिला सशक्तिकरण का एक सुंदर उपक्रम है। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रायोजक परिवार, मुख्य अतिथि दीपा नागेश (बीजेपी वाईस प्रेसिडेंट) डॉ अक्षिता सेठ (महिला रोग विशेषज्ञ) एवं एबीटीमम से पधारे हुए वीणा बेद पूर्व महामंत्री एबीटीएमएम, मधु कटारिया कर्नाटक सहप्रभारी एबीटीएमएम ने किया। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा राजाजीनगर अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयूप उपाध्यक्ष राजाजीनगर राजेश देरासरिया, प्रायोजक परिवार मदनलाल बोराणा एवं कैलाशचंद बोराणा ने अपने विचार प्रकट करते हुए महिला मंडल की सराहना की एवं बधाई संप्रेषित की। इस कार्यक्रम में दो दिन के लिए मुफ्त फिजियोथैरेपी कैंप का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोशनलाल कोठारी, चंद्रेश मंडोत, जुगराज श्रीश्रीमाल, सतीश पोरवार, जयंतीलाल गांधी, निवर्तमान अध्यक्षा चेतना वेदमुथा, सरंक्षिकाएं, परामर्शिकाएं, महिला मंडल पदाधिकारी, कार्य समिति सदस्य उपस्थिति थे। कार्यक्रम की संयोजिका सरिता संचेती एवं सरिता हीरावत ने सभी बहनों के साथ अथक श्रम किया। कन्या मण्डल का भी विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सुंदर संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। मुख्य अतिथियों का परिचय महिला मंडल की उपाध्यक्ष सुमन वेदमूथा एवं सहमंत्री सरिता संचेती ने दिया। आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष सरिता हीरावत ने व्यक्त किया।

हासन जैन प्रीमियर लीग 2 का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन जैन प्रीमियर लीग 2 का आयोजन हासन के मलनाड कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में सुबह 7 बजे शुरू किया गया। जिसमें समस्त श्वेताम्बर जैन के 78 युवकों ने बढ़ चढ़ कर हिसा लिया।

ए ग्रुप में 3 टीम और बी ग्रुप में 3 टीम सहित 6 टीमों को विभाजित किया गया। दो टॉप टीम के बीच सेमीफाइनल हुआ। फाइनल सुपर स्ट्राइकर्स और जैन टाइटंस के बीच हुआ। टाइटंस ने 10 ओवर में 93 रन का लक्ष्य दिया, जिसको मनीष सिपानी एवं राहुल मुथा की आकर्षक पारियों की बदौलत आसानी से हासिल करके सुपर स्ट्राइकर्स को विजेता बना दिया। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेडल से सम्मानित किया गया। मलनाड कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ एजे कृष्णा ने इस श्रृंखला के मैन ऑफ द टूर्नामेंट हरीश धोखा, बेस्ट बॉलर पुनीत पुनमिया, बेस्ट बैट्समैन सचिन कोठरी को ट्रॉफी दी। उपविजेता के कप्तान हरीश धोखा एवं विजेता टीम के कप्तान दिनेश सेठिया को ट्रॉफी प्रदान की गई। अंत में प्रिंसिपल ने कहा आपके परिवार के सभी सदस्य खासकर महिलाओं की उपस्थिति ये दर्शाती है कि खेल भावना कितनी उच्च है। उन्होंने कहा श्वेताम्बर समाज ना केवल खेल बल्कि समाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेता है।

धूमधाम से मनाया प्रथम स्नेह मिलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीरवी समाज सांडिया कर्नाटक प्रवासी बंधुओं ने प्रथम वार्षिक स्नेह मिलन समारोह जोगरहल्ली स्थित आईजी धाम में धूमधाम से मनाया। अध्यक्ष जगदीश लचेटा की अध्यक्षता में समाज के विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श हुए। सचिव गोरधन लाल बर्फा ने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान कराने तथा धर्म के साथ-साथ सभी बंधुओं को समाज से जुड़कर रहने का आह्वान किया। समाज में फैली कुरीतियों तथा नशे को संपूर्ण रूप से बंद करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं ने खेलकूद के साथ पारंपरिक नाच गाने गाकर खूब लुफ्त उठाया। इस बीच पधारे हुए मेहमानों तथा महासभा के अध्यक्ष शबाबूलाल परिहार, कोषाध्यक्ष पोकरराम राठौड़ का स्वागत किया गया। इस अवसर पर जोराराम सिंदड़ा, ताराराम सेपटा, भरत बर्फा, पारस सिंदड़ा, ढगलाराम सिंदड़ा, मदनलाल सिंदड़ा, रमेश परिहारिया तथा समाज के सभी गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

नि:शुल्क आंखों का ऑपरेशन शिविर 23 दिसंबर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री आईजी सेवा संस्थान बिलावास बेंगलूरु द्वारा निर्धारित विशाल नि: शुल्क आंखों का ऑपरेशन शिविर को लेकर सोमवार को राजाजीनगर स्थित चौधरी भवन में संस्था के पदाधिकारियों की बैठक हुई। संस्था के सदस्य अमराराम चोयल ने बताया कि 23 दिसंबर को बिलावास द्वारा 9वां विशाल नि:शुल्क आई केम्प लगाया जाएगा। जिसमें बेंगलूरु के जाने माने सुप्रसिद्ध डाक्टर नरपत सोलंकी (सोलंकी आई हॉस्पिटल) एंव उनकी टीम द्वारा जांच होगा। बिलावास में आखों की चेकिंग व ऑपरेशन लाइन्स हॉस्पिटल रानी में होगा। ऑपरेशन के बाद बिलावास में पुन जांच होगी और दवाईयां दी जाएंगी। सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान माधवसिंह शिविर का शुभारंभ करेंगे। इस मौके पर ढगलाराम, नणिंगराम, मोहनलाल, राजु, मिश्री नारायण लाल, भुडाराम एंव अन्य लोग मौजूद थे।

जीतो बेंगलूरु साउथ का बिजनेस सिनेर्जी कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बिजेनस नेटवर्क (जेबीएन) के तत्वावधान में जीतो बेंगलूरु साउथ ने सदस्यों के बीच व्यापारिक नेटवर्किंग संबंधित मजबूती प्रदान करने के लिए मेंबर्स कनेक्ट 3.0 - बिजनेस सिनेर्जी नामक पहल की है। इस माइक्रो मीटिंग के तीसरे संस्करण का आयोजन रविवार को स्थानीय जीतो कार्यालय में किया गया। कुल 880 सदस्यों के लिए चरणबद्ध तरीके से आयोजित इस माइक्रो बैठक में इस बार उन सदस्यों ने शिरकत की, जिनके नामों की शुरुआत अंग्रेजी अक्षर ए से लेकर एन तक होती है। इस तरह की माइक्रो बैठक का मकसद सभी सदस्यों को आपस में जुड़ने और कारोबार संबंधित बात चीत करने का बेहतरीन मौका प्रदान कराना है।

इस कार्यक्रम में अनेक गणमान्य अतिथि और प्रबंध समिति सदस्य भी मौजूद थे। नवकार मंत्र और दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने स्वागत किया। उन्होंने जीतो के विविध प्रोजेक्ट, जैसे कि जेबीएन, सीएफई, जेआइआइएफ, खेल, अल्पसंखयक, मेट्रीमोनी (ब्याह संबंधित) जेएटीएफ, श्रमण आरोग्यम, महिला, यूथ और इंटरनेशनल विंग की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु साउथ के सह कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाडिया ने माइक्रो बैठक के उद्देश्य पर रोशनी डाली। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सदस्य के कारोबार को जानना और आपसी नेटवर्किंग से हर एक के काम में विकास और विस्तार के बेहतर आयाम स्थापित करना मूल मकसद है।

अक्षर आधारित सदस्यों को चरण बद्ध तरीके से अलग अलग बैठक में शामिल करने से प्रत्येक सदस्य के व्यवसाय को उजागर होने का मंच मिलेगा। कार्यक्रम में मेहमान वक्ता महावीर मेहता जीतो इंटरनेशनल के चेयरमैन ने वैश्विक संबंधों और सहयोग की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डाला। दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका, यूरोप, यूके और यूएसए में 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय अध्यायों के साथ, हम विश्व स्तर पर व्यापार के अवसर प्रदान करते हैं, जिनमें वैश्विक बाजारों तक पहुंच, समान विचारधारा वाले व्यक्तियों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग के अवसर, वैश्विक रुझानों और नवाचारी विचारों पर ज्ञान साझाकरण, संयुक्त उद्यम और साझेदारी, अनुसंधान और विकास में सहयोग, वैश्विक दृश्यता और ब्रांडिंग शामिल है। इन अवसरों का लाभ उठाकर, हम अपने व्यावसायिक क्षितिज का विस्तार कर सकते हैं। अपनी वैश्विक उपस्थिति बढ़ा सकते हैं और अभूतपूर्व वृद्धि और सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आइए इन अवसरों का साथ में अन्वेषण करें। पूर्व चेयरमैन दिनेश बोहरा ने जीतो के साथ 10 गुना वृद्धि कैसे प्राप्त करें पर बात की। वृद्धि प्राप्त करने के लिए, आपको उद्यमिता और वृद्धि के लिए जुनून साझा करने वाले समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ नेटवर्किंग करनी चाहिए। हमारी घटनाओं में भाग लें, हमारी समितियों में शामिल हों और अपने पेशेवर और व्यक्तिगत नेटवर्क का विस्तार करने के लिए अन्य सदस्यों के साथ जुड़ें। यह नेटवर्किंग ज्ञान साझाकरण की ओर ले जाएगा, और जीतो सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के माध्यम से ज्ञान साझाकरण के लिए एक मंच प्रदान करता है। नवीनतम उद्योग रुझानों, सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारी विचारों पर अद्यतन रहें ताकि आप वक्र से आगे रह सकें। सदस्यों के बीच सहयोग और संयुक्त उद्यम नए व्यावसायिक अवसरों, साझेदारियों और संयुक्त उद्यमों का अन्वेषण करने में मदद कर सकते हैं। आपसी लाभकारी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अन्य सदस्यों के साथ सहयोग करने के लिए खुले रहें। उन्होंने यह भी कहा कि जीतो एक अनोखा पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है जो आपको 10 गुना वृद्धि प्राप्त करने में मदद कर सकता है। हमारे नेटवर्क, ज्ञान, मेंटरशिप, सहयोग के अवसरों और संसाधनों का लाभ उठाकर, आप अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में असाधारण वृद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

प्रत्येक उपस्थित सदस्य ने अपने व्यवसाय, पेशे और परिवार के बारे में अपना परिचय दिया। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु साउथ के कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपडा और प्रबंध समिति के सदस्य रौनक गुलेच्छा भी सहित उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक मनीष गुलेछा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सोमेश्वर समुद्र तट पर अनुष्ठान के दौरान महिला डूबी, मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अपने देवर के लिए पिंडा प्रदान अनुष्ठान में भाग लेने आई एक महिला सोमवार को सोमेश्वरा समुद्र तट पर डूब गई और उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान उषा (72) के रूप में हुई है, जो डेरेबेल के दिवंगत जगदीश भंडारी की पत्नी थी। उषा के देवर करुणाकर भंडारी का कुछ दिन पहले निधन हो गया था। वह अनुष्ठान में भाग लेने के लिए अपने रिश्तेदारों के साथ सोमेश्वरा आई थी। अनुष्ठान पूरा करने के बाद, उषा और उसके रिश्तेदार अनुष्ठान के हिस्से के रूप में समुद्र स्नान कर रहे थे, तभी वह फिसल गई और लहरों में बह गई। घटना को देखने और मदद के लिए चिल्लाने के बावजूद, स्थानीय लोग उसे बचाने के लिए समुद्र में भागे, लेकिन वे केवल उसका बेहोश शरीर ही निकाल पाए। जब तक वे उसे किनारे पर लाए, तब तक उसे मृत घोषित कर दिया गया था। उषा एनएमपीए (न्यू मेंगलूरु पोर्ट अथॉरिटी) में 40 साल तक सेवा देने के बाद सहायक सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुई थीं। उनके परिवार में उनकी बेटी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए डेरालाकाटे स्थित के.एस. हेगड़े अस्पताल ले जाया गया और उल्लाल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल टी.दसरहल्ली द्वारा स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज के अंतर्गत कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। प्रचार-प्रसार पोस्टर के माध्यम से विभिन्न होटलों, रेस्टोरेंट, खाने-पीने की वस्तुएं बेचने वाले रोड फूड स्टॉल्स, बेकरी, प्रतिष्ठित दुकानों, मार्ट, रेलवे स्टेशन आदि जगहों पर लोगों को जागरुक किया गया। सभी को न्यूज पेपर व एल्यूमिनियम फ्वाइल पेपर में खाने - पीने की वस्तुएं नहीं देने व इन सबका प्रयोग नहीं करने की प्रेरणा दी गई। मंडल अध्यक्ष नेहा चावत ने स्टॉल्स आदि जगहों पर लोगों को अखिल भारतीय महिला मंडल का साल भर चलने वाले कैंसर अभियान से अवगत करवाया और इस अभियान की राष्ट्रीय संयोजिका अनीता बरदिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा एवं टीम की सरहाना की। इस मौके पर उपाध्यक्ष संगीता बोहरा, मंत्री नम्रता पितलिया, संगठन मंत्री सरोज मारू, संस्थापक अध्यक्ष गीता बाबेल, कार्यकारिणी सदस्य किरण मेहर, विमला पितलिया, रेखा बोहरा, प्रिया पितलिया आदि उपस्थित थी।

वक्फ घोटाला मामला

भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र नहीं, बल्कि कांग्रेस नेताओं ने दिए ऑफर: अनवर मणिपाडी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपाडी ने रविवार शाम को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा लगाए गए रिश्वतखोरी के आरोप का खंडन करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता वक्फ अतिक्रमण रिपोर्ट को दबाने के लिए उन्हें रिश्वत की पेशकश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने पिछली सरकार के दौरान अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष को वक्फ संपत्ति अतिक्रमण की जांच को दबाने के लिए 150 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश की थी। मीडिया से बात करते हुए अनवर मणिपाडी ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को मुसलमानों के लिए कोई सच्ची चिंता और प्यार है, तो उन्हें वक्फ अतिक्रमण पर अपनी रिपोर्ट केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप देनी चाहिए। उन्होंने कहा इस संबंध में प्रस्ताव कांग्रेस द्वारा दिया गया था। उन्होंने मुझे अमेरिका में बसने के लिए कहा

क्योंकि मेरे पास ग्रीन कार्ड था। विजयेंद्र ने कभी नहीं कहा कि वह 150 करोड़ रुपये देंगे। 2012 में जब मैं अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष था, तब मैंने विजयेंद्र का नाम कभी नहीं सुना था। वह पार्टी के उपाध्यक्ष थे। मुझे याद है कि जब उनके पिता बी.एस. येदियुरप्पा सीएम थे, तब मैंने उनसे रिपोर्ट के क्रियान्वयन के बारे में बात की थी। मैंने तब विभिन्न कारणों से विजयेंद्र की आलोचना की थी, लेकिन उन्होंने मुझे 150 करोड़ रुपये की कोई पेशकश नहीं की। विधानसभा में अपनी रिपोर्ट पेश करने के बाद, तत्कालीन सीएम येदियुरप्पा ने इसे सत्र में रखा। कांग्रेस नेताओं ने तीन-चार साल तक प्रस्ताव दिए थे। लेकिन मैंने उन्हें फटकार लगाई और वापस भेज दिया। अब, वे मुझसे बात करने से डरते हैं। वक्फ के पास कुल 54,000 एकड़ जमीन है। इसमें से 27,000 से 28,000 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण है। वक्फ बोर्ड के पास वर्तमान में 23,000 से 24,000 एकड़ जमीन है। वक्फ बोर्ड को 1.60 लाख एकड़ जमीन का मालिकाना हक देने का दावा करने वाले किसानों को नोटिस जारी करना कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा हिंदुओं और मुसलमानों के बीच झगड़ा पैदा करने के इरादे से किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं सहित शक्तिशाली लोगों द्वारा वक्फ संपत्तियों के अतिक्रमण के बारे में 7,000 पृष्ठों में दिए गए मेरे निष्कर्ष, हिमशैल के शीर्ष पर हैं। यदि सीबीआई जांच शुरू करती है, तो अवैधता और अतिक्रमण 70,000 पृष्ठों तक फैल जाएंगे। कांग्रेस रिपोर्ट को दबाने के लिए मुझ पर धन और बाहुबल का इस्तेमाल करने की कोशिश करती है। मेरे निजी सचिव अतीक के सेवानिवृत्ति लाभ रोक दिए गए थे और अदालत ने उन्हें राहत दी थी। वक्फ मुद्दे पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर हर तरफ से दबाव डाला जा रहा है। वह सब कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं और अतिक्रमण के मुद्दे को भटकाने के लिए विजयेंद्र का नाम ला रहे हैं। सीएम सिद्धरामैया ने शनिवार को अपने प्रेस बयान में कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की। विजयेंद्र पर अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता अनवर मणिपाडी को कथित तौर पर 150 करोड़ रुपये की पेशकश करके वक्फ घोटाले की रिपोर्ट को दबाने की कोशिश करने का आरोप है। विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के रिश्वतखोरी के आरोपों को निराधार बताया था। आरोपों का जवाब देते हुए विजयेंद्र ने सवाल किया आप (सीएम सिद्धरामैया), जो सीबीआई और ईडी जांच से घबराए हुए हैं, ने अभियोजन के लिए राज्यपाल की मंजूरी पर सवाल उठाया है और नई दिल्ली से वरिष्ठ वकीलों को नियुक्त करके कानूनी रूप से खुद को बचाने की व्यर्थ कोशिश की है। उच्च न्यायालय के फैसले के कारण अपमान का सामना करने के बाद, दूसरों के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग करने के लिए आपके पास क्या नैतिक आधार है?

जिन लोगों ने आरक्षण मुद्दे का समाधान नहीं किया, उन्हें माफी मांगनी चाहिए: सीएम

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अनवर मणिपाडी द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच सीबीआई को नहीं सौंपेंगे।

उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अनवर मणिपाडी ने खुद आरोप लगाया था कि विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने उन्हें 150 करोड़ रुपये का लालच दिया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री के बेटे ने उन्हें लालच दिया था। मणिपाडी का खुद यह कहते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड है कि इसके पीछे मुख्यमंत्री थे। हमने उसी के आधार पर जवाब दिया है। कई साल बाद अब वे कह रहे हैं कि मैंने ऐसा नहीं कहा। मुख्यमंत्री ने मीडिया से पूछा कि आप खुद बताएं कि क्या करना है। उन्होंने कहा सरकार वक्फ बोर्ड पर विधानमंडल में चर्चा के लिए भी तैयार है। वह विपक्षी दलों के सवालों का जवाब देने के लिए भी तैयार हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के इस बयान पर कि पंचमसाली समुदाय के लिए श्रेणी 2ए के आरक्षण को लेकर चल रहे संघर्ष में हुई दुर्घटना के लिए मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए, पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने इस मुद्दे का समाधान नहीं किया है, उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

सरकार के मंत्री समस्याएं नहीं सुनते: विधायक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधायक मनप्पा वज्जल ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के मंत्री समस्याएं नहीं सुनते। कोई समाधान नहीं है। सुवर्णा सौधा में विधानसभा सत्र के दौरान उत्तर कर्नाटक की समस्याओं के बारे में विस्तार से बोलते हुए उन्होंने कहा कि सात जिलों वाले कल्याण कर्नाटक की आबादी 1.30 करोड़ है। गर्मियां आते ही लोग पानी के लिए परेशान हो जाते हैं। कोई उचित शैक्षणिक व्यवस्था नहीं है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि किसानों की फसलों का कोई वैज्ञानिक मूल्य नहीं है। मुदुगल, हट्टी और लिंगासुर कस्बों में हर आठ दिन में पानी छोड़ा जा रहा है। पिछले सत्र में मंत्री ने एक माह में समस्या का समाधान करने का वादा किया था। अभी तक एक रुपये का भी काम नहीं हुआ है। मंत्री अपनी बातों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। उन्होंने चिल्लाकर कहा कि वह हमारी समस्या नहीं सुन रहे हैं। हट्टी सोने की खदान से सरकार को करोड़ों रुपये का मुनाफा होता है। लेकिन पीने के पानी की समस्या है। स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। इसके चलते हर साल 45 से 50 हजार लोग रायचूर जिला छोड़ रहे हैं। आए दिन हादसों में दर्जनों लोग

अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने सरकार पर मृतकों को मुआवजा देकर अपना पल्ला झाड़ने का आरोप लगाया। समस्या का स्थायी समाधान करें, क्षेत्र के लिए एक फैक्ट्री शुरू करें। पांच हजार महिलाओं को रोजगार दें। गृहलक्ष्मी योजना समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने मांग की कि रोजगार सृजन के जरिये इसका स्थायी समाधान किया जाये। 371 जे के संशोधन से मूल निवासियों को कोई लाभ नहीं है। उन्होंने बताया कि यहां काम करने के लिए कोई सरकारी कर्मचारी नहीं हैं। अनुबंध के आधार पर काम करने वाले अतिथि शिक्षकों, चिकित्सा कर्मचारियों के लिए कोई नौकरी की सुरक्षा नहीं है। 5,000 करोड़ रुपये का अनुदान जोड़कर कुल 10,000 करोड़ रुपये का एक अलग मंत्रालय शुरू करें। उन्होंने शिकायत की कि बारिश होने पर सरकारी स्कूलों में पानी टपकता है। इसके अलावा उन्होंने मांग की कि रोजगार सृजन पर जोर दिया जाना चाहिए।

अतुल सुभाष आत्महत्या मामला

गिरफ्तारी से बचने के लिए निकिता सिंघानिया हर दिन बदलती रही ठिकाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सनसनीखेज अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में मुख्य आरोपी निकिता सिंघानिया गिरफ्तारी से बचने के लिए हर दिन अपना ठिकाना बदल रही थी और मामले में जमानत पाने की कोशिश कर रही थी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में तीन आरोपियों - उनकी पत्नी, सास और साले को बेंगलूरु पुलिस ने रविवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अतुल सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया और उनकी मां निशा सिंघानिया और भाई अनुराग सिंघानिया को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से पकड़ा गया। पुलिस सूत्रों ने आरोपियों की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश गई विशेष टीमों ने पाया कि कर्नाटक पुलिस की टीमों के आने की खबर मिलने के बाद आरोपी अपने घरों को बंद करके चले गए थे। पुलिस ने उनके घरों की दीवारों पर नोटिस चिपका दिया था जिसमें उन्हें तीन दिनों के भीतर पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। विशेष टीम ने आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई और उनके संपर्क में रहने वाले करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की सूची बनाई। उन पर भी नजर रखी गई। चूंकि आरोपी सिर्फ वॉट्सऐप पर ही कॉल करते थे, इसलिए

उन्हें ट्रैक करना मुश्किल था। हालांकि, निकिता सिंघानिया ने गलती से अपने एक करीबी रिश्तेदार को फोन कर दिया। टावर लोकेशन के आधार पर पुलिस हरियाणा के गुरुग्राम गई और पाया कि वह रेल विहार इलाके में एक पीजी में छिपी हुई थी। उसे शहर में पुलिस ने हिरासत में लिया। पुलिस ने नितिका से पूछताछ की और उसे उसकी मां निशा सिंघानिया और भाई अनुराग सिंघानिया को फोन करने के लिए कहा। उनकी लोकेशन ट्रैक करने के बाद पुलिस ने उन्हें उत्तर प्रदेश के झूंसी शहर से हिरासत में लिया।

बाद में बेंगलूरु पहुँचने के दौरान आरोपियों से नौ घंटे तक पूछताछ की गई और यह सुनिश्चित किया गया कि 2 साल का बच्चा उसके किसी रिश्तेदार की सुरक्षा में है। पुलिस ने आरोपियों को जज के सामने पेश करने से पहले उनके बयान दर्ज किए। अगर जांच की जरूरत पड़ी तो पुलिस बॉडी वारंट पर आरोपियों को हिरासत में ले सकती है। दूसरी ओर, निकिता का परिवार कोर्ट में जमानत याचिका दायर करने की तैयारी कर रहा है। निकिता सिंघानिया ने दावा किया है कि उन्होंने अतुल सुभाष को कभी परेशान नहीं किया और वह तीन साल से उनसे दूर रह रही थीं। इस बीच, अतुल सुभाष का परिवार अतुल और निकिता के 2 साल के बेटे की कस्टडी का दावा कर रहा है। मृतक सुभाष के भाई विकास कुमार ने दावा किया है कि परिवार बच्चे को देखना चाहता था। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपियों को पकड़ने के बाद कर्नाटक पुलिस उन्हें शनिवार देर रात बेंगलूरु ले आई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अतुल सुभाष ने यह कदम उठाने से 15 दिन पहले आत्महत्या करने की योजना बनाई थी। उसने तीन दिन पहले ही मौत की सूचना लिख ली थी और गूगल पर कानूनी मामलों की खोज की थी। पुलिस ने 9 दिसंबर को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108, 3 (5) के तहत आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। विकास कुमार ने बेंगलूरु में मराठाहल्ली पुलिस के पास आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए पुलिस शिकायत दर्ज कराई थी। सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया, साले अनुराग सिंघानिया और रिश्तेदार सुशील सिंघानिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले में चौथे आरोपी सुशील को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है। विकास कुमार ने शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उनके भाई के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराए हैं और मामले को निपटाने के लिए 3 करोड़ रुपये की मांग की थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि उनके भाई को कार्यवाही के दौरान अदालत में ताना मारा गया था कि या तो उन्हें 3 करोड़ रुपये देने होंगे या फिर आत्महत्या कर लेनी होगी।

3 करोड़ रुपये की मांग के कारण आत्महत्या

निकिता के परिवार ने आरोप लगाया था कि मृतक सुभाष ने उनके परिवार से भारी दहेज की मांग की थी, जिसके परिणामस्वरूप उनके पिता की मृत्यु हो गई। बेंगलूरु में एक ऑटोमोबाइल कंपनी में काम करने वाले सुभाष ने कथित तौर पर तलाक के लिए 3 करोड़ रुपये की मांग के कारण आत्महत्या कर ली। उन्होंने 9 दिसंबर की सुबह अपने अपार्टमेंट में आत्महत्या कर ली, 90 मिनट का एक वीडियो और 40 पन्नों का डेथ नोट छोड़ा, जिसमें बताया गया था कि कैसे उनकी पत्नी निकिता सिंघानिया और उनके परिवार द्वारा उत्पीड़न ने उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया। उनके द्वारा छोड़े गए नोट में लिखा था अगर कोर्ट यह फैसला करता है कि भ्रष्ट जज और मेरी पत्नी तथा अन्य उत्पीड़क दोषी नहीं हैं, तो मेरी अस्थियों को कोर्ट के बाहर किसी नाले में बहा दें। मेरे उत्पीड़कों को सजा मिलने तक मेरी अस्थियों का विसर्जन न करें। हालांकि, परिवार ने बेंगलूरु श्मशान घाट से अस्थियां एकत्र कीं, जहां सुभाष का अंतिम संस्कार किया गया था। परिवार ने कहा कि अस्थियों को पटना ले जाया जाएगा, जहां से परिवार मूल रूप से आता है और परंपराओं के अनुसार इसे नदी में विसर्जित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री व देवेगौड़ा समेत अन्य नेताओं ने कुमारस्वामी को जन्मदिन की दी बधाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह समेत कई गणमान्य लोगों ने जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देवेगौड़ा ने कुमारस्वामी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा भगवान आपको अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करें और आपको लंबे समय तक लोगों की सेवा करने की शक्ति और भावना प्रदान करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण इस्पात और भारी उद्योग क्षेत्रों को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मैं आपके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं, ताकि ऐसे ही आप लोगों की सेवा करते रहें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने कैबिनेट सहयोगी कुमारस्वामी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कुमारस्वामी का

लोगों की सेवा के प्रति समर्पण और हमारे पारंपरिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता मोदी के विकास और विरासत को एक साथ आगे बढ़ाने के दृष्टिकोण को कायम रखने में सहायक रही है। आपके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कुमारस्वामी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा भगवान का आशीर्वाद उन पर हमेशा बना रहे और उन्हें सार्वजनिक जीवन में और अधिक सेवा करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य मिले। इसी प्रकार से मंत्रियों, पूर्व मंत्रियों, सांसदों, पूर्व सांसदों, विधायकों, जेडीएस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कुमारस्वामी को जन दिवस की शुभकामनाएं दीं। इससे पहले एचडी कुमारस्वामी ने कहा था कि मुझे अपना जन्मदिन धूमधाम से नहीं मनाना है। इस संबंध में उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा 16 दिसंबर को मेरा जन्मदिन है। हर साल पार्टी कार्यकर्ता मेरा जन्मदिन बहुत सार्थक तरीके से मनाते हैं और आपने मेरे जीवन में अर्थ लाया है। वे राजनीतिक रूप से मेरी सफलता के मुख्य स्तंभ हैं। उस कृतज्ञता की भावना के साथ, मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है। मुझे नई दिल्ली में रहना होगा क्योंकि संसद सत्र चल रहा है। साथ ही बेलगावी सुवर्णसौधा में भी गतिविधियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में किसी भव्य जन्मदिन की जरूरत नहीं है। आप जहां हैं वहीं से मुझे आशीर्वाद दें। मेरे लिए इतना ही काफी है। यदि संभव हो तो समाज, कमजोर लोगों की मदद के लिए कुछ करें। जनसेवा ही धर्मनिरपेक्ष जनता दल पार्टी का सिद्धांत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि यह वह उपहार है जो वे मुझे दे रहे हैं।

मेरे ऊपर लगे 150 करोड़ के रिश्वतखोरी के आरोप की हो सीबीआई जांच: विजयेंद्र

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने सीएम सिद्धरामैया से मैसूरु मुडा घोटाला, वक्फ गबन पर अनवर मणिपाडी की रिपोर्ट, मेरे खिलाफ 150 करोड़ रुपये के आरोपों की व्यापक सीबीआई जांच का आदेश देने का आग्रह किया।

बेलगावी सुवर्णा सौधा में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने सिद्धरामैया से अनुरोध किया कि मेरे खिलाफ लगाए गए 150 करोड़ के आरोप को सीबीआई को सौंपें और अनवर मणिपाडी की रिपोर्ट को स्वीकार करें और इसकी भी जांच करें। ऐसी रिपोर्ट है कि वक्फ जमीन के मामले में लाखों-करोड़ों रुपये का गबन किया गया है। इसलिए इसकी व्यापक जांच करायी जाये। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सत्ता पक्ष आज सदन में ऐसी चीजें प्रस्तावित कर रहा है जो काम की नहीं है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि

इसके पीछे मंशा यह थी कि सदन में मातृ मृत्यु और उत्तरी कर्नाटक के मुद्दों पर चर्चा न हो। उन्होंने कहा येदियुरप्पा ने कोविड की स्थिति को कुशलतापूर्वक संभाला। हालाँकि, उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के दुर्भावना-पूर्ण इरादे से, न्यायमूर्ति कुन्हा ने अंतरिम रिपोर्ट रखी और एफआईआर दर्ज की। इसके अलावा उन्होंने मुनिरत्ना मामले की चर्चा की भी आलोचना की। इसमें कोई शक नहीं कि सिद्धरामैया खुद इतनी बड़ी धमकियों से डरते हैं। उन्होंने कहा कि ये कोई नई बात नहीं है। इससे पहले सिद्धरामैया सरकार ने सीएजी रिपोर्ट को लेकर येदियुरप्पा के खिलाफ 25 मामले दर्ज किए थे और येदियुरप्पा और भाजपा को खत्म करने की साजिश रची थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने यह सोचकर ऐसा किया है कि अगर वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बन गए तो कांग्रेस सत्ता में वापस नहीं आ पाएगी। सिद्धरामैया मुडा, वाल्मीकि निगम घोटाले और उत्पाद शुल्क विभाग घोटाले में फंस गए हैं और छटपटा रहे हैं। प्रियांक खड़गे मुझ पर आरोप लगा रहे हैं, जबकि हाल ही में उनके पोर्टफोलियो का भी खुलासा हुआ है। बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास सैकड़ों करोड़ रुपये का 5 एकड़ का प्लॉट अवैध रूप से राहुल खड़गे को आवंटित किया गया था। क्या प्रियांक खड़गे ने खुद इसे वापस नहीं किया है।

राजस्थानी कला, संस्कृति पर आधारित मेला आपणों देश का यादगार आयोजन

विभिन्न व्यवसाय से जुड़े 79 स्टाल लगाए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा द्वारा अपनी संस्था के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर दो दिवसीय राजस्थानी मेला आपणों देश का आयोजन किया गया। राजस्थानी मेला 14 और 15 दिसंबर को प्रिंसेज श्राइन पैलेस ग्राउंड बेंगलूरु में आयोजित किया गया। राजस्थानी कला संस्कृति पर आधारित मेला आपणों देश में मुख्य रूप से राजस्थानी कला, संस्कृति, स्वादिष्ट व्यंजन और जीवंत रहन-सहन को प्रदर्शित किया गया। राजस्थानी मेला आपणों देश में राजस्थानी नृत्य, संगीत बहुत आकर्षिक रहा, जिसमें राजस्थान के मशहूर पारंपरिक बैंड वीणा म्यूजिकल ने अपने 25 कलाकारों के साथ शानदार प्रस्तुति दी। कपिल शर्मा शो कलाकार एवं जूनियर अक्षय कुमार के नाम से मशहूर विकल्प मेहता ने अपनी प्रस्तुति दी। डीवीपी ग्रुप और राजस्थानी अभिनेत्री भूमिका गौर सहित विभिन्न कलाकारों ने अपने प्रदर्शन से राजस्थानी मेला आपणों देश को यादगार बना दिया। राजस्थानी मेला आपणों देश के माध्यम से मारवाड़ी युवा मंच राजस्थानी संस्कृति के महत्व को उजागर करना, आने वाली की नई पीढ़ी को राजस्थानी संस्कृति से अवगत कराना और समाज का राजस्थान से परिचय कराना था। राजस्थानी मेला आपणों देश अखिल

भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के मार्गदर्शन में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा, मंच दर्शन के अनुरूप जनसेवा, समाज सुधार, व्यक्ति विकास, सामाजिक सम्मान व आत्म सुरक्षा एवं राष्ट्रीय विकास व एकता को स्थापित करने के दिशा में निरंतर अग्रसर है और उसी रूप में अपने सभी कार्यों को पिछले 25 वर्षों से संपादित करता रहा है। राजस्थानी मेला आपणों देश के ऐतिहासिक आयोजन के सूत्रधार मायुम राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र भट्ट, प्रदेश अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल, समाज के गणमान्य लोगों में चंदू भाई, मुरारी लाल सराओगी, संजय वैद्य, एमडी गुरु पुरवानी, हाथीमल, सुरेंदर गोयल, प्रकाश माण्डोत और आर.के इंफ्रा थे।

इसके अलावा टीम केप्रबंधन में अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, सचिव शुभम लोहिया, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, कर्नाटक प्रान्त अध्यक्ष नितेश टिबडेवाल, अंकित मोदी, जे पी अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, मोहित शर्मा, पवन राजलीवाल, प्रदीप अग्रवाल, रवि खिरोरिया, अशोक अग्रवाल, सक्रिय सदस्यों में सनी जैन, पंकज जालान, अमित अग्रवाल, गोपाल गर्ग, सोनू शर्मा, सुशील सैनी, तनुज, जयेश पोद्दार, अशोक अग्रवाल, श्रीकांत खेतान, प्रतीक शाह, गगन लोहिया, पुनित राठी, अमित यादुका, सत्यम डोकानिया, रूपेश, हितेश पोद्दार आदि लोग मौजूद थे।

जिन्होंने बेंगलूरु के अपार जनसमूह को राजस्थान से परिचय कराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एफकेसीसीआई के अध्यक्ष एम जी बालकृष्ण ने राजस्थानी मेला की कल्पना करने और उसे सफल रूप से साकार करने के लिए अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच और इससे संबद्ध संस्थाओं की सराहना की। साथ ही इसे एक यादगार ऐतिहासिक आयोजन बताया।

मेला में विभिन्न व्यवसाय से जुड़े 79 स्टाल लगाए गए थे। 5000 से अधिक लोगों ने ऐतिहासिक राजस्थानी मेला का आनंद लिया। खरीदारियां की और स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ीगरा रक्षण वेदिके बापूजी नगर द्वारा हुली उरम्मा देवी उत्सव मनाया गया। मां के दर्शन करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां का दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। साथ ही कहा हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व है। वेदिके के अध्यक्ष प्रकाश एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

आरएसएस और भाजपा से खतरा की वजह से अनवर ने लिया यू-टर्न: हरिप्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने हाल ही में अनवर मणिपाडी द्वारा लिए गए यू-टर्न का जिक्र करते हुए कहा कि उनके रुख में बदलाव संदिग्ध था। हरिप्रसाद ने कहा यह वह बयान नहीं है जो अभी दिया गया है। यह 2018 में दिया गया था, और इसका येदियुरप्पा परिवार पर गंभीर प्रभाव पड़ा था। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य मणिपाडी को राजनीतिक ताकतों, खासकर आरएसएस और भाजपा से बाहरी दबाव का सामना करना पड़ सकता है। हरिप्रसाद ने कहा जिस तरह से अनवर ने यू-टर्न लिया है, उससे साफ पता चलता है कि अल्पसंख्यक होने के नाते उन्हें आरएसएस और भाजपा से खतरा हो सकता है। इसलिए उन्होंने यू-टर्न लिया है।

बेलगावी में सत्र नहीं चल रहा, यह एक पिकनिक की तरह: विजयेन्द्र

विशाल विरोध प्रदर्शन को किया संबोधित

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने सोमवार को आरोप लगाया कि ये विधानसभा, विधान परिषद के सत्र जैसा नहीं है। यह पिकनिक जैसा है। वह भाजपा महिला मोर्चा की ओर से येदियुरप्पा रोड, बेलगावी में आयोजित विशाल विरोध प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे, जिसमें मातृ मृत्यु और कांग्रेस सरकार की दैवीय लापरवाही की निंदा की गई। मातृ मृत्यु लगातार जारी है। हम सभी को पीड़ित परिवारों के लिए आवाज उठाने का काम करना होगा। उस कार्य के लिए भाजपा महिला मोर्चा को बधाई।

एक किसान नेता, तत्कालीन मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने यहां सुवर्णसौधा बनाने और उत्तरी कर्नाटक के मुद्दे पर व्यापक चर्चा की उम्मीद की थी। वह इस हिस्से के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करना चाहते थे। सदन में ऐसे मुद्दों पर चर्चा नहीं हो रही है। उन्होंने येदियुरप्पा की भाग्यलक्ष्मी परियोजना को सिद्धरामैया सरकार द्वारा रोके जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य में इतनी घटिया सरकार है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार माताओं को अपमानित कर रही है। यह वह मामला है जहां मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सरकार हमारी माताओं के बचाव में नहीं आई है। ऐसी स्थिति के बावजूद कांग्रेस सरकार को इसकी बिल्कुल भी चिंता नहीं है। मातृ मृत्यु और अन्य घटनाओं के बावजूद मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने दौरा नहीं किया। यह कांग्रेस सरकार घोटालों की श्रृंखला में फंसी हुई है। महर्षि वाल्मीकि निगम घोटाला मुख्यमंत्री की मिलीभगत से हुआ और मंत्री इस्तीफा देकर जेल गये। मैसूरु का मुडा घोटाला 5 हजार करोड़ से ज्यादा का है। उन्होंने आलोचना की कि मुख्यमंत्री का परिवार सीधे तौर पर घोटाले में शामिल है। गरीबों के हिस्से के 62 करोड़ के प्लॉट मुख्यमंत्री के परिवार के हिस्से में आ गए। उन्होंने बताया कि भाजपा ने भी इसके खिलाफ पदयात्रा निकाली थी और लड़ाई लड़ी थी। इस मौके पर प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष केयूसी मंजुला, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायण स्वामी, विधान परिषद सदस्य सीटी रवि, एन. रविकुमार, बेलगावी महानगर जिला अध्यक्ष गीता सुतारा, बेलगावी ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुभाष पाटिल, चिक्कोडी जिला अध्यक्ष सतीश अप्पाजीगोला, पूर्व मंत्री शशिकला जोले, पूर्व विधायक रूपाली नाइक, विधायक भागीरथी मुराल्या, भरत शेट्टी, विधान परिषद सदस्य भारती शेट्टी, एच विश्वनाथ, हेमलता नाइक, राज्य महिला मोर्चा महासचिव शिल्पा सुवर्णा, शोभा निसीम गौड़ा, उपाध्यक्ष शांभवी अश्वथपुर, राज्य सचिव महिला मोर्चा सोनाली सरनोबत, बेलगवी महानगर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शिल्पा काकरे आदि उपस्थित थे।

कॉफी विथ जीतो कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में आपसी संवाद हेतु कॉफी विथ जीतो 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र के पावन उच्चारण और सभी पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा जीतो की विशेषता है, पंथवाद से अलग यहाँ सभी जैनी एक मंच पर है। हम सभी को अपने काम से इसका ब्रांड एंबेसडर बनना है। सभी को प्रोत्साहित करते हुए अपने जोशीले अंदाज से बताया कि जीतो अपनी जैन एकता का प्रतीक है, जहां चार पीढ़ी एक साथ काम करती है और अगर हम व्यवहार और व्यापार में कुछ हासिल करना चाहते हैं तो उसका माध्यम जीतो है। उन्होंने सभी आयामों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी और बताया कि जैन धर्म पर जो लक्ष्मी का वरदान है

वो और किसी धर्म पर नहीं है। यहाँ सीखने के लिए भी बहुत कुछ है। महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा कि कॉफी विथ जीतो यह एक अनूठी पहल है। कॉफी विथ जीतो सभी सदस्यों से मिलने का संकल्प, आपसी मेल मिलाप, नए सदस्यों को जोड़ने के साथ-साथ, सबका साथ-सबका विकास मूल मंत्र है। उन्होंने बताया यह हमारा एक परिवार है और हम चाहते है, व्यवसायिक दृष्टि से एक साथ जुड़े और जीतो के जितने भी चीफ पैट्रन और पैट्रन सदस्य हैं उनके साथ विशेष चर्चा-परिचर्चा हो। जीतो विश्व का जैन समाज का विश्वस्त मंच प्रदान है, जहां एक ही छत के नीचे सभी एक समान है। जीतो पूर्व अध्यक्ष श्रीपाल खिंवेसरा ने कहा कॉफी विथ जीतो कार्यक्रम द्वारा जीतो से जुड़े प्रत्येक सदस्य तक पहुँचने की पहल का कार्य बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष विमल कटारिया एवं महामंत्री विजय सिंघवी व टीम के नेतृत्व में सराहनीय कदम है। आपसी संपर्क एवं विचारों के आदान-प्रदान से व्यवसाय व व्यवहार में वृद्धि होगी। जीतो एपेक्स के निर्देशक एंड डायरेक्टर प्रभारी यूथ प्रवीण शाह ने जीतो के वर्टिकल्स की जानकारी दी। इस अवसर पर एपेक्स के निर्देशक प्रवीण शाह, जीतो बेंगलूरु के पूर्व चेयरमैन श्रीपाल खीवेसरा, नॉर्थ चैप्टर चेयरमैन, वाइस चेयरमैन दिनेश बाफना, कोषाध्यक्ष नरेंद्र आछा, कार्यक्रम संयोजक दिनेश लोढ़ा, सह सयोजक प्रीतेश जैन, सह-संयोजक मदन मुणोत, मंत्री अशोक भंडारी, मंत्री पंकज जैन, कार्यकारिणी सदस्य विनोद नंदावत, दिनेश खिंवेसरा, नितेश गांधी, रमेश दक, राकेश पोखरणा की गरिमामय उपस्थिति रही।

अनवर मणिपाडी राजनीतिक दबाव के कारण ले रहे यू-टर्न: शिवकुमार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपाडी राजनीतिक दबाव के कारण यू-टर्न ले रहे हैं। सुवर्ण विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैंने सोशल मीडिया पर अनवर मणिपाडी के बयान देखे। उन्होंने कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को पत्र लिखा है।

मुख्यमंत्री ने भी ट्वीट में उनके बयानों का हवाला दिया है। रिकॉर्ड कहीं नहीं जाएंगे, हम ऐसा करने से पहले उन्हें दस्तावेज जारी करने दें। वे अनवर मणिपाडी द्वारा अपने बयान को वापस लेने के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। जब उनसे सीएम के इस बयान के बारे में पूछा गया कि जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए, तो उन्होंने जवाब दिया, सभी तथ्य हमारे सामने हैं। सीबीआई को राज्य सरकार को जांच की अनुमति मांगने के लिए पत्र लिखने दें,

हम तब इस पर विचार करेंगे। हम इसे सीबीआई को नहीं सौंपेंगे। भाजपा यह जानती है और इसलिए सीबीआई जांच की मांग कर रही है।

यह पूछे जाने पर कि इस मुद्दे पर इतना भ्रम क्यों पैदा किया जा रहा है, उन्होंने कहा आप ही भ्रम पैदा कर रहे हैं। आपने ही रिपोर्ट की है कि अनवर ने क्या कहा और सीएम ने भी ट्वीट में उनके बयान को उद्धृत किया है। इसे छिपाने के लिए अनवर को नया बयान जारी करने के लिए मजबूर किया गया है। मीडिया को इसकी जांच करनी चाहिए। अनवर के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि कांग्रेस नेताओं ने उन्हें प्रस्ताव दिया था, उन्होंने कहा उन्हें यह पहले ही कह देना चाहिए था। अब कहने का क्या फायदा? सत्ता में कोई क्या कहता है, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है।

यतनाल ने पंचमसाली कोटा विवाद को हवा देने के लिए कांग्रेस विधायकों को दोषी ठहराया

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। वरिष्ठ भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि पंचमसाली लिंगायत समुदाय ने कभी 2ए आरक्षण की मांग नहीं की और उन्हें इसकी जरूरत भी नहीं है। 2ए श्रेणी में पहले से ही 104 पिछड़ी जातियां हैं और हम उनके अधिकारों को छीनने के लिए तैयार नहीं हैं। हम उनके हाथों में हाथ नहीं डालेंगे। वास्तव में, हमने 2ए आरक्षण की मांग नहीं की थी। उन्होंने कांग्रेस विधायकों विजयानंद काशप्पनवर और लक्ष्मी

हेब्बालकर का नाम लिए बिना कहा यह कांग्रेस के नेता थे जिन्होंने आरक्षण की आग को भड़काया। पिछली भाजपा सरकार ने वोक्कालिगा और लिंगायतों के लिए क्रमशः 2सी और 2डी श्रेणियां बनाई थीं। बोम्मई सरकार ने 2ए में मुसलमानों को दिए गए 4 प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर दिया और नई बनाई गई श्रेणियों में से प्रत्येक को 2 प्रतिशत वितरित किया। मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। हम कानूनी लड़ाई लड़ेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि मुसलमानों को अवैध रूप से दिया गया 4 प्रतिशत आरक्षण खत्म हो और हमें 2डी के तहत हमारा हक मिले। यतनाल ने कहा कि वह सत्र के बाद रिकॉर्ड के साथ बेंगलूरु के कचरा निपटान में करोड़ों रुपये के घोटाले का पर्दाफाश करेंगे।

जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी नक्सलवाद का करेंगे खात्मा : शाह

शहीदों के बलिदान को चिर स्थाई बनाने उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी: मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री श्री साय और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने बस्तर प्रवास के दूसरे दिन आज अमर वाटिका में नक्सली हमले में शहीद जवानों और नक्सली हिंसा से पीड़ित नागरिकों के परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने परिजनों से चर्चा करते हुए कहा कि एक लम्बी और वेदनापूर्ण लड़ाई में आपने अपने परिजनों को खोया है, इस दर्द को कम नहीं किया जा सकता है। केंद्र और राज्य सरकार आपके साथ है। शहीदों के त्याग और बलिदान को चिर स्थाई बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार उनकी पुण्य स्मृतियों को सहेजने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि आप सभी ने जैसे अपने परिजनों को खोया है, वैसे किसी और को खोना न पड़े। मैं नक्सली हमलों में शहीद हुए जवानों और जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मां दंतेश्वरी की धरती से नक्सलवाद को पूर्णतः समाप्त कर देंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि भारत सरकार की सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस के जवान मजबूती के साथ नक्सल मोर्चे पर काम कर रहे हैं। पिछले एक साल की सटीक रणनीति से नक्सलवाद का दायरा सिमटा है और ढेर सारे विकास के कार्यों को गति देने के लिए चरणबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में नक्सल उन्मूलन अभियान को केंद्र सरकार का पूरा समर्थन और सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सल उन्मूलन के लिये सरकार तीनों मोर्चो पर काम कर रही है। माओवादी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर आत्म सर्मपण करने वालों का स्वागत किया जा रहा है। नक्सल अभियान के दौरान उन्हें गिरफ्तार भी किया जा रहा है और जो दूसरे की जान लेने पर आमादा हैं, उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शहीदों के परिजनों की समस्या सुनने के लिए पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में सप्ताह में एक दिन नियत किया गया है। उन्होंने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आईजी कार्यालय में कलेक्टर भी मौजूद रहें और इस मुहिम का हिस्सा बने। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि अपनों को खोने का दर्द कोई कम नहीं कर सकता किंतु हम कुछ ऐसी व्यवस्था बनाएंगे, जिससे आपकी पीड़ा को कम किया जा सके।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि आपके परिजनों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार साथ मिलकर आपके हितों का ध्यान रखेगी। आप सभी के लिए जो बेहतर होगा वह कार्य करने के लिए हम सभी दृढ़संकल्पित हैं। उन्होंने परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे लिए बहुत खुशी की बात है कि हर बार जब हमारे जवानों को नक्सल मोर्चे पर सफलता मिली है केंद्रीय गृह मंत्री जी ने उनकी हिम्मत बढ़ाई है और उनकी पीठ हमेशा थपथपाई है। आज भी वे आपकी हौसला अफजाई के लिए आये हैं और आपके साहस और संकल्प के लिए आपके अभिनंदन के लिए आये हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार शहीद जवानों की स्मृतियों को सहेजने के लिए उनके गांवों में प्रतिमा की स्थापना करेगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर में शांति व उन्नति के लिए शहीद हुए जवानों और नक्सली हिंसा में पीड़ित परिवार के परिजनों से हम लोग मिलना चाह रहे थे। आप सभी हमारे परिवार का हिस्सा हैं और अपनों को खोने का यह दुःख हम सभी को समान पीड़ा दे रहा है।

इस अवसर पर शहीद जवानों के परिजन और नक्सली हिंसा से पीड़ित नागरिकों के परिजन उपस्थित थे।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने की घोषणा

मारे गए दो बिहारियों के परिजनों को मिले 10-10 लाख

इंफाल, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के काकचिंग जिले में हुई बिहार के दो किशोरों की हत्या की सीएम एन बीरेन सिंह ने निंदा की है। उन्होंने दोनों मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को पकड़ने और मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के गोपालगंज जिले के निवासी सुनालाल कुमार और दशरथ कुमार की काकचिंग-वाबागई रोड पर केराक में पंचायत कार्यालय के पास गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। दोनों किशोर निर्माण मजदूर के रूप में काम कर रहे थे और मेटेई बहुल काकचिंग में किराए के घर में रहते थे।

सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा, मैं मणिपुर के काकचिंग जिले में बिहार के युवा भाइयों सुनालाल कुमार (18) और दशरथ कुमार (17) की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। यह कृत्य हमारे मूल्यों पर सीधा हमला है और मेरी गहरी संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। हम इस संभावना को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि यह भयानक अपराध हमारे राज्य को अस्थिर करने और इसे अराजकता की ओर धकेलने की एक बड़ी साजिश है। हमें इन विनाशकारी ताकतों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे भय और असुरक्षा पैदा करने में सफल न हों।

सीएम ने कहा कि प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। जिम्मेदार लोगों की पहचान करने, उन्हें पकड़ने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। यदि जरूरी हुआ तो निष्पक्ष और गहन जांच के लिए मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया जाएगा।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान के दौरान बड़ी संख्या में हथियारों का जखीरा और गोला-बारूद जब्त किया। पुलिस ने बताया कि केंद्र और राज्य के सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने एल जंगनोमफाई और फ्रीडम हिल में तलाशी अभियान चलाया। यहां से 7.62 एमएम राइफल, एक नौ एमएम की पिस्टल, एक बैरल बंदूक, एक डबल बैरल गन, एक पोंपी गन, चार हैंड ग्रेनेड और चार स्टारडाइन विस्फोटक और चार इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर जब्त किए गए। जब्त किए गए हथियारों और गोला बारूद को कांगपोकपी पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है।

नए साल के जश्न के लिए गुलमर्ग में बुकिंग फुल

जम्मू, 16 दिसंबर (ब्यूरो)। टूरिज्म सेक्टर से जुड़े कश्मीरियों के चेहरों पर एक खुशी का भाव इसलिए देखा जा रहा है क्योंकि नए साल का जश्न मनाने की खातिर गुलमर्ग में बुकिंग फुल है। कमोबेश अन्य पर्यटनस्थलों पर भी ऐसी ही स्थिति है।

यह सच है कि छुट्टियों का मौसम और नए साल और क्रिसमस का त्यौहार नजदीक आने के साथ ही, कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर वादी में एक खुशनुमा और सपनों जैसी छुट्टी मनाने के लिए अलग-अलग बुकिंग ट्रेंड दर्ज किए जा रहे हैं।

कश्मीर के कई होटल मालिकों व ट्रेवल एजेंटों का कहना था कि बर्फ से ढके परिदृश्यों के लिए मशहूर गुलमर्ग में नए साल के लिए पहले ही सभी कमरे बुक हो चुके हैं। उनका मानना था कि यह टूरिस्टों के बीच इसकी निरंतर लोकप्रियता को दर्शाता है।

हालांकि, वे इससे निराश थे कि इस स्की रिसोर्ट और अन्य स्थानों पर क्रिसमस के लिए बुकिंग काफी कम है, जैसा कि अन्य पसंदीदा स्थलों के मामले में है। गुलमर्ग के एक होटल मालिक के बकौल, नए साल के लिए सभी बुकिंग पूरी हो चुकी हैं। वे कहते थे कि एक भी कमरा खाली नहीं बचा है। पर क्रिसमस के लिए फिर भी उन्हें टूरिस्टों का इंतजार है।

वे चिंता में थे कि उन्हें क्रिसमस के लिए बुकिंग खुली इसलिए रखनी पड़ रही है क्योंकि इस साल यह बहुत कम है। पहलगाम के प्रसिद्ध टूरिस्ट स्पाट में, एक होटल मालिक का कहना था कि उन्हें नए साल की बुकिंग के लिए अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि क्रिसमस के लिए आरक्षण सीमित कर दिया गया है। पहलगाम के कई अन्य होटल व्यवसायियों ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए।

हालांकि सोनमर्ग के होटलवाले थोड़ा चिंतित हैं क्योंकि वहां इस साल दोनों त्यौहारों के लिए बहुत कम बुकिंग देखी है। सोनमर्ग के होटल मालिक कहते थे कि हम छुट्टियों की अवधि के लिए लगभग 70 से 80 परसेंट बुकिंग देख रहे हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में कम है। इतना जरूर था कि दूधपथरी में भी हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद पर्यटकों की संख्या में वृद्धि देखी गई है।

यही कारण था कि दूधपथरी के होटल मालिक क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान यहां पर आने वालों की संख्या में और वृद्धि होने की उम्मीद जरूर लगाए बैठे है। कई अन्य टूर और ट्रैवल एजेंटों का मानना था कि गुलमर्ग और पहलगाम में नए साल के लिए सभी कमरे बुक हैं।

पर चिंता की बात यह है कि श्रीनगर में डल झील में हाउसबोट खाली हैं।

कश्मीर वादी में ठंड से जमे हुए झरने पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

जम्मू, 16 दिसंबर (ब्यूरो)। कश्मीर वादी ठंड के भयानक दौर से गुजर रही है। इस ठंड का मजा लूटने कश्मीर आने वाले टूरिस्टों के लिए वे झरने प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं जो पूरी तरह से जम चुके हैं। इनमें से प्रमुख उत्तरी कश्मीर के टंगमर्ग के द्रुंग इलाके में जमे हुए झरने हैं जो पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गए हैं। पर्यटक इन इलाकों में प्राकृतिक नजारे को देखने के लिए उमड़ रहे हैं।

कश्मीर में ठंड के मौसम के बीच, गुलमर्ग के लोकप्रिय हिल स्टेशन से कुछ किमी की दूरी पर स्थित द्रुंग का झरना एक मनमोहक दृश्य बन गया है। इस साइट ने विशेष रूप से व्लॉगर्स और कंटेंट क्रिएटर्स का ध्यान आकर्षित किया है, जो इसके आश्चर्यजनक दृश्यों को रिकार्ड करने के लिए उमड़ रहे हैं। इस सर्दी में झरना पर्यटकों के लिए एक जरूरी पर्यटनस्थल बन चुका है।

इस झरने का नजारा लूटने आए एक पर्यटक का कहना था कि यह बिल्कुल आश्चर्यजनक है; ऐसा लगता है जैसे किसी ने पॉज का बटन दबाया और समय के साथ सब कुछ जम गया हो। यह प्रकृति द्वारा सजीव की गई पेंटिंग की तरह है।

चंडीगढ़ से आने वाले एक पर्यटक अमित कोहली ने भी ऐसी ही भावना साझा की। वे कहते हैं कि मेरे क्षेत्र में ठंडे मौसम के बावजूद, जिस तरह से सर्दियों ने इस जगह को बदल दिया है, वह बेजोड़ है। मैं अपनी आंखें इस पर से नहीं हटा सकता। यह प्रकृति का सबसे बेहतरीन रूप है। पूरा झरना एक शिल्पकार द्वारा निर्मित चमत्कार जैसा दिखता है।

हालांकि कड़ाके की ठंड ने शुरू में कुछ पर्यटकों को यहां आने से आशंकित किया, लेकिन लुभावने दृश्य ने उनका मन बदल दिया। एक चेन्नई के एक पर्यटक के शब्दों में, मेरे सामने मौजूद सुंदरता के कारण अत्यधिक ठंड मुझे परेशान नहीं करती।

जमे हुए झरने की ऑनलाइन तस्वीरें देखने के बाद आए कई पर्यटक इस बात से हैरान थे कि यह जगह वास्तव में कितनी बेहतर दिखती है। पर्यटकों के एक समूह का कहना था कि लोग तस्वीरों को संपादित और बेहतर बनाते हैं, लेकिन मेरा विश्वास करें, यह जगह तस्वीरों से कहीं ज्यादा खूबसूरत है। इस प्राकृतिक आश्चर्य को देखने के लिए हर किसी को यहां आना चाहिए।

इस बीच अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि कश्मीर में भीषण शीतलहर चल रही है और न्यूनतम तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे बना हुआ है। श्रीनगर शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के समान ही था।

गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात से थोड़ा कम है। पहलगाम, जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर के रूप में कार्य करता है, में न्यूनतम तापमान शून्य से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस नीचे से थोड़ा कम है।

पंपोर शहर के बाहरी इलाके में एक शांत गांव कोनीबल घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां पारा शून्य से 6 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया। कश्मीर के प्रवेश द्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में शून्य से 4.2 डिग्री नीचे और दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में शून्य से 3.9 डिग्री नीचे दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने 26 दिसंबर तक मौसम के शुष्क रहने तथा 21-22 दिसंबर की रात को घाटी के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना जताई है। हालांकि, अगले तीन दिनों के दौरान घाटी में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने तथा कई स्थानों पर शीत लहर चलने का अनुमान है।

छह नये सदस्यों ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

नयी दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में सोमवार को छह नव निर्वाचित सदस्यों ने सदन की सदस्यता की शपथ ली।

सभापति जगदीप धनखड़ ने कार्यवाही शुरू होते ही पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस के रिताब्रत बनर्जी , हरियाणा से भारतीय जनता पार्टी की रेखा शर्मा, आन्ध्र प्रदेश से भाजपा के रायगा कृष्णैया ,ओडिशा से भाजपा के सुजीत कुमार और आन्ध्र प्रदेश से तेलुगु देशम के एम राव यादव और साना सतीश बाबू को सदन की सदस्यता की शपथ दिलायी।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के बीच ग्रैप-3 लागू

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। बढ़ रहे प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप का तीसरा चरण लागू कर दिया गया है। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट की उप-समिति ने यह फैसला लिया।

ग्रैप के तीसरे चरण को लागू करने के बाद बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल वाहनों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाती है। इसके अलावा, बिल्डर प्रोजेक्ट, सड़क निर्माण और अन्य निर्माण परियोजनाओं पर भी पूरी तरीके से रोक लगा दी जाती है। ग्रैप 3 के नियम

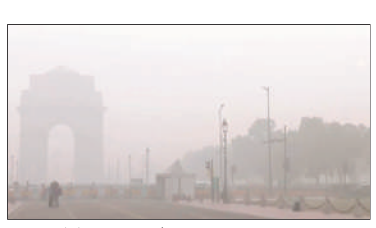

लागू होते ही सिर्फ अति आवश्यक जगह जिनमें, एयरपोर्ट, अस्पताल, एलिवेटेड रोड और एसटीपी प्लांट परियोजनाओं को छोड़कर सभी जगह पर निर्माण कार्य बंद कर दिया जाता है।

एक्यूआई 401 से 450 के बीच होने पर तीसरा चरण लागू किया जाता है। इसमें हर दिन सड़कों की सफाई की जाती है, नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाता है। निर्माण और विध्वंस से निकलने वाले धूल और मलबे का सही तरीके से निष्पादन किया जाता है। बता दें कि ग्रैप में कुल चार चरण आते हैं। पहला चरण तब लागू होता है, जब एक्यूआई 201 से 300 के बीच रहता है। इसके बाद दूसरा चरण एक्यूआई 301 से 400 के बीच रहने पर लागू होता है, जबकि तीसरा चरण एक्यूआई 401 से 450 रहने पर लागू किया जाता है। वहीं, चौथे चरण में एक्यूआई के 450 से अधिक होने पर इसे अमल में लाया जाता है।

ईवीएम पर सवाल उठाने वालों को निर्वाचन आयोग को 'विसंगतियां' दिखानी चाहिए: अभिषेक बनर्जी

नयी दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाने वालों को निर्वाचन आयोग को ''विसंगतियां'' दिखानी चाहिए।

बनर्जी की टिप्पणी जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री एवं 'इंडिया' गठबंधन के घटक नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला द्वारा ईवीएम पर कांग्रेस की आपत्तियों को खारिज किए जाने के बाद आई।

अब्दुल्ला ने कहा था कि कांग्रेस ईवीएम की विश्वसनीयता पर तभी सवाल उठाती है, जब वह हार जाती है।

'इंडिया' गठबंधन के नेतृत्व के मुद्दे पर ममता बनर्जी का समर्थन करने वाले नेताओं के बारे में पूछे जाने पर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा कि गठबंधन के सदस्य बैठेंगे और इस पर चर्चा करेंगे।

ईवीएम से जुड़े सवालों पर बनर्जी ने कहा, यह मेरी निजी राय है कि जो लोग ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें निर्वाचन आयोग को इसकी विसंगतियों का प्रदर्शन करना चाहिए। उन्हें निर्वाचन आयोग को कोई वीडियो (सबूत के तौर पर) दिखाना चाहिए।

सीएम योगी से मिले फ्रांस के राजदूत डॉ. थियरी माथू

रक्षा, फार्मा और शिक्षा क्षेत्र में निवेश पर हुई चर्चा

फ्रांस के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई सीएम योगी की बैठक

लखनऊ,16 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को फ्रांस के राजदूत डॉ. थियरी माथू ने मुलाकात की। उनके साथ फ्रांस का प्रतिनिधिमंडल भी था। मुख्यमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल की प्रदेश में रक्षा, फार्मा और शिक्षा सेक्टर में एमओयू व निवेश को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में निवेश के लिए हर मदद का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने फ्रांसीसी कंपनियों को एनसीआर, बुंदेलखंड के साथ ही रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। प्रतिनिधि मंडल ने भारत की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की 60 फीसदी युवा शक्ति के लिए निवेश को लेकर उत्साह दिखाया। माथू ने उत्तर प्रदेश व फ्रांस के बीच व्यापारिक-सांस्कृतिक साझेदारी को और प्रगाढ़

करने की इच्छा जताई। प्रतिनिधिमंडल ने आईटी कॉरिडोर, स्मार्ट सिटीज व सांस्कृतिक उन्नयन को लेकर भी उत्तर प्रदेश के साथ काम करने को लेकर रुचि दिखाई। बैठक में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने, निवेश बढ़ाने, नवीकरणीय ऊर्जा और उत्तर प्रदेश में फ्रांसीसी कंपनियों की उपस्थिति के विस्तार पर भी चर्चा हुई। माथू ने भारत की प्राचीन संस्कृति और इतिहास के को लेकर फ्रांस में हो रहे अध्ययनों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी स्थित संपूर्णानंद विश्वविद्यालय में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के महत्व को रेखांकित किया। दोनों पक्षों ने शिक्षा, संस्कृति और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग, जेवर हवाई अड्डे पर एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल) हब की स्थापना और बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के फार्मा पार्क में निवेश के अवसरों पर भी बल दिया।

बंद मंदिर के कुएं से निकली देवी देवताओं की खंडित मूर्तियां

संभल, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल के खग्गू सराय में शिव मंदिर के पट खोले जाने के बाद अब उस मंदिर के पास स्थित एक कुएं की खुदाई की जानकारी सामने आई है। अभी तक प्रशासन ने 15-20 फीट तक मंदिर की खुदाई कर ली है और इतनी ही गहराई में उन्हें देवी-देवताओं की खंडित प्रतिमाएं मिलनी लगी हैं।

सामने आई तस्वीरों को देख लगता है कि ये 7 से 8 इंच लंबी मूर्तियां माता पार्वती, भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की हैं। कुएं से इन तीन मूर्तियों के निकलने के बाद स्थल पर एडिशनल एसपी श्रीशचंद्र अनुज चौधरी भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने खुदाई में निकली मूर्तियां देखीं। अब इन प्रतिमाओं को आगे जांच के लिए भेजा जाएगा।

बता दें कि इन तीन मूर्तियों के मिलने की खबर के बाद एक तरफ जहां लोग इन प्रतिमाओं को देखने के लिए उमड़ रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर ये अनुमान भी लगाए जा रहे हैं कि 46 साल पहले मंदिर को बंद करने से पहले मंदिर

की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करके इस कुएं में डाला गया होगा और बाद में मंदिर बंद करके कुएं को पाट दिया गया होगा।

अब प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा है। इस बीच संभल में 46 साल बाद खुले मंदिर के ऊपर लोगों ने प्राचीन संभलेश्वर महादेव मंदिर का नाम लिख दिया है। इसके अलावा मंदिर की दीव-ारों पर भी हर-हर महादेव लिखा हुआ है। लोग इस मंदिर में स्थापित मूर्तियों की पूजा-अर्चना और जल अर्पित करने के लिए आतुर हैं ,लेकिन पुलिस लगातार स्थिति संभालते हुए निगरानी बनाए हुए हैं। संभल बॉर्डर पर पुलिस ने भारी नाकेबंदी की हुई है। किसी गाड़ी को संभल में बिना चेकिंग के एंट्री नहीं दी जा रही है। हालातों को देखते हुए पुलिस ने सतर्कता बढ़ाई है। ये सब उस समय हो रहा है जब संभल में बीते दिनों हिंसा के बाद बिजली चोरों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान शिव मंदिर मिला, हर ओर इसकी कवरेज हुई और लोगों में उत्सुकता बढ़ी। पुलिस को इसी बीच खुफिया जानकारी मिली कि कुछ लोग बाहर से संभल में प्रवेश करने की फिराक में हैं। ऐसे में पुलिस लगातार सतर्क है। वहीं 4 दशक से बंद पड़े मंदिर की कार्बन डेटिंग कराने की बात चल रही है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने एएसआई को पत्र भी लिखा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण निर्णय

डीएम राजस्व अधिकारी हैं, वे विद्यालयों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते

प्रयागराज, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि डीएम राजस्व अधिकारी हैं, उन्हें विद्यालयों के कार्यों में हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है। ऐसे में बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों के निरीक्षण का आदेश देना और शिक्षक का निलंबन आदेश अवैधानिक है। न्यायालय ने शिक्षक के निलंबन को रद्द करते हुए डीएम और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संभल से व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने सहायक अध्यापिका संतोष कुमारी की याचिका पर दिया।

संभल के एक विद्यालय में याची शिक्षिका कार्यरत थीं। उन्हें 25 अक्तूबर 2024 के आदेश से निलंबित कर दिया गया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याची

अधिवक्ता चंद्रभूषण यादव ने दलील दी कि डीएम के निर्देश पर एसडीएम और खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। शिक्षिका को कार्य में खराब प्रदर्शन के आधार पर निलंबित कर दिया गया। निलंबन आदेश को रद्द करने की प्रार्थना की।

न्यायालय ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि डीएम को बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों के निरीक्षण का अधिकार नहीं है। बेसिक स्कूल बेसिक शिक्षा परिषद के तहत चलते हैं। इसका नियंत्रण बेसिक शिक्षा अधिकारी के पास होता है। बीएसए अपर निदेशक, निदेशक और सचिव बेसिक शिक्षा परिषद के प्रति जवाबदेह हैं। इसका अध्यक्ष एक शिक्षा मंत्री होता है। ऐसे में डीएम की विद्यालयों के कार्यों में कोई भूमिका नहीं है। कोर्ट ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी इसके लिए जिम्मेदार माना। कहा कि उन्होंने डीएम को यह नहीं बताया कि विद्यालय के निरीक्षण का आदेश देने का उनको अधिकार नहीं है। न्यायालय ने निलंबन आदेश रद्द कर जवाब मांगा।

विधानसभा में सीएम योगी : भारत अकेला देश जहां समान नागरिक कानून की बात होती है

संभल की मस्जिदों और मदरसों में बिजली चोरी पर बोले योगी

लखनऊ, 16 दिसंबर, (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कहा कि भारत विश्व का अकेला ऐसा देश है जो बहुसंख्यकों के वर्चस्व की बात नहीं करता, समान नागरिक कानून की बात करता है। सीएम योगी ने संभल पर शोर मचा रहे विपक्ष की खिंचाई करते हुए कहा कि हम सोच रहे थे कि मिनी स्टेशन पावर कॉरपोरेशन चला रहा है, लेकिन संभल में धार्मिक स्थल से बिजली के मिनी स्टेशन संचालित हो रहे हैं। वहां कई मस्जिदें ऐसी पाई गईं,

जहां अवैध सब स्टेशन बनाकर फ्री में कनेक्शन बांटे गए थे। प्रदेश में पावर कॉरपोरेशन का लाइनलॉस 30 से कम है, लेकिन संभल के दीपासराय व मीरासराय मोहल्ले में लाइन लॉस 78 व 82 फीसदी है। यह देश के संसाधनों पर लूट है। प्रशासन कर्तव्य का निर्वहन कर रहा है तो उसे चोर कहेंगे और यदि प्रशासन चोरी पकड़ ले तो कहेंगे कि अत्याचार है।

सीएम ने कहा कि सच्चाई सबके सामने आती है तो बुरा लगता है। जो बराबरी नहीं कर सकते, वे बुराई करते हैं। आप (विपक्ष) भी यही बुराई कर रहे हैं। आपकी बुराई में सत्य, न्याय नहीं झलकता। यह पक्षपातपूर्ण है। इससे लोकतंत्र की व्यवस्था कमजोर होती है। किसी भी मुस्लिम, अन्य मत-मजहब के त्यौहारों के दौरान समस्या नहीं होती तो हिंदू पर्व के दौरान यदि किसी ने समस्या खड़ी की तो सरकार सख्ती से निपटेगी।

सीएम ने कहा कि माननीय न्यायालय के आदेश का पालन करना प्रशासन का दायित्व है। प्रशासन संभल में वही कर रहा है। सीएम ने कटाक्ष करते हुए सपा सदस्यों से कहा कि मंदिर को न छेड़कर आपने बड़ी कृपा कर दी, लेकिन 22 कुओं को किसने पाट दिया। आखिर मूर्तियां कैसे मिल रही हैं। नोटिस से परेशानी क्यों हो रही है। सीएम योगी ने कहा कि संभल में तुर्क व पठान का विवाद चल रहा है। शफीकुर्रहमान बर्क (सपा के पूर्व सांसद-अब स्मृतिशेष) खुद को भारत का नागरिक नहीं, बल्कि बाबर का संतान कहते थे। आपको तय करना है कि आक्रांताओं को अपना आदर्श मानते हैं या राम-कृष्ण, बुद्ध की परंपरा को। भारत में राम-कृष्ण व बुद्ध की परंपरा ही रहेगी, बाबर और औरंगजेब की परंपरा नहीं रहेगी।

हम तो राम-कृष्ण और बुद्ध पर विश्वास करते हैं : सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने सपा को दी नसीहत, संविधान की मूल प्रस्तावना पढ़ें

लखनऊ, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र में विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि आपको बाबा साहब अंबेडकर के मूल संविधान की प्रस्तावना को पढ़ना चाहिए। मौलिक अधिकारों को देखना चाहिए। अलग-अलग पृष्ठों का अवलोकन करेंगे तो आपको उसमे राम भी नजर आएंगे और कृष्ण भी, लंका दहन के उपरांत बजरंग बली भी नजर आएंगे और ज्ञान का उपदेश देने वाले बुद्ध भी नजर आएंगे। भारत की समृद्ध परंपरा का दर्शन आपको उसी संविधान में मिलेगा, लेकिन उस मूल संविधान में कहीं भी धर्मनिरपेक्ष, पंथनिरपेक्ष या समाजवाद शब्द नहीं है। यह सब आपकी आंखों को खोलने वाला होना चाहिए। आप लोग संविधान में बदलाव की बात करते हैं, जिन लोगों ने संविधान का गला घोटा उनका पिछलग्गू बनकर केवल सत्ता हथियाना चाहते हैं। आप जनता की आंखों में धूल झोंकना चाहते हैं, लेकिन यह नहीं हो सकता। देश आपको यह नहीं करने देगा।

सीएम योगी ने कहा-नेता विरोधी दल को बोलना चाहता हूं कि बुद्ध ने करुणा और मैत्री का उपदेश उस कालखंड में दिया था, जब विदेशी हमले शुरू हो गए थे,

लेकिन उससे पहले ही राम ने कहा था निसिचर हीन करहुं महि भुज उठाई पन कीन्ह, उससे पहले भगवान कृष्ण ने भी कहा था परित्राणाय साधुनाम विनाशाय च दुष्कृताम। हम तो राम और कृष्ण को ही मानते हैं, बुद्ध पर विश्वास करते हैं, उन्हीं को आदर्श मानकर कार्य करते हैं। शासन पद्धति एक भी इंच इधर-उधर नहीं करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि संभल में जैसे ही आपके खटाखट की असलियत सामने आई, जनता ने कहा सफाचट। उपचुनाव में 9 में से 7 पर भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन जीता है। यही नहीं, सीसामऊ और करहल को याद करिए। 2022 में समाजवादी पार्टी ने करहल में करीब 70,000 से जीत दर्ज की थी, इस बार वह मात्र 13-14000 तक आ गई है। वह भी चच्चू थोड़ी कृपा कर लिए, नहीं तो वहां भी सफाचट ही था, लेकिन चिंता मत करिए अगली बार होगा। सीसामऊ में भी बाल-बाल बच गए। कुंदरकी में लोगों को अपनी जड़ें याद आने लग गई हैं। डिजिटल मीडिया में थोड़ा अवलोकन करिए और देखिए वहां पर लोग चिल्ला-चिल्ला कर बोल रहे हैं, इन विदेशियों से पिंड छुड़ाना है। सबको अपनी जड़ें याद आने लग गई हैं। मुझे लगता है कि जिस दिन इकबाल महबूब जी को भी अपनी जड़ें याद आएंगी तो वह भी यही बात बोलेंगे। आप सभी से कहूंगा कि एक बार बाबरनामा को जरूर पढ़ें।

सीएम योगी ने पूर्व में प्रदेश में हुए दंगों की याद दिलाते हुए कहा कि दंगों के कारण प्रदेश का माहौल लगातार खराब हुआ। आज प्रदेश में सुरक्षा का माहौल है, कानून व्यवस्था की जो स्थिति पैदा हुई है उसमें लोगों को सुरक्षा पर, कानून व्यवस्था पर विश्वास है। उसी का परिणाम है कि 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुआ है।

आजम और अब्दुल्ला की जमानत याचिका पर यूपी सरकार को नोटिस

लखनऊ, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान द्वारा दायर याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा। याचिका में इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें मशीन चोरी के एक मामले में उन्हें जमानत देने से इन्कार कर दिया गया था। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। खान और उनके बेटे ने हाईकोर्ट के 21 सितंबर के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है। उल्लेखनीय है कि आजम खान, उनके बेटे और पांच अन्य के खिलाफ 2022 में आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि उन्होंने सड़क साफ करने वाली मशीन चुरा ली थी, जिसे नगर पालिका परिषद, रामपुर जिले ने खरीदा था। यह भी आरोप लगाया गया कि यह मशीन बाद में खान के रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय से बरामद की गई थी। उत्तर प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वकार अली खान नामक व्यक्ति ने इस संबंध में 2022 में रामपुर के कोतवाली में सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में आर-ोप लगाया गया है कि उन्होंने 2014 में सड़क की सफाई करने वाली सरकारी मशीन चुरा ली थी।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी के यहां मिली अकूत सम्पत्ति

नोएडा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा विकास प्राधिकरण के निलंबित विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) रवींद्र यादव के खिलाफ विजिलेंस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके नोएडा और इटावा स्थित ठिकानों पर छापेमारी की। 18 घंटे चले इस तलाशी अभियान में यादव की आय से अधिक सम्पत्ति का खुलासा हुआ। उनके तीन मंजिला आलीशान मकान, करोड़ों की सम्पत्ति, लाखों के गहने और अन्य दस्तावेजों ने अधिकारियों को चौंका दिया।

नोएडा सेक्टर-47 में स्थित रवींद्र यादव का तीन मंजिला आवास उनकी अवैध सम्पत्ति का मुख्य केंद्र निकला। इस मकान की अनुमानित कीमत करीब 16 करोड़ रुपए बताई गई है। तलाशी के दौरान टीम को इस घर से 60 लाख रुपए के आभूषण, 2.5 लाख रुपए नकद और 37 लाख रुपए के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले। इनमें कई महंगे घरेलू सामान शामिल हैं। विजिलेंस टीम को यहां से पासपोर्ट भी मिला, जिससे यादव और उनके परिवार की विदेश यात्राओं का ब्यौरा खंगाला जा रहा है। इसके अलावा, दो गाड़ियां इनोवा और क्रिड भी बरामद हुईं। टीम ने छह बैंक खातों और विभिन्न निवेशों के दस्तावेज जब्त किए, जिनकी अभी जांच जारी है।

छापेमारी के दौरान इटावा के जसवंतनगर स्थित उनके बेटे निखिल यादव के नाम पंजीकृत अरिस्टोटल वर्ल्ड स्कूल में भी अनियमितताओं के प्रमाण मिले। इस स्कूल की जमीन और इमारत की कीमत करीब 15 करोड़ रुपए आंकी गई है। स्कूल में सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग और महंगे फर्नीचर का इस्तेमाल किया गया है, जिसकी कुल लागत 2 करोड़ रुपए बताई गई है। इसके अलावा, स्कूल में 10 बसें मिलीं, जिनकी कीमत 1.04 करोड़ रुपए आंकी गई।

विजिलेंस विभाग की जांच में पाया गया कि 2005 से 2018 के बीच रवींद्र यादव की आय 94.49 लाख रुपए थी, जबकि उन्होंने 2.44 करोड़ रुपए का खर्च दिखाया। इसमें लगभग 1.5 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि का कोई स्रोत नहीं मिला। इस अवधि में यादव ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित की। छापेमारी के दौरान विजिलेंस टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। इनमें लगभग एक दर्जन भूखंडों के कागजात, बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज और एक प्राइ-वेट ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी से जुड़े फर्जी लेन-देन के प्रमाण शामिल हैं। यह भी पता चला है कि रवींद्र यादव ने 2007 में नोएडा प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी रहते हुए सरकारी भूखंड को नियम विरुद्ध तरीके से प्राइवेट सोसाइटी को आवंटित किया था। इस मामले की जांच पहले सीबीआई द्वारा की जा चुकी है।

यादव पर पहले भी नोएडा अथॉरिटी में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोप लग चुके हैं। उन्हें फरवरी 2023 में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया था। जांच में उनके द्वारा अवैध तरीके से अर्जित सम्पत्ति के कई प्रमाण मिले थे, जिनमें नोएडा और इटावा के अलावा एटा, लखनऊ, और अन्य स्थानों पर सम्पत्तियों के दस्तावेज शामिल हैं। रवींद्र यादव ने इन आरोपों को साजिश करार दिया है और खुद को निर्दोष बताया है।

संपादकीय

कोसना ही संविधान समीक्षा नहीं

भारत के संविधान में 125 से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं। सभी संसद में पारित किए गए। संविधान और गणतंत्र के 75 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर संसद एक लंबा विमर्श करे, संविधान की समीक्षा की जाए और फिर प्रधानमंत्री सदनों को संबोधित करें। संसदीय परंपरा यही रही है और उसी का अनुपालन किया जाना चाहिए, लेकिन संविधान समीक्षा के नाम पर अतीत के प्रधानमंत्रियों और उनके फैसलों को लगातार कोसा जाए, कांग्रेस को संविधान का 'शिकार करने वाली पार्टी' करार दिया जाए, खून मुंह लग गया है, लिहाजा संविधान को बार-बार 'लहूलुहान' किया गया, ऐसे कथन संविधान की समीक्षा नहीं कहे जा सकते। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के 17 साला कालखंड के दौरान 17 बार संविधान में संशोधन किए गए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकालों के दौरान क्रमशः 28 बार और 10 बार संविधान में संशोधन किए गए, तो आज उन पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? उनकी प्रासंगिकता क्या है? वे तमाम संविधान-संशोधन संसद ने ही पारित किए, तो संविधान कैसे 'घायल' किया गया? यदि देश की स्वतंत्रता के बाद करीब 55 साल कांग्रेस ने देश पर शासन किया, तो देश ने जनादेश दिया होगा! क्या जनादेश का अपमान करना ही संविधान की समीक्षा है? संविधान की समीक्षा के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 110 मिनट के संबोधन में लोकसभा में 11 संकल्प रखे। उनमें खास हैं-नागरिक और सरकार अपने कर्त्तव्यों का पालन करें। हर क्षेत्र और समाज का समान विकास सुनिश्चित किया जाए। देश के कानून, नियम...देश की परंपराओं के पालन में गर्व हो। गुलामी की मानसिकता से मुक्ति हो, देश की विरासत पर गर्व हो। सिर्फ स्वार्थ के लिए संविधान को हथियार न बनाया जाए। जिन्हें आरक्षण मिल रहा है, उसे न छीना जाए, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण की कोशिश पर रोक लगे। राजनीति परिवारवाद से मुक्त हो। भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेंस' और भ्रष्टाचारी सामाजिक स्वीकार्य न हो। महिलाओं के नेतृत्व में विकास के जरिए भारत एक मिसाल बने। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का ध्येय हो।' इन संकल्पों को लोकसभा में प्रस्ताव के तौर पर पारित किया जाता, तो वह संविधान का हिस्सा हो सकता था। वह संविधान की समीक्षा की कोशिश भी होती। संविधान के कुछ अनुच्छेद आज अप्रासंगिक हो सकते हैं, कुछेक में अनिवार्य संशोधन या मिटाने की जरूरत होगी, तो संसद उन पर व्यापक बहस करती और अंतिम संशोधन पारित करती, तो उसे संविधान-समीक्षा माना जा सकता था। प्रधानमंत्री ने जो कुछ कहा, वह निरी सियासत के अलावा कुछ भी नहीं। दूसरी तरफ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संविधान और 'मनु स्मृति' की तुलना करने का प्रयास किया। यह बुनियादी तौर पर गलत है, क्योंकि संविधान हमारे महान पुरखों की 'संविधान सभा' में लगातार विमर्श के बाद, बाकायदा अनुच्छेदों में, लिखा गया है। उसे राष्ट्रीय मान्यता दी गई है। 'मनु स्मृति' न तो कोई संवैधानिक संकलन है और न ही पुराण, वेद, उपनिषद-सम्मत कोई दस्तावेज है। 'मनु स्मृति' का संबंध करीब 100 साल पुराने आरएसएस, जनसंघ और भाजपा से भी नहीं है। कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों ने एक मान्यता गढ़ ली और वे 'मनु स्मृति' को संविधान के समानांतर मानते रहे हैं। यह सोच और मानसिकता भी गलत है। यदि किसी 'मनु' को प्रकृति का 'आदि-पुरुष' माना जाता है, तो वह राहुल गांधी की कांग्रेस, सपा, राजद, तृणमूल और वामपंथी दलों का भी 'आदि-पुरुष' होगा।

> संविधान और गणतंत्र के 75 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर संसद एक लंबा विमर्श करे, संविधान की समीक्षा की जाए और फिर प्रधानमंत्री सदनों को संबोधित करें। संसदीय परंपरा यही रही है और उसी का अनुपालन किया जाना चाहिए, लेकिन संविधान समीक्षा के नाम पर अतीत के प्रधानमंत्रियों और उनके फैसलों को लगातार कोसा जाए, कांग्रेस को संविधान का 'शिकार करने वाली पार्टी' करार दिया जाए, खून मुंह लग गया है, लिहाजा संविधान को बार-बार 'लहूलुहान' किया गया, ऐसे कथन संविधान की समीक्षा नहीं कहे जा सकते। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के 17 साला कालखंड के दौरान 17 बार संविधान में संशोधन किए गए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकालों के दौरान क्रमश: 28 बार और 10 बार संविधान में संशोधन किए गए, तो आज उन पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? उनकी प्रासंगिकता क्या है? वे तमाम संविधान-संशोधन संसद ने ही पारित किए, तो संविधान कैसे 'घायल' किया गया? यदि देश की स्वतंत्रता के बाद करीब 55 साल कांग्रेस ने देश पर शासन किया, तो देश ने जनादेश दिया होगा!

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे

सांस्कृतिक पहचान को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

> भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अत: उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक विरासत को कुचलने की चेष्टाएं अतीत से लेकर वर्तमान तक होती रही है। बहुत बड़ा सच है कि अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल भी रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास को उजागर करने एवं ऐतिहासिक विरासत को धुंधलाने एवं कुचलने की कुचेष्टाओं का परिमार्जन करने के लिये तत्पर हुए है, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है। अयोध्या, काशी, मथुरा के बाद संभल और अजमेर दरगाह जैसे मामलों में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे प्रयासों के द्वारा अशांति फैलाने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इतिहास बड़ी भूलों को सुधारना एवं वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। लेकिन, इसमें एक बड़ी बाधा है पूजा स्थल अधिनियम, 1991, जो देश में आजादी से पहले से मौजूद धार्मिक स्थलों जुड़े तथ्यों की खोजबीन की भी अनुमति नहीं देता है? क्या इसके चलते देश में आक्रांतवादी सोच एवं देश की विरासत को धुंधलाने की कोशिश पर पर्दा ही पड़ा रहेगा? ऐतिहासिक अन्याय, अत्याचार एवं राष्ट्र-विरोधी सोच एवं सच्चाई तो सामने आनी ही चाहिए। इस देश में उन विघटनकारी एवं संस्कृति-विरोधी लोगों की मर्जी कब तक चलती रहेगी? कब तक बात-बेबात हंगामा होता रहेगा? कब तक सांस्कृतिक पहचान को बेमानी साबित करने के षडयंत्र होते रहेंगे? इस सच से इंकार नहीं किया जा सकता कि इतिहास से न केवल छेडछाड़ हुई है बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को निस्तेज भी किया गया है। इसी बात को

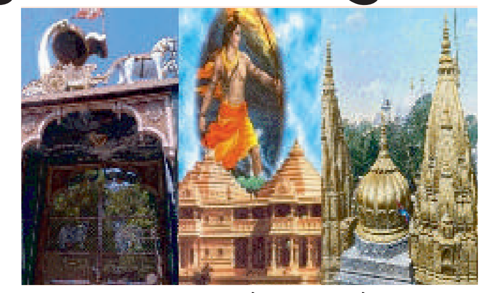

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उजागर करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह भी कह चुके हैं, यह बात पूर्व में भी बार-बार अनेक नेताओं ने कही है, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई चोड़ी ही होती है, झूठे इतिहास को ही लोग सच मानने से उनकी अपनी परम्परा एवं इतिहास के प्रति आस्था की बजाय घृणा बढ़ती है। अपनी इतिहास एवं संस्कृति की विलक्षण एवं विशेषताओं से दूरी बनाकर झूठे इतिहास के कसीदें पढ़ने से राष्ट्र के प्रति गौरव का भाव क्षीण होता है। ऐसी स्थितियों में राष्ट्रीय एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के गौरवपूर्ण क्षण कैसे सामने आ सकते हैं। झूठे इतिहास के कारण लोग संगठित कैसे हो सकते हैं? उनके स्वर विपरीत ही होते हैं, जिससे एक-दूसरे से जुड़ना तो दूर आपसी द्वेष, नफरत एवं द्वंद्व की स्थितियां ही राष्ट्र पर हावी होती है। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निर्माता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। हमें एक असहिष्णु, उन्मादी एवं कट्टरवादी समाज बनने के रास्ते पर ही नहीं, बल्कि भीतर से ज्यादा से ज्यादा विभाजित एवं कमजोर समाज बनने के रास्ते पर धकेला जा रहा है। इस तरह की स्थितियां एवं मुहिमें देश की एकता एवं अखण्डता पर आघात करती है। भारतीयों ने गणित व खगोल विज्ञान पर प्रामाणिक व आधारभूत खोज की। शून्य का आविष्कार, पाई का शुद्धतम मान, सौरमंडल पर सटीक विवरण आदि का आधार भारत में ही तैयार हुआ। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार इसी देश ने किया। अहिंसा यहां की जीवनशैली का सौन्दर्य रहा है, विविधता में एकता को हमने जीकर दिखाया है, लेकिन हमारी उदारता को आक्रांताओं एवं विभाजनकारी ताकतों ने हमारी कमजोरी मान लिया है। यही कारण है कि तात्कालिक एवं अतीत की कुछ नकारात्मक घटनाओं व प्रभावों ने जो धुंध हमारी सांस्कृतिक जीवन-शैली पर आरोपित की है, उसे सावधानी पूर्वक हटाना होगा। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें और सवारें तथा उसकी मजबूत आधारशिला पर खडे. होकर नए मूल्यों व नई संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें। ऐसा करके ही हम नया भारत-सशक्त भारत निर्मित कर पायेंगे। समृद्ध संस्कृति भारत की एक विरासत है। इसमें धर्म, अध्यात्मवाद, ललित कलाएं, ज्ञान विज्ञान की विविध विधाएं, नीति, दर्शन, विधि, विधान, जीवन प्रणालियां और वे समस्त क्रियाएं और कार्य हैं जो उसे महान बनाती है। समय-समय पर इसका विविध संस्कृतियों के साथ संघर्ष, मिलन, परिवर्तन, परिवर्धन और आदान-प्रदान हुआ है। भारतीयों की अनेक भावनाओं पर शताब्दियों से समय-समय पर आती रहने वाली विविध जातियों ने बहुत पहले से ही अपना न्यूनाधिक प्रभाव डाल रखा था। परंतु इस्लाम के आ जाने पर भारतीय संस्कृति में एक हलचल सी मच गयी, सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करने के सलक्ष्य प्रयत्न हुए, कला, धार्मिकता, शिल्प के मन्दिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों का निर्माण कराया गया। लेकिन इन ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का अवकाश तो हमेशा से रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने संभल मस्जिद मामले में 29 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत की कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा दी। इस मामले में विपक्षी दल विशेषतः कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी उत्तरप्रदेश सरकार को जबरन घसीट रही है, जबकि सर्वोच्च अदालत शांति बनाये रखने के लिये मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का निर्देश दिया है। 24 नवंबर को अदालती निर्देश पर हुए सर्वे के दौरान खूनी हिंसा, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया, उसका मर्म यह है कि मामले में फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या सच है या फिर कौन समुदाय कितना उपद्रव करता है और वह शासन-व्यवस्था के लिए कितनी बड़ी चुनौती बन सकता है। अर्थात चाहे 'अन्याय' कितना भी बड़ा हो, अदालत 'न्याय' से अधिक 'शांति-सद्भावना' को वरीयता देगी।

दृष्टि कोण

वजूद पर अफसोस जाहिर करेगा बांग्लादेश

चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, आखिर कटेगा खरबूजा ही'। भारतीय सैनिकों की कुर्बानियों से वजूद में आए मुल्क बांग्लादेश पर यह प्रसंग सटीक बैठ रहा है। बांग्लादेश सन-1971 से पूर्व पाकिस्तान का हिस्सा था। बांग्लादेश की साबिक वजीरे आजम 'शेख हसीना' के परिवार तथा बांग्ला आवाम के प्रति पाक सेना का रवैया बेहद हिकारत भरा रहा है। दिसंबर 1970 में पाकिस्तान में हुए आम चुनावों में शेख हसीना के वालिद 'शेख मुजीबुर्रहमान' की पार्टी 'अवामी लीग' ने प्रचंड जीत हासिल की थी। उस इंतखाबी जीत के लिए बांग्ला अखबार 'दैनिक इत्तिफाक' ने शेख मुजीब को 'शेर-ए-पाकिस्तान' के रूप में पेश कर दिया। शेख मुजीब की प्रचंड इंतखाबी जीत तथा दैनिक इत्तिफाक अखबार की कारकर्दगी पाक सैन्य हुक्मरानों को नागवार गुजरी। सात मार्च 1971 को शेख मुजीब ने ऐलान कर दिया था कि यदि पाक सेना जनादेश का एहतराम नहीं करेगी तो आवाम पूर्वी पाक को अपना अलग बांग्ला मुल्क बनाएगी। 25 मार्च 1971 को पूर्वी पाक के सिपहसालार 'टिक्का खान' ने आपरेशन 'सर्च लाइट' का ऐलान करके बांग्ला लोगों की कत्लोगारत का सिलसिला शुरू करके दैनिक इत्तिफाक का दफ्तर भी जला दिया। पाक सेना के तशद्दुद से आक्रोषित होकर शेख मुजीब ने बांग्लादेश की आजादी की घोषणा कर दी। 26 मार्च 1971 को पाक सेना ने शेख मुजीब को हिरासत में लेकर पाकिस्तान की फैसलाबाद जेल में भेज दिया। 'याहिया खान' की सैन्य हुकूमत ने अपने जरनैल रहीमुद्दीन खान को शेख मुजीब के ट्रायल की कमान सौंपी। पाक सैन्य अदालत ने शेख मुजीबुर्रहमान को फांसी की सजा सुना दी थी। लेकिन तीन दिसंबर 1971 को पाकिस्तान ने भारत पर हमला करके एक जहालत भरी गुस्ताखी को अंजाम दे दिया। पूर्वी मोर्चे पर 'गंगासागर' में पाक फौज की मजबूत किलेबंदी पर भारतीय सेना की '14 गाड्र्स' बटालियन ने तीन दिसंबर 1971 को जोरदार हमला करके कई पाक सैनिकों को हलाक करके गंगासागर पर कब्जा कर लिया था। गंगासागर की जंग में पाक फौज की मोर्चाबंदी को ध्वस्त करने में अहम किरदार अदा करके सर्वोच्च बलिदान देने वाले लांस नायक 'अल्बर्ट एक्का' को सेना ने 'परमवीर चक्र' (मरणोपरांत) से अलंकृत किया था। गंगासागर की उसी जंग में अदम्य साहस का परिचय देने वाले '14 गाड्र्स' के मेजर 'अशोक कुमार तारा' को 'वीर चक्र' से नवाजा गया था। भारतीय सेना के जोरदार पलटवार से पाक सेना युद्ध के 13वें दिन मफलूज होकर घुटनों के बल बैठ चुकी थी। पूर्वी पाक के कमांडर 'आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी' ने 16 दिसंबर 1971 को 'रामना रेसकोर्स' मैदान में आत्मसमर्पण के दस्तावेज पर दस्तख्त कर दिए थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान को तकसीम करके पूर्वी पाक को बांग्लादेश में तब्दील कर दिया था। बांग्ला आवाम जश्न-ए-आजादी के खुमार में डूब चुकी थी। गंगासागर युद्ध की जीत के बाद मेजर अशोक तारा अपनी कंपनी के साथ 'ढाका' हवाई अड्डे की सुरक्षा में तैनात थे। मगर ढाका के धानमंडी कस्बे में शेख मुजीबुर्रहमान की बेटी शेख हसीना सहित उनके पूरे परिवार को एक पाक सैन्य दस्ता हिरासत में ले चुका था। उस मुश्किल वक्त में 17 दिसंबर 1971 को 14 गाड्र्स के मेजर अशोक तारा ने मात्र दो सैनिकों के साथ जोखिम भरे सैन्य मिशन को अंजाम देकर शेख मुजीब के घर को घेर चुके पाक सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करके शेख हसीना सहित बंग बंधु मुजीबुर्रहमान के पूरे परिवार को महफूज बचा लिया था। भारतीय सेना के खौफनाक हमलों से सदमे में जा चुकी पाक सैन्य हुकूमत ने सात जनवरी 1972 को शेख मुजीबुर्रहमान को पाकिस्तान की मियांवाली जेल से रिहा कर दिया। शेख मुजीब ने रावलपिंडी के चकलाला हवाई अड्डे से लंदन के लिए परवाज पकड़ी।

कुछ अलग

जीवनदायी उपचार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अक्सर कहते हैं कि बुरा लगता है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार देश में एक दशक में सड़क दुर्घटनाओं में 15 लाख लोगों की मौत हुई। हर साल कोई डेढ़ लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मरने वाले ज्यादातर युवा व परिवार के कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से परिवार गरीबी के दलदल में जा धंसता है। यदि दुर्घटना होने पर घायलों को तुरंत व मुफ्त उपचार मिले तो लाखों जानें बचायी जा सकती हैं। इस संकट के मद्देनजर ही सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का शुरुआती गोल्डन ऑवर में निःशुल्क उपचार कराया जाएगा। दुर्घटना के बाद सात दिनों के भीतर घायल को डेढ़ लाख रुपये तक उपचार मुफ्त मिल सकेगा। हरियाणा पुलिस ने भी इस योजना की शुरुआत कर दी है। प्रदेश की सड़कों को नागरिकों के लिये सुरक्षित बनाने की पहल को विस्तार दिया जा रहा है। दरअसल, यह पायलट प्रोजेक्ट नेशनल हेल्थ अथॉरिटी द्वारा स्थानीय पुलिस और राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनुबंधित अस्पतालों के साथ तालमेल करते हुए संयुक्त रूप से लागू किया जाएगा। इसमें अस्पताल प्रबंधन सॉफ्टवेयर में घायल व्यक्ति का डेटा अपलोड करके संबंधित पुलिस थाने को भेजेगा। थाना छह घंटे के भीतर दुर्घटना की पुष्टि करेगा, फिर घायल को कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। निश्चित रूप से सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की पहल पर शुरू की गई इस योजना का स्वागत किया जाना चाहिए। यदि समय रहते घायलों को उचित व मुफ्त उपचार मिल जाए तो हर साल हजारों जानें बचायी जा सकती हैं। लेकिन जरूरत इस बात की है कि अस्पतालों व पुलिस में बेहतर तालमेल स्थापित हो। निश्चित रूप से घायलों के प्रति संवेदनशील व्यवहार व औपचारिकताओं के बिना तुरंत उपचार जीवन रक्षक ही साबित होगा। उन बाधाओं को दूर करने की भी जरूरत है जिसकी वजह से लोग घायलों की मदद करने से कतराते हैं। इसके अलावा उन बिंदुओं पर विस्तार से काम करने की जरूरत है, जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाओं में तेजी आती है। जरूरी है कि जन-जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को दुर्घटनाओं को टालने के लिये सतर्क रहने को प्रेरित किया जाए। उन स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां दुर्घटना उन्मुख क्षेत्र स्थित हैं। इंजीनियरिंग विभाग की मदद से उन तकनीकी खामियों को दूर किया जाए जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। इसी तरह स्कूली बसों की सुरक्षा की भी नियमित जांच होनी चाहिए। इस दिशा में हरियाणा पुलिस ने बड़ी पहल करते हुए 19 हजार से अधिक स्कूल बसों की जांच की है और खामी पाये जाने पर करीब साढ़े चार हजार से अधिक बसों के चालान भी किए हैं। इसी तरह ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों का भी चालान किया जाना चाहिए, ताकि दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके। निस्संदेह, सरकार, पुलिस-प्रशासन तथा नागरिकों की जागरूकता से ही दुर्घटनाएं टाली जा सकती हैं।

देश दुनिया से

सुस्त विकास और महंगाई की चुनौती

हाल ही में 11 दिसंबर को भारतीय रिजर्व बैंक के नव नियुक्त 26वें गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वह महंगाई नियंत्रण और विकास दर के बीच उपयुक्त संतुलन बनाने की डगर पर आगे बढ़ेंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम काम करने की कोशिश करेंगे। गौरतलब है कि यद्यपि 12 दिसंबर को घोषित आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर घटकर 5.8 फीसदी रह गई है, फिर भी यह रिजर्व बैंक के महंगाई के तय दायरे से अभी काफी ऊपर बनी हुई है। ऐसे में इस समय देश में धीमी विकास दर और महंगाई की चुनौती का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसके पहले अप्रैल से जून की पहली तिमाही में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस सुस्त विकास दर के परिदृश्य से प्रभावित हुए बिना हाल ही में 6 दिसंबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में विकास दर बढ़ाने के लिए ब्याज दर में कमी नहीं करते हुए महंगाई नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने लगातार 11वीं बार ब्याज दर यानी नीतिगत दर (रेपो) में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। रेपो वह ब्याज दर है जिस पर कमर्शियल बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए इस दर का उपयोग करता है। हालांकि अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाने के मकसद से रिजर्व बैंक ने कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) को 4.5 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत कर दिया। इस कदम से बैंकों में 1.16 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी। इससे बैंकिंग क्षेत्र में नकदी की स्थिति में सुधार होगा। ज्ञातव्य है कि सीआरआर के तहत कमर्शियल बैंकों को अपनी जमा का एक निर्धारित हिस्सा कैश रिजर्व के रूप में रिजर्व बैंक के पास रखना होता है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में आरबीआई ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के अनुमान को भी 4.5 प्रतिशत बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिसंबर 2024 की मौद्रिक नीति के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कहा था कि निकट भविष्य में, कुछ नरमी के बावजूद, खाद्य कीमतों पर दबाव बने रहने से चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मुख्य महंगाई के ऊंचे स्तर पर बने रहने की संभावना है। उन्होंने कहा था कि महंगाई के मद्देनजर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अभी बांड प्रतिफल में वृद्धि, जिन्स कीमतों में उतार-चढ़ाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम जैसी कई तरह की बाधाएं हैं। साथ ही आयात शुल्क में वृद्धि और वैश्विक कीमतों में वृद्धि के बाद घरेलू खाद्य तेल की कीमतों की बदलती दिशा पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। दास ने कहा था कि रिकॉर्ड खरीफ उत्पादन के अनुमान से चावल और तुअर दाल की बढ़ी हुई कीमतों में राहत मिलेगी। सब्जियों की कीमतों में भी सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आगे चलकर, खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने के लिए एक अच्छा रबी सीजन महत्वपूर्ण होगा। प्रारंभिक संकेत पर्याप्त मिट्टी की नमी और जलाशय के स्तर की ओर इशारा करते हैं, जो रबी की बुवाई के लिए अनुकूल है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में विकास दर बढने की उम्मीद है। निःसंदेह आरबीआई के द्वारा मौद्रिक नीति समीक्षा के तहत महंगाई नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाना सही कदम है। वस्तुतः पिछले दो महीनों अक्टूबर-नवंबर 2024 में महंगाई दर के बढने की स्थिति आश्चर्यचकित करने वाली रही है। पिछले माह आरबीआई ने 2 से 11 नवंबर, 2024 को परिवारों को महंगाई को लेकर कैसी उम्मीदें हैं, इस विषय पर सर्वेक्षण कराया था। आरबीआई के सर्वेक्षण से यह अंदाजा मिलता है कि सितंबर 2024 के चरण की तुलना में नवंबर के सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों में एक बड़े वर्ग को ऐसा लगता है कि नए साल 2025 में कीमतें और महंगाई दोनों ही बढ़ेंगी। यह बढ़ोतरी मुख्य तौर पर खाद्य वस्तुओं और घर से जुड़े खर्चों के बढ़ते दबाव की वजह से होगी। इस बीच उपभोक्ता आत्मविश्वास सर्वेक्षण से यह अंदाजा मिला है कि सर्वेक्षण के प्रतिभागियों की मौजूदा कमाई की धारणा में भले ही कमी आई हो, लेकिन उन्हें इस बात की बड़ी उम्मीद है कि भविष्य में आमदनी बढ़ेगी, रोजगार की स्थिति में भी सुधार आएगा। परिवारों को ऐसा लगता है कि एक साल की अवधि के दौरान बेहद जरूरी और गैर-जरूरी खर्च बढ़ेंगे। हालांकि उन्होंने आगे के वर्ष के लिए कीमतों को छोडक़र प्रमुख आर्थिक मापदंड के लिए अधिक आशावादी होने के संकेत दिए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले माह 15 नवंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में भारत में महंगाई और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की सराहना की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई में कम अवधि की तेजी के बावजूद आने वाले महीनों में महंगाई दर रिजर्व बैंक के द्वारा निर्धारित लक्ष्य की ओर पहुंचेगी, क्योंकि ज्यादा बोआई और पर्याप्त अनाज भंडार के कारण कीमतों में कमी आएगी। चूंकि भू-राजनीतिक तनावों और मौसम की स्थिति खराब होने पर महंगाई दर बढने का जोखिम भी बना हुआ है, अतएव इसी कारण नीतिगत ढील को लेकर रिजर्व बैंक सावधानी बरत रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में महंगाई के बीच भी अर्थव्यवस्था अच्छे दौर में है। रेटिंग एजेंसी ने वर्ष 2024 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उसके बाद 2025 और 2026 में क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है।

> खुदरा महंगाई दर घटकर 5.8 फीसदी रह गई है, फिर भी यह रिजर्व बैंक के महंगाई के तय दायरे से अभी काफी ऊपर बनी हुई है। ऐसे में इस समय देश में धीमी विकास दर और महंगाई की चुनौती का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसके पहले अप्रैल से जून की पहली तिमाही में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

आप का नजरिया

रोजगार के मैदान पर

एक हिमाचल रोजाना अल सुबह उठता है ताकि सामने पहाड़ के पीछे छिपा सूरज उगे, तो उसके ललाट पर भविष्य का स्पर्श हो। यह हिमाचल युवाओं का है जो जिंदगी के तराने अपनी मेहनत से चुनते हैं। इन्हें सैन्य या अद्र्ध सैन्य बलों में शरीक होना है। इनके लिए हिमाचल की योजनाओं, सरकार के वायदों या घोषणाओं की अधोसंरचना से कोई मतलब नहीं। ये घर, समाज और सरकार की दीवारों के बाहर और मौसम की बेरुखी में खुद को बुन रहे हैं। सरकारी स्कूल-कालेजों के सर्वेक्षणों में होती रैंकिंग से बेखबर युवाओं की टोलियां खुद को सैन्य बलों के कठोरतम अभ्यास के काबिल बना रही हैं और नतीजों की फिराक में रोजगार का यह परचम किसी न किसी मैदान में फहराता है। एक और हिमाचल हाथ में नोटबुक लिए किसी पुस्तकालय में भविष्य का शंखनाद कर रहा है। कुछ ऐसे ही युवाओं ने शिलाई क्षेत्र की फिजाओं में अपने भविष्य की खाद देखी, तो मेहनत से वर्जनाओं की हर नकाब हटाते हुए सेना में पहुंच गए। ऐसे सैकड़ों युवा चंबा के दुरुह क्षेत्रों से निकलकर धर्मशाला के मैदानों में कसरतें करते हुए हर साल सेना या पुलिस की वर्दी के लिए अपना सीना सौंपते हैं। एक शृंखला के रूप में जो खुद सेना में चले जाते, कल वही प्रेरणा बनकर अन्य बेरोजगार युवाओं में अपने आदर्श को सिंचित कर देते हैं। यह सामान्य रोजगार में संभव नहीं और न ही रोजगार का उच्च स्तर इस तरह उपलब्ध है। शिलाई के तीस युवाओं ने सेना में स्थान पाने के बाद विश्राम नहीं किया, बल्कि अपने दम पर और वित्तीय योगदान से रोजगार का एक मैदान बना दिया। युवाओं ने मैदान में रोजगार के संकल्प, शारीरिक क्षमता का विकास और जीवन में आने का उद्देश्य समझा जो हिमाचल का विभाग नहीं समझ रहा। हमने कृषि और बागबानी के अलग-अलग विश्वविद्यालय बना दिए और अब इनसे जुड़े महाविद्यालय अलग से बना दिए, लेकिन क्या किसी ने कभी सोचा कि युवाओं को रोजगार उगाने के लिए प्रेरित कैसे किया जाए। एक सामान्य कालेज का छात्र जिस रोजगार का पीछा कर रहा है और अगर उस तरह के उन्माद में कृषि एवं बागबानी के डिग्रीधारक भी पीछा करें तो हम अपने मानव संसाधन को नष्ट कर रहे हैं। क्या हिमाचल की क्षमता में बागबानी व कृषि की उपाधियां प्रासंगिक हैं और अगर नहीं हैं, तो हमारी नीतियों के पास विकल्प क्या है। क्या हमने कोआपरेटिव फार्मिंग, एग्रो इंडस्ट्री या कृषि-बागबानी में नवाचार के लिए शिक्षा को जोड़ा। कायदे से हमें जंगल से कृषि और बागबानी के लिए रोजगार मांगना और खोजना होगा। प्रदेश के जंगलों के तहत ऐसी जमीन उपलब्ध है, जहां उपाधि प्राप्त कृषि एवं बागबानी से संबंधित युवा कोआपरेटिव फार्मिंग के तहत आर्थिकी एवं रोजगार उगा सकते हैं। सरकार की मंशा है कि सामान्य डिग्री कालेजों में बीएड का पाठ्यक्रम भी जोड़ दिया जाए, जबकि दूसरी ओर स्कूलों की संख्या घटाने की मजबूरी है तथा नियमित बीएड कालेजों में सीटें भरनी मुश्किल हो गई हैं।

अब इस्लामिक स्टेट सीरिया में जड़े जमाने की कोशिश में, हमला कर 88 लोगों की जान ली

दमिश्क , 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद शासन के पतन के बाद आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) जड़े जमाने की कोशिश कर रहा है। इस्लामिक स्टेट ने पूर्वोत्तर सीरिया में गतिविधियां तेज कर दी है। आतंकी समूह के हमले में कम से कम 88 लोग मारे गए हैं। सैन्य सूत्रों ने रविवार को कहा कि मौजूदा स्थिति का फायदा उठाते हुए आईएसआईएस ने पूर्वोत्तर सीरिया के इलाकों में अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। आतंकी संगठन ने पिछले दिनों इस क्षेत्र में कई हमले किए। इन हमलों केवल 24 घंटों में 88 लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए। बहुत से लोग लापता हैं। साथ ही आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट अब अपने लड़ाकों को फिर सक्रिय कर रहा है। वह अराजकता और विभिन्न दलों के बीच चल रहे संघर्षों का फायदा उठाने की रणनीति पर काम कर रहा है। आईएसआईएस ने अपने कुछ महत्वपूर्ण सामरिक ठिकानों का पुनर्निर्माण किया है। खबर के अनुसार सीरिया के भविष्य को लेकर जॉर्डन के अकाबा में अरब मंत्रिस्तरीय शिखर सम्मेलन में इस विषय (कुछ आतंकी समूहों की बढ़ती गतिविधियों) पर चर्चा की गई। आधिकारिक बयानों में सीरिया की एकता को बरकरार रखने वाले एक आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। बैठक में अमीरात, बहरीन और कतर के मंत्रियों और अरब राज्यों के लीग के महासचिव के अलावा जॉर्डन, सऊदी अरब, इराक, लेबनान और मिस्र के विदेशमंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस बीच विद्रोहियों के नेता और सीरिया में संयुक्त संचालन कमान के कमांडर अहमद अल-शरा उर्फ अबू मोहम्मद अल-जुलानी ने कहा कि कुर्द मातृभूमि का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। उन्होंने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में एक वीडियो क्लिप में कहा, बशर अल-असद के शासन को उखाड़ फेंकने के बाद सभी सीरियाई लोग कानून के दायरे में रहेंगे।विस्थापितों को वापस लाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

ढाका में राष्ट्रीय शहीद स्मारक पहुंचे अवामी लीग के सात नेता हिरासत में

ढाका। बांग्लादेश में विजय दिवस पर सोमवार को राष्ट्रीय शहीद स्मारक से अवामी लीग के सात नेताओं और कार्यकर्ताओं को दोपहर करीब 12:30 बजे शहीद बेदी के पास हिरासत में ले लिया गया। यह राष्ट्रीय स्मारक राजधानी ढाका से लगभग 35 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम के सावर में स्थित है। यह लोग पुष्पांजलि अर्पित करने गए थे। आशुलिया पुलिस स्टेशन के प्रभारी अबू बक्कर सिद्दीकी ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में ढाका जिला अवामी लीग के पूर्व महासचिव और ढाका जिला परिषद के अध्यक्ष और ढाका-19 निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व सांसद मिल्टन महबुबुर रहमान शामिल हैं। अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के अनुसार ढाका-19 निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े कार्यकर्ताओं का एक समूह महबुबुर रहमान के नेतृत्व में वहां गया था। वहां मौजूद ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा और अशुलिया पुलिस के अधिकारियों ने सात लोगों को हिरासत में ले लिया। हालांकि, अंतरिम सरकार ने अभी तक इस बारे में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

स्टारबेस को टेक्सास के नए शहर में बदलने के हो रहे प्रयास

सैन फ्रांसिस्को। स्पेस के फाउंडर और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क चाहते हैं कि स्पेसएक्स के 'स्टारबेस' को टेक्सास के नए शहर में बदल दिया जाए। वह अपनी इस योजना को रियेलिटी में बदलने के पुरजोर लगा रहे हैं। कैमरन काउंट में स्पेसएक्स ने पिटीशन दायर की है और कहा है कि अपनी खुद की म्युनिसिपिलिटी के लिए स्टारबेस में इलेक्शन करवाए जाएं। चंद रोज पहले ही कमाई का एक नया इतिहास रच चुके हैं मस्क। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के आंकड़ों के मुताबिक, वे 400 बिलियन डॉलर की नेटवर्क तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, 11 दिसंबर को स्पेसएक्स ने स्थानीय अधिकारियों को एक लेटर लिखा। उन्होंने कहा कि इस साइट को शहर बनाने के लिए कदम उठाया जाए। कंपनी ने कहा कि स्टारबेस में रहने वालों ने यह याचिका दायर की है। अधिकारियों को लिखे पत्र में स्टारबेस के जनरल मैनेजर कैथरीन ल्यूडर्स ने लिखा, स्टारशिप को तेजी से विकास और निर्माण के लिए आवश्यक वर्कफोर्स को बढ़ाना होगा और इसके लिए हमें एक कम्युनिटी के तौर पर स्टारबेस को विकसित करना है। बता दें कि मस्क ने यह इच्छा पहली बार नहीं जताई है। 2021 में मस्क ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, स्टारबेस- टेक्सास शहर का निर्माण।। उन्होंने कोई रेफरेंस या कुछ और खास डीटेल दिया बना बस यही लिखा था। ट्रेविनो के आंकड़ों के मुताबिक, 3500 से ज्यादा फुल टाइम स्पेसएक्स कर्मचारी और ठेकेदार टेक्सास स्टारबेस साइट पर काम करते हैं।

डीएनए टेस्ट से हुआ चौंकाने वाली सच्चाई से सामना

वॉशिंगटन। अमेरिकी नागरिक जेना गेरवाटोव्स्की ने भी अपनी जड़ें जानने के लिए डीएनए टेस्ट कराया,

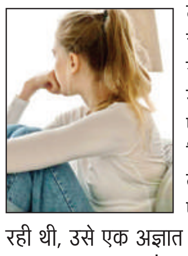

लेकिन इस कदम ने उसे एक चौंकाने वाली सच्चाई से रूबरू करवा दिया। अमेरिकी महिला जेना को कभी नहीं पता था कि यह टेस्ट उसकी जिंदगी को इस हद तक बदल देगा। एक दिन, जब जेना फूलों की दुकान पर काम कर रही थी, उसे एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। हालांकि, वह अक्सर अज्ञात नंबर का फोन नहीं उठाती थी, लेकिन इस बार उसने फोन उठा लिया। यह कॉल मिशिगन पुलिस का था, जिन्होंने जेना से पूछा कि क्या उसने बेबी गार्नेट मामले के बारे में सुना है। जेना हैरान थी, क्योंकि यह वही मामला था, जिसने 1997 में शहर में हलचल मचाई थी। उस समय एक मृत नवजात बच्चा टॉयलेट के पास पाया गया था, और पुलिस ने इसे एक अनसुलझा केस मानकर बंद कर दिया था। 30 साल बाद पुलिस ने जेना से संपर्क किया और बताया कि उसका डीएनए उस मृत बच्चे के डीएनए से मेल खाता है। इसका मतलब था कि जेना का उस बच्चे से कोई रिश्ता हो सकता है। यह सुनकर जेना की मां, कारा, ने इसे पहले फर्जी मान लिया और बेटी को सलाह दी कि वह किसी भी निजी जानकारी को साझा न करे। लेकिन एक हफ्ते बाद, जेना के पास मिस्टी गिलिस नामक डीएनए विशेषज्ञ का फोन आया, जिन्होंने जेना से डीएनए डेटाबेस में अपनी जानकारी अपलोड करने का अनुरोध किया। हालांकि, जेना ने पासवर्ड देने से इनकार कर दिया। जब जेना घर पहुंची, तो उसकी मां और भाई की हालत देखकर वह घबरा गई। इसके बाद उसे पता चला कि वह बेबी गार्नेट से संबंधित है।

नेपाल सरकार ने ईसाई मिशनरी से जुड़े 23 आईएनजीओ के लिए 600 करोड़ मंजूर किए

काठमांडू , 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

नेपाल सरकार के समाज कल्याण परिषद ने ईसाई धर्म से जुड़े 23 अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों को विभिन्न कार्यक्रम चलाने के लिए 600 करोड़ रुपये से अधिक बजट को मंजूरी दे दी है। नेपाल में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय एनजीओ अपने बजट को समाज कल्याण परिषद से अनुमोदित होने के बाद ही खर्च कर सकते हैं। इस समय 135 आईएनजीओ समाज कल्याण परिषद में पंजीकृत है। इनमें से ईसाई मिशनरी से जुड़े 23 आईएनजीओ ने चालू वित्तीय वर्ष में नेपाल में 225 करोड़ रुपये विदेशी दाताओं से बजट भी मंगवा लिया है।

समाज कल्याण परिषद के मुताबिक ईसाई आईएनजीओ ने इस साल नेपाल में 603 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को मंजूरी दी है। ये सारा पैसा नेपाल की बजट व्यवस्था के बाहर से खर्च किया जाएगा। इस विषय पर समाज कल्याण मंत्री नवल किशोर साह ने कहा कि नेपाल के संविधान में किसी भी प्रकार के प्रलोभन में धर्मांतरण कराने को गैर कानूनी घोषित किया गया है, इसलिए धार्मिक आधार पर यह स्वीकृति नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सामाजिक गतिविधियों और जीवन स्तर को सुधारने के लिए किसी भी आईएनजीओ को विदेश से पैसा लाने की स्वीकृति दी जाती है।

समाज कल्याण परिषद के अनुसार इस समय नेपाल में ईसाई मिशनरी से जुड़े आईएनजीओ में एडवेंटिस्ट डेवलपमेंट रिलीफ एजेंसी, वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल, स्ट्रोमा फाउंडेशन, किंडरनोथिल्फ़ नेपाल, सीबीएम नेपाल, चाइल्ड फंड, डॉन चर्च एड, फिनिश इवेंजेलिकल लूथरन मिशन, एफआईडीए इंटरनेशनल, फिनिश चर्च एड फाउंडेशन, हैबिटेट फॉर ह्यूमैनिटी इंटरनेशनल संस्थाओं ने विदेश से करोड़ों रुपए का दान स्वीकार किया है। इसी तरह इंटरनेशनल नेपाल फेलोशिप, लेटर डी सेंट चैरिटीज, लूथरन वर्ल्ड फेडरेशन, लूथरन वर्ल्ड रिलीफ नेपाल, मर्सी क्रॉप्स, मिशन ईस्ट, नेपाल लेप्रोसी ट्रस्ट, द लेप्रोसी मिशन इंटरनेशनल, यूनाइटेड मिशन टू नेपाल, मेनोनाइट सेंट्रल कमेटी, समर इंस्टीट्यूट ऑफ लिंग्विस्टिक्स इंक, स्ट्रोमा फाउंडेशन और आईएम स्वीडिश हैबिटेट फॉर ह्यूमैनिटी इंटरनेशनल नेपाल का नाम प्रमुख है। चालू वित्त वर्ष में एडवेंटिस्ट डेवलपमेंट रिलीफ एजेंसी को 185.3 करोड़, किंडरनोथिल्फ़ नेपाल को 4 करोड़ 66 लाख 79 हजार रुपये, सीबीएम नेपाल को 19 करोड़ 96 लाख 25 हजार रुपये मिले। इसी तरह चाइल्ड फंड ने 19 करोड़ 18 लाख 36 हजार रुपये, डॉन चर्च एड ने 16 करोड़ 24 लाख 35 हजार रुपये, फिनिश इवेंजेलिकल लूथरन मिशन ने 18 करोड़ 44 लाख 91 हजार रुपये और एफआईडीए इंटरनेशनल ने 4 करोड़ 56 लाख 48 हजार रुपये खर्च करने की मंजूरी ली है। विवरण के मुताबिक फिन चर्च एड फाउंडेशन ने 10 करोड़ 61 लाख 46 हजार, लेटर डी सेंट चैरिटीज 2 करोड़ 34 लाख 21 हजार रुपये, लूथरन वर्ल्ड फेडरेशन 16 करोड़ 2 लाख 84 हजार रुपये, लूथरन वर्ल्ड रिलीफ नेपाल 4 करोड़ 99 लाख 79 हजार रुपये, मर्सी क्रॉप्स 3 करोड़ 54 लाख 76 हजार रुपये, मिशन ईस्ट 6 करोड़ 23 78 हजार रुपये, नेपाल लेप्रोसी ट्रस्ट 4 करोड़ 67 लाख 47 हजार रुपये, द लेप्रोसी मिशन इंटरनेशनल 34 करोड़ 33 लाख 38 हजार रुपये, मेनोनाइट सेंट्रल कमेटी 9 करोड़ 99 लाख 96 हजार रुपये, समर इंस्टीट्यूट ऑफ लिंग्विस्टिक्स इंक नेपाल ने 3 करोड़ 69 लाख 48 हजार रुपये और आईएम स्वीडिश डेवलपमेंट पार्टनर 7 करोड़ 81 लाख 58 हजार रुपये खर्च करने की अनुमति ली है।

समाज कल्याण मंत्री साह ने कहा कि सामाजिक कार्यों के नाम पर विदेशों से धन लाकर अगर धर्मांतरण में लगाया जा रहा है तो इसकी जांच होगी। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी कुछ आईएनजीओ ने विदेशों से लाए पैसे का दुरुपयोग कर धर्मांतरण करने का प्रयास किया था, लेकिन ऐसी संस्थाओं को सचेत करा दिया गया है।

2 सौ किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आया चक्रवात 'चिडो' ने मचाई तबाही,सैकड़ों की मौत

पेरिस/मोरोनी, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

फ्रांस के हिंद महासागर वाले मायोट क्षेत्र में चक्रवात 'चिडो' ने जमकर तबाही मचाया। अधिकांश गरीब क्षेत्र वाले फ्रांस के हिस्सें में 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आया चिडो चक्रवात ने द्वीप क्षेत्र में सबकुछ तबाह कर दिया। स्थानीय मीडिया के अनुसार इस तबाही में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई।

लगता है कि सैकड़ों लोग मारे गए हैं, शायद संख्या लगभग एक हजार के करीब हो सकती है या फिर हजारों में भी पहुंच सकती है। फ्रांसीसी गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने पहले कहा था, 'मृतकों की संख्या के लिहाज से यह मामला जटिल होने जा रहा है, क्योंकि मायोत एक मुस्लिम भूमि है, जहां मृतकों को 24 घंटे के भीतर दफना दिया जाता है।

यह 90 वर्षों में मायोट में आया सबसे भयंकर चक्रवाती तूफान है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा, मेरी संवेदनाएं मायोत में हमारे देशवासियों के साथ हैं, जिन्होंने सबसे भयावह कुछ घंटे झेले हैं। कुछ लोगों ने अपना सब कुछ खो दिया है, अपनी जान गंवा दी है।

अफ्रीका के तट से दूर दक्षिण-पूर्वी हिंद महासागर में स्थित मायोट, फ्रांस का और यूरोपीय संघ का सबसे गरीब क्षेत्र है। यहां अवैध प्रवासियों की संख्या काफी ज्यादा है। 75 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे गुजर बसर करती है। निवासियों की सही आंकड़ा न होने की वजह से एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को आए चक्रवात में मौतों और घायलों की सटीक संख्या का पता लगाना बहुत कठिन है। इसके कारण हवाई अड्डे सहित सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, इलाके तबाह हो गए हैं और बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। गृह मंत्रालय ने रविवार को कम से कम 11 लोगों की मौत और 250 से अधिक लोगों के घायल होने की पुष्टि की थी, लेकिन कहा कि यह संख्या काफी बढ़ने की आशंका है फ्रांस के सरकारी एजेंसी के अनुसार, चक्रवात चिडो ने रात में मायोट लैंडफॉल किया। इसकी गति 200 किलोमीटर प्रति घंटे (124 मील प्रति घंटे) से अधिक थी। इसके प्रभाव से घरे, सरकारी इमारतें और एक अस्पताल को काफी नुकसान पहुंचा।

बहरेपन की चपेट में हैं दुनिया भर के सौ करोड़ युवा, ताजा शोध में वैज्ञानिकों ने किया यह दावा

लंदन, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

एक ताजा शोध में पाया गया कि दुनिया भर में लगभग एक अरब युवाओं को हेडफोन के जरिए तेज आवाज में संगीत सुनने से बहरेपन का खतरा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में लगभग एक अरब युवाओं को हेडफोन सुनने या तेज संगीत वाले स्थानों पर जाने से बहरेपन का खतरा हो सकता है।

डब्ल्यूएचओ ने भी इस शोध का नेतृत्व करते हुए युवाओं को सचेत किया है।430 मिलियन से अधिक लोग यानी दुनिया की आबादी का पांच प्रतिशत से भी अधिक लोग वर्तमान में सुनने की अक्षमता से पीड़ित हैं।डब्ल्यूएचओ के अनुमान के अनुसार, 2050 तक यह संख्या बढ़कर 700 मिलियन (70 करोड़) हो जाएगी।इस शोध ने पिछले दो दशकों में अंग्रेजी, स्पेनिश, फ्रेंच और रूसी में प्रकाशित 33 अध्ययनों के आंकड़ों को देखा, अपने शोध में 12-34 आयु वर्ग के 19,000 से अधिक प्रतिभागियों को शामिल किया।

इसमें पाया गया कि स्मार्टफोन जैसे उपकरणों के साथ हेडफोन का उपयोग करते समय 24 प्रतिशत युवाओं में कम सुनने की दिक्कतें थीं और 48 प्रतिशत मनोरंजन स्थलों जैसे संगीत कार्यक्रम या नाइट क्लबों में तेज शोर का वजह से भी लोगों में समान समस्या है.शोध के निष्कर्षों को मिलाकर, अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 670,000 से 1.35 अरब युवाओं के बीच बहरेपन की समस्या हो सकती है।अध्ययन के पहले लेखक लॉरेन डिलार्ड ने कहा कि हेडफोन से सुनने के नुकसान के जोखिम को कम करने का सबसे अच्छा तरीका वॉल्यूम कम करना और लिमिट में कोई चीज सुनना सही रहेगा।

दक्षिण कोरिया में महाभियोग पर महासंग्राम सत्तारूढ़ पार्टी के नेता हून का इस्तीफा

सवालों का जवाब देने से कतरा रहे राष्ट्रपति येओल, पूछताछ के लिए समन देने गए पुलिस अधिकारी बैरंग लौटे

सियोल, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के बाद महासंग्राम मचा हुआ है। सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) में आंतरिक संघर्ष तेज हो गया है। इस सबके बीच पीपीपी प्रमुख हान डोंग-हून ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति येओल पुलिस के सवालों का जवाब देने से कतरा रहे है। राष्ट्रपति कार्यालय और उनके आवास ने समन देने गए पुलिस अधिकारियों को खाली हाथ लौटा दिया।

येओल के खिलाफ शनिवार को नेशनल असेंबली में महाभियोग प्रस्ताव पारित हो चुका है। पीपीपी नेता हान डोंग-हून ने सोमवार को कहा कि आंतरिक संघर्ष के बीच अपना पद छोड़ रहे हैं। बताया गया है कि 12 पीपीपी सांसदों ने संभवत: अपनी पार्टी लाइन से हटकर विपक्षी दलों के महाभियोग प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। हून ने कहा, मैं पीपुल्स पावर पार्टी के नेता के रूप में पद छोड़ रहा हूं। पार्टी की सर्वोच्च परिषद के पतन के कारण पार्टी प्रमुख के रूप में मेरे कर्तव्यों का पालन करना असंभव हो गया है। हान ने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा के बाद हुई अराजकता के लिए माफी मांगते हुए कहा कि उन्हें महाभियोग का समर्थन करने के अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं है। नवनिर्वाचित फ्लोर लीडर क्वोन सेओंग-डोंग कंजर्वेटिव पार्टी के कार्यवाहक प्रमुख बनेंगे। खबर में कहा गया है कि पुलिस संयुक्त जांच इकाई राष्ट्रपति येओल से पूछताछ करने की कोशिश कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने राष्ट्रपति कार्यालय में समन देने की कोशिश की, लेकिन कार्यालय ने सहयोग करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस अधिकारी उनके आवास पहुंचे।

बशर अल-असद ने रूस को भेजी थी 2,100 करोड़ की नकदी

बेरूत,16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

सीरिया में उग्रवादी संगठन की ओर से राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल करने के बाद अब बड़ा खुलासा हुआ है।रिपोर्ट के अनुसार, असद ने साल 2018 और 2019 के बीच रूस को 25 करोड़ डॉलर (लगभग 2,100 करोड़ रुपये) की नकदी भेजी थी। कथित तौर पर यह लेनदेन अमेरिकी डॉलर और यूरो में किया गया था।इससे पता चलता है कि सीरियाई गृह युद्ध के दौरान असद के रूस के साथ वित्तीय संबंध थे।

के अनुसार, रिकॉर्ड में सीरियाई सेंट्रल बैंक की मॉस्को के वनुकोवो एयरपोर्ट तक की उड़ानें दिखाई गई हैं और यहीं से रूसी बैंकों में नकदी जमा कराई गई थी। कथित लेनदेन मार्च 2018 से सितंबर 2019 के बीच हुआ था। यह वही समय था जब रूसी सेना ने दमिश्क से विद्रोही बलों को पीछे हटाने में मदद की थी।बता दें कि रूस 2011 में सीरिया के गृह युद्ध छिड़ने के बाद असद की जीवन रेखा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, असद ने यह लेनदेन 100 डॉलर और 500 यूरो मूल्य के करेंसी नोट में किया था। यह लेनदेन एक बार में 1 करोड़ डॉलर (लगभग 84 करोड़ रुपये) या 2 करोड़ डॉलर (लगभग 168 करोड़ रुपये) के बराबर था।रिपोर्ट बताती है कि असद ने देश में विद्रोही संगठनों के खिलाफ रूसी सेना की मदद हासिल करने के लिए इस रकम का लेनदेन किया था। हालांकि, इसके बाद भी असद अपनी सत्ता को नहीं बचा सके।अलकायदा से जुड़े समूह हयात तहरीर अल शाम ने 8 दिसंबर को सीरिया में विद्रोह का नेतृत्व किया। विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क समेत कथित तानाशाह राष्ट्रपति अल-असद के महल पर कब्जा कर लिया है।विद्रोहियों के राजधानी में प्रवेश करते ही राष्ट्रपति अल-असद ने अपने परिवार के साथ मॉस्को में मानवीय आधार पर शरण ली है।विद्रोह से सीरिया में असद परिवार के 50 साल के शासन का अंत हो गया है। बशर 14 साल से कुर्सी पर थे।

अंडर-17 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस क्वालीफायर मेजबान युगांडा ने तंजानिया के साथ ड्रा खेला

कंपाला, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।

मेजबान युगांडा ने रविवार को सीईसीएएफए जोन के लिए टोटलएनर्जीज अंडर-17 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) फुटबॉल टूर्नामेंट क्वालीफायर के ग्रुप ए के अपने पहले मैच में तंजानिया के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला।

तंजानिया ने मैच की शुरुआत मजबूत टीम के रूप में की और 19वें मिनट में कंपाला के नकीवुबो हम्ज़ स्टेडियम में सालेह एले के गोल के ज़रिए बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद मैच के 58वें मिनट में युगांडा ने इसिमा मगाला के ज़रिए गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। घरेलू टीम ने गोल करने के बाद गति पकड़ी और लगातार हमले किए, जबकि तंजानियाई टीम ने रक्षा में मज़बूती से काम किया।

मगाला के पास युगांडा के लिए मैच जीतने का आखिरी मिनट का मौका था, लेकिन उनका शॉट लक्ष्य से चूक गया।

मैच के बाद तंजानिया के कोच एग्री मोरिस एम्ब्रोस ने कहा कि युगांडा की मजबूत टीम के खिलाफ ड्रॉ खेलना अच्छी शुरुआत थी।

पूर्व तंजानियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने कहा, हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन युगांडा ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन किया।

उनके समकक्ष सेन्योंडो ने कहा कि पहले मैच में ड्रॉ खेलने के बाद युगांडा के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी ग्रुप मैच में केन्या को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

दक्षिण सूडान, जिसने पहले मैच में सोमालिया को 3-0 से हराया था, अब ग्रुप बी में शीर्ष पर है, जबकि तंजानिया और युगांडा के पास ग्रुप ए में एक-एक अंक है।

बुधवार को तंजानिया का सामना केन्या से ग्रुप ए में होगा, जबकि दक्षिण सूडान का सामना ग्रुप बी के मैच में सूडान से होगा। सर्वश्रेष्ठ दो टीमें अगले साल कोट डी आइवर में होने वाले अंडर-17 एएफसीओएन के लिए क्वालीफाई करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

बुमराह पर नस्लीय टिप्पणी के कारण विवादों में आई पूर्व महिला क्रिकेटर ईशा

गाबा। इंग्लैंड की पूर्व महिला क्रिकेटर ईशा गुहा भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर नस्लीय टिप्पणी करने के कारण विवादों में आ गयीं हैं। ईशा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन कमेंट्री के दौरान बुमराह को सबसे मूल्यवान प्राइमेट बोल दिया। ईशा की इस टिप्पणी से इसलिए विवाद शुरू हो गया क्योंकि प्राइमेट शब्द अक्सर मनुष्य-सदृश जानवर के लिए इस्तेमाल किया जाता है। फैंस को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई है और प्रशंसकों ने इस पर कड़ी नाराजगी जतायी है। यह घटना तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और कई प्रशंसकों ने इसकी तुलना साल 2008 के कुख्यात मंकीगेट घोटाले की तुलना की, जहां हरभजन सिंह को दिवंगत एंड्रयू साइमंड्स ने कथित तौर पर बंदर कहा दिया था। इस बीच, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने माना कि भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को रोकने में विफल रहे। हेड और स्टीव स्मिथ दोनों ने टीम इंडिया के खिलाफ शतक लगाए जिससे ऑस्ट्रेलिया दूसरे दिन 400 से ज्यादा ऊपर पहुंच गयी। मोर्कल ने कहा कि सुबह के सत्र में तीन विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज लय बरकरार नहीं रख सके। उन्होंने कहा कि आज सुबह गेंद के साथ सबसे पहले, हम बहुत अच्छे थे, 70 रन पर 3 विकेट, लेकिन दो विश्व स्तरीय खिलाड़ी शानदार रहे।

स्मृति और जेमिमा की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने पहले टी20 में वेस्टंडीज को हराया

मुम्बई । स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां वेस्टंडीज को पहले टी20 मुकाबले में 49 रनों से हरा दिया। भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मंधाना के 53 और जेमिमा के 73 रनों की सहायता से 4 विकेट पर ही 195 रन बनाये। वेस्टंडीज की ओर से करिश्मा ने 18 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टंडीज टीम 146 रन ही बना पाई। वेस्टंडीज की ओर से जोसेफ और डॉटिन ने अच्छा प्रदर्शन किया पर वह अपनी टीम को जीत दिलाने में विफल रहीं। भारतीय टीम की ओर से तितास साधु ने 37 रन देकर 3 विकेट लिए। इस मैच में मंधाना ने उमा छेत्री के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 50 रन बनाये। उमा ने 24 रन बनाये। वहीं मंधाना ने 33 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्के लगाकर 54 रन बनाए। वहीं जेमिमा ने 35 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्के लगाकर सबसे अधिक 73 रनों की पारी खेली। इसके अलावा ऋचा घोष ने 20 जबकि कप्तान हरमनप्रीत ने 13 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज केवल 1 रन बनाकर पेवेलियन लौट गईं। इस दौरान कियाना जोसेफ ने डींड्रा डॉटिन के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। जोसेफ ने 33 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 49 रन बनाए तो वहीं, डॉटिन ने 28 गेंदों पर 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से 52 रन बनाए। जोसेफ और डॉटिन के विकेट गिरते ही वेस्टइंडीज टीम की पारी ढ़ह गयी। मध्यक्रम में केवल शबिका 15 ही रन बना पाई और स्कोर 20 ओवर में 146 तक ही पहुंच पाया। भारत की ओर से तितास ने 37 रन देकर 3 विकेट जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट लिए।

सुमित शर्मा ने की धुआंधार बल्लेबाजी लाइफ केयर ने जीता मैच

लखनऊ। बी.बी. गुप्ता मेमोरियल ट्राफी के लीग मैच में लाइफ केयर क्रिकेट क्लब ने दयानंद यंग मेंस एसोसिएशन को छह विकेट से मात दे दी। इस मैच में लाइफ केयर के बल्लेबाज सुमित शर्मा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 57 रन बनाये। दयानंद यंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 133 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज इशान गुप्ता मात्र आठ रन बनाकर आउट हो गये। वहीं विदित जोशी ने अपनी टीम में सर्वाधिक दो चौका और दो छक्का की मदद से 51 रन बनाये। लक्ष्य तिवारी ने 21 रन का योगदान दिया। वहीं अभिजय सिंह ने 18 रन बनाये। वहीं लाइफ केयर ने चार विकेट गंवाकर 134 रन बना लिये और मैच को छह विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज सुमित शर्मा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए आठ चौके और एक छक्के की मदद से 56 बाल पर 57 रन बनाये।

ब्रिसबेन टेस्ट तीसरा दिन

बारिश की लुका-छिपी के बीच भारत की खराब शुरुआत, 51 रन पर खोए चार विकेट

ब्रिसबेन, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।

यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने केवल 51 रन पर चार विकेट खो दिये हैं केएल राहुल 33 और कप्तान रोहित शर्मा बिना खाता खोले नाबाद हैं। इससे पहले आज ऑसेट्रेलिया की पहली पारी 445 रनों पर समाप्त हुई।

बारिश के व्यवधान के बीच भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और मिचेल स्टॉर्क ने पारी की दूसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल (04) चलता कर भारत को पहला झटका दिया। शुभमन गिल भी कुछ खास नहीं कर सके और केवल 1 रन बनाकर चलते स्टॉर्क का दूसरा शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार बने। हालांकि इसके बाद बारिश शुरु हो गई और लंच की घोषणा हो गई। लंच के बाद जब मैच शुरु हुआ तो पंत और राहुल ने भारत की पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि इसके बाद फिर बारिश शुरु हो गई। बारिश जब रूकी तो पंत (09) के रुप में भारत को चौथा झटका लगा। पंत के आउट होने के बाद बारिश शुरु हो गई और चायकाल की घोषणा हो गई। बारिश रूकने के बाद मैच केवल 4 ओवर को ही हो सका और फिर बारिश शुरु हो गई, जिसके बाद दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया। खेल की समाप्ति पर भारत ने 4 विकेट पर 51 रन बना लिए हैं। केएल राहुल 33 और रोहित बिना खाता खोले नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 2, जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस ने 1-1 विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाले शीर्ष तीरंदाजों में दीपिका, अंकिता भक्त, धीरज शामिल

जमशेदपुर। व्यस्त 2025 कैलेंडर से पहले दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त, बी धीरज, अभिषेक वर्मा और अदिति स्वामी सहित देश के शीर्ष तीरंदाज सोमवार से यहां शहर के मध्य स्थित गोपाल मैदान में शुरू होने वाली साल की अंतिम राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में खुद को परखेंगे। सबसे उल्लेखनीय अनुपस्थिति प्रतिष्ठित कंपाउंड तीरंदाज वी. ज्योति सुरेखा की होगी, क्योंकि एथलीट और उनकी राज्य इकाई, आंध्र प्रदेश तीरंदाजी संघ के बीच मतभेद हैं। ओलंपिक में एक और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, दीपिका ने अक्टूबर में मैक्सिको के त्लाक्सकाला में विश्व कप फाइनल में रजत पदक हासिल करके कुछ सम्मान हासिल किया और वह साल का समापन अच्छे नोट पर करना चाहेंगी। धीरज, जिन्होंने अंकिता के साथ मिलकर पेरिस ओलंपिक की मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया था, के लिए राष्ट्रीय स्पर्धा अगले ओलंपिक के लिए उनकी तैयारियों की शुरुआत है। तीरंदाजों का पहला लक्ष्य, जिनमें से कुछ ने हाल ही में विदेशों में इनडोर स्पर्धाओं में भाग लिया है, अगले महीने उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए पात्र होने के लिए अच्छी रैंकिंग प्राप्त करना होगा। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप, विश्व खेल, एशियाई चैंपियनशिप और विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं से भरा कैलेंडर है।

बीसीसीआई ने विजय हजारे ट्रॉफी खेलने तीन खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस बुलाया

मुम्बई, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया गये तीन खिलाड़ियों को वापस बुलाया है। बीसीसीआई ने रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर भेजे गये तेज गेंदबाजों मुकेश कुमार, यश दयाल और नवदीप सैनी को जरुरत नहीं होने के कारण वापसी बुलाया है। इन तीनों तेज गेंदबाज को पहले तीन टेस्ट मैचों में एक बार भी खेलने का अवसर नहीं मिला है।

तीनों गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में भी अवसर मिलना मुश्किल था। ऐसे में भारतीय बोर्ड ने इस गेंदबाजों को रिलीज करने का फैसला किया। बोर्ड ने इन तीनों को इसलिए पहले रिलीज किया जिससे वे भारत लौटकर विजय हजारे ट्रॉफी से पहले अभ्यास कर सकें। मुकेश कुमार को बंगाल की टीम ने शामिल किया है।

मुकेश, नवदीप और यश के टीम इंडिया से रिलीज होने के बाद भी भारतीय टीम के पास 5 बतौर तेज गेंदबाज रहेंगे। इनमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं। मुकेश और नवदीप शुरूआत से ही भारतीय टीम के साथ थे। दोनों इंडिया ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गए थे। मुकेश ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दोनों टेस्ट खेले खेलकर 11 विकेट लिए थे।

नवदीप को केवल एक अभ्यास मैच में खेलने का अवसर मिला। वहीं यश दयाल को खलील अहमद की जगह टीम से जोड़ा गया था। खलील अहमद बिना खेले चोटिल होकर ऑस्ट्रेलिया से लौट आए थे। यश विजय हजारे ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश टीम में शामिल होंगे वहीं मुकेश बंगाल जबकि सैनी दिल्ली की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे।

विश्व एक्वेटिक तैराकी

ग्लासगो में स्कॉटिश लीग कप फुटबॉल में जीत के बाद सेल्टिक के कैलम मैकगेगर और उनके साथी खिलाड़ी ट्रॉफी उठाये हुए।

शाकिब को सभी शीर्ष स्तरीय क्रिकेट, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैचों में गेंदबाजी से किया गया निलंबित

नई दिल्ली, 16 दिसंबर(एजेंसियां)।

शाकिब अल हसन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा अनुमोदित राष्ट्रीय महासंघों द्वारा संचालित सभी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया है, चाहे वह घरेलू हो या अंतरराष्ट्रीय। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को एक बयान में उक्त जानकारी दी। शाकिब को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिए गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया था, और बीसीबी ने कहा कि यह अगला कदम है। बोर्ड ने यह भी कहा कि शाकिब जल्द ही अपने गेंदबाजी एक्शन को मंजूरी दिलाने और निलंबन हटाने के प्रयास में एक मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र में पुनर्मूल्यांकन के लिए उपस्थित होंगे। सितंबर में इंग्लिश काउंटी क्रिकेट मैच के दौरान संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट किए जाने के बाद, शाकिब इस महीने की शुरुआत में यूके में आईसीसी द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र, लॉफबोरो विश्वविद्यालय में अपने गेंदबाजी एक्शन के स्वतंत्र मूल्यांकन में विफल रहे। इसके बाद ईसीबी ने कार्रवाई की और, अवैध गेंदबाजी

एक्शन के लिए आईसीसी के नियमों के खंड 11.3 के अनुसार, जब कोई राष्ट्रीय महासंघ किसी खिलाड़ी को अपनी घरेलू प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित करता है, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आईसीसी द्वारा निलंबन को स्वचालित रूप से मान्यता दी जाती है और सभी राष्ट्रीय क्रिकेट महासंघों द्वारा उनकी संबंधित घरेलू प्रतियोगिताओं में लागू किया जाता है। यह आधिकारिक सूचना प्राप्त होने पर बिना किसी और औपचारिकता की आवश्यकता के तुरंत लागू होता है। बीसीबी के बयान में कहा गया है, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को सूचित किया गया है कि राष्ट्रीय टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अधिकार क्षेत्र के तहत प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, शाकिब को बांग्लादेश के बाहर घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी करने से भी निलंबित कर दिया गया है। यदि इस [पुनर्मूल्यांकन] विश्लेषण के परिणाम उनके एक्शन को स्पष्ट कर देते हैं, तो शाकिब को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी राष्ट्रीय क्रिकेट महासंघों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने की अनुमति दी जाएगी। अभी के लिए शाकिब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं। शाकिब अभी भी वनडे में सक्रिय खिलाड़ी हैं, लेकिन पिछले चार हफ्तों में उन्हें अफ़गानिस्तान और वेस्टइंडीज़ सीरीज़ के लिए नहीं चुना गया। वह वर्तमान में लंका टी10 प्रतियोगिता में खेल रहे हैं। शाकिब ने गॉल मार्वल्स के लिए पिछले दो मैचों में गेंदबाजी नहीं की, जिसमें रविवार शाम को खेला गया मैच भी शामिल है ।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए राशिद खान की अफगानिस्तान टेस्ट टीम में वापसी

काबुल, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान तीन साल से ज़्यादा समय बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं। उन्हें जिम्बाब्वे में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए टीम में शामिल किया गया है।

राशिद ने इससे पहले कमर में चोट के कारण मेडिकल सलाह पर लंबे फ़ॉर्मेट से ब्रेक लिया था। राशिद ने अपना आखिरी टेस्ट भी जिम्बाब्वे के खिलाफ मार्च 2021 में अबू धाबी में खेला था।

टीम में ऑलराउंडर इस्मत आलम, बाएं हाथ के स्पिनर जहीर शहजाद और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बशीर अहमद अफगान सहित सात अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। तीनों को उनके मजबूत घरेलू प्रदर्शन का इनाम मिला है और वे अजमतुल्लाह उमरजई, फरीद अहमद, रियाज हसन और सेदिकुल्लाह अटल के साथ जुड़ेंगे, जिन्होंने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। हालांकि, उमरजई, फरीद और रियाज सभी न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा थे, जो इस साल की शुरुआत में सितंबर में एक भी गेंद फेंके बिना धुल गया था।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के अंतरिम मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखिल ने एक बयान में कहा, राशिद खान की टेस्ट टीम में वापसी हुई है, जो हमारे लाल गेंद के खेल के लिए एक आशाजनक संकेत है। बाकी टीम ने हाल ही में नांगरहार प्रांत में अच्छी तैयारी की, जिसमें 19 खिलाड़ी और सभी सहायक कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने खिलाड़ियों के साथ काम किया और श्रृंखला के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित की। हमने पूरी तरह से कार्यवाही की निगरानी की है और टीम का चयन किया है, जिसमें इस्मत आलम, बशीर अहमद और जहीर शहजाद सहित कई नए चेहरे शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में अहमद शाह अब्दाली प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया है।

इस बीच, नासिर जमाल, जिया उर रहमान और मोहम्मद इब्राहिम रिजर्व खिलाड़ियों के रूप में समूह का हिस्सा होंगे।

अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट, जो टीम के जिम्बाब्वे दौरे के वनडे चरण के प्रभारी थे, ने व्यक्तिगत कारणों से इस दौरे के अन्य प्रारूपों के लिए खुद को अनुपलब्ध कर लिया है। ट्रॉट की अनुपस्थिति में हामिद हसन मुख्य कोच और नवरोज मंगल सहायक कोच के रूप में काम करेंगे। हशमतुल्लाह शाहिदी टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, जबकि रहमत शाह उनके डिप्टी होंगे।

बुलावायो दोनों टेस्ट मैचों की मेजबानी करेगा, यह श्रृंखला 26 दिसंबर से 6 जनवरी तक चलेगी।

अफगानिस्तान की टेस्ट टीम इस प्रकार है-

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उप-कप्तान), इकराम अलीखाइल (विकेटकीपर), अफसर जजई (विकेटकीपर), रियाज हसन, सेदिकुल्लाह अटल, अब्दुल मलिक, बहिर शाह, इस्मत आलम, अजमतुल्लाह उमरजई, जहीर खान, जिया उर रहमान , ज़हीर शहजाद, राशिद खान, यामीन अहमदजई, बशीर अहमद, नवीद जादरान, फरीद अहमद।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। आनंद राठी समूह की 'ब्रोकरेज' शाखा आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।यह समूह इस आईपीओ के जरिए 745 करोड़ रुपये जुटाना चाहता है।

सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार आनंद राठी समूह की 'ब्रोकरेज' इकाई आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 550 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी को आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। कंपनी के इक्विटी शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का 5 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 745 करोड़ रुपये तक के शेयरों का नया निर्गम है। कंपनी के इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से जारी किया जा रहा है, जिसमें शुद्ध इश्यू का 50 फीसदी से अधिक योग्य संस्थागत खरीदारों को आवंटित नहीं किया जाता है। शुद्ध प्रस्ताव का 15 फीसदी और 35 फीसदी से कम हिस्सा क्रमश: गैर-संस्थागत और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटित नहीं किया जाता है।

आनंद राठी ग्रुप की ब्रोकरेज शाखा, आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी भारत में 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ एक स्थापित पूर्ण-सेवा ब्रोकरेज हाउस है। यह आनंद राठी ब्रांड नाम के तहत ब्रोकिंग, मार्जिन ट्रेडिंग और वित्तीय उत्पादों के वितरण सहित वित्तीय सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। कंपनी की निवेश पेशकशों में इक्विटी, डेरिवेटिव, कमोडिटीज और मुद्रा बाजार सहित परिसंपत्ति वर्गों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारतीय सेना...

सेना मुख्यालय में लगी नई पेंटिंग में लद्दाख की पैंगोंग झील का दृश्य दिखाया गया है, जिसमें आधुनिक युद्ध उपकरण जैसे टैंक, हेलीकॉप्टर, नावें और उच्च तकनीकी क्षमता वाले वाहन प्रदर्शित हैं। इसके अलावा, पेंटिंग में महाभारत के युद्ध दृश्य और चाणक्य की नीति के संदर्भ में चित्रित कुछ धार्मिक और शाश्वत संदेश भी शामिल हैं। यह पेंटिंग भारतीय सेना के तीनों अंगों थलसेना, वायुसेना और नौसेना के समन्वय को प्रदर्शित करती है, जो यह संकेत देती है कि भारतीय सेना अब एक समन्वित और आधुनिक दृष्टिकोण अपनाते हुए किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। भारतीय सेना के ही आला अफसर कहते हैं कि 1971 युद्ध में पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण की तस्वीर मनोबल बढ़ाती थी, उसे उसी स्थान पर रहना चाहिए था। दूसरी तस्वीर को कहीं भी लगाई जा सकती थी। सैन्य अधिकारी कहते हैं, यह अलग बात है कि भारत की सैन्य रणनीति में बदलाव समय की मांग है। लेकिन परंपरा और गौरव की बातें कहने वाली भारत सरकार का यह चारित्रिक विरोधाभास है कि भारतीय सेना के शौर्य की वह ऐतिहासिक तस्वीर सेना मुख्यालय से हटा दी गई।

भारत-श्रीलंका...

फेरी सेवा और चेन्नई-जाफना उड़ान संपर्क ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है और हमारे सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत किया है। हमने फैसला किया है कि नागपट्टिनम और कांकेसंथुरई फेरी सेवाओं की सफल शुरुआत के बाद अब भारत में रामेश्वरम से तलाईमन्नार के बीच फेरी सेवा शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा, बौद्ध सर्किट और श्रीलंका के रामायण ट्रेल के माध्यम से पर्यटन की अपार संभावनाओं को साकार करने के लिए भी काम किया जाएगा। हमने मछुआरों की आजीविका से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमने श्रीलंका में निर्माण और सुलह के बारे में भी बात की। राष्ट्रपति दिसानायके ने मुझे अपने समावेशी दृष्टिकोण के बारे में बताया। हमें उम्मीद है कि श्रीलंका सरकार तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी और श्रीलंका के संविधान को पूरी तरह लागू करने तथा प्रांतीय परिषद चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करेगी। मैंने राष्ट्रपति दिसानायके को आश्वस्त किया है कि श्रीलंका के विकास के प्रयासों में भारत कई तरीकों से एक विश्वसनीय भागीदार बना रहेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, हम पूरी तरह से सहमत हैं कि हमारे सुरक्षा हित आपस में जुड़े हुए हैं। हमने रक्षा सहयोग समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। हाइड्रोग्राफी पर भी सहयोग पर सहमति हुई है। हम मानते हैं कि कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और विकास के लिए एक अहम मंच है। इसके तहत समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद का मुकाबला, साइबर सुरक्षा, तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई, मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाया जाएगा। भारत और श्रीलंका के लोगों के बीच आपसी संबंध हमारी सभ्यताओं से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, भारत ने श्रीलंका को अब तक पांच अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन और अनुदान सहायता प्रदान की है। श्रीलंका के सभी 25 जिलों में हमारा सहयोग है और हमारी परियोजनाओं का चयन हमेशा साझेदार देशों की विकास प्राथमिकताओं पर आधारित होता है। अपने विकास सहयोग को आगे बढ़ाते हुए हमने तय किया है कि महो-अनुराधापुरम रेलवे सेक्शन और कांकेसंथुरई पोर्ट के सिग्नलिंग सिस्टम के पुनर्वास के लिए अनुदान सहायता दी जाएगी। शिक्षा सहयोग के तहत अगले साल से जाफना और पूर्वी प्रांत के विश्वविद्यालयों में 200 छात्रों को मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। अगले पांच वर्षों में श्रीलंका के 1500 सिविल सेवकों को भारत में प्रशिक्षण किया जाएगा। आवास, नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के साथ, भारत श्रीलंका में कृषि, डेयरी और मत्स्य पालन के विकास के लिए भी सहयोग करेगा। भारत श्रीलंका में यूनिक डिजिटल पहचान परियोजना में भी भाग लेगा।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा, श्रीलंका का राष्ट्रपति बनने के बाद यह मेरी विदेश यात्रा है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं अपनी पहली राजकीय यात्रा पर दिल्ली आ सका। मुझे निमंत्रण देने के लिए और गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए मैं भारत को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच सहयोग को और विकसित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

उन्होंने कहा, हम मछुआरों के मुद्दे का एक स्थायी समाधान खोजना चाहते हैं, जो हमारे दोनों देशों के लिए एक परेशानी का मुद्दा है। उस क्षेत्र में मछुआरों द्वारा बॉटम ट्रॉलिंग सिस्टम अपनाया जा रहा है और इसे समाप्त करने की आवश्यकता है क्योंकि यह इस उद्योग के लिए खतरनाक होगा। उन्होंने कहा, हमने करीब दो साल पहले एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना किया था। उस समय भारत ने हमारा भरपूर समर्थन किया। इतना ही नहीं बाद में भी काफी मदद की, खासकर ऋण मुक्त संरचना प्रक्रिया में। मैं जानता हूं कि श्रीलंका भारत की विदेश नीति में बहुत अहम स्थान रखता है। पीएम मोदी ने हमें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। इसके अलावा उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वह हमेशा श्रीलंका की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा, सामाजिक सुरक्षा और टिकाऊ विकास वे आधारशिला हैं, जिनके आधार पर हमारे देशों के लोगों ने हम दोनों को सत्ता में चुना है। यह वह संसद है जिसमें एक ही दल के संसद सदस्यों की संख्या सबसे अधिक है। इतिहास में हमारे पास इस तरह की रचना कभी नहीं थी। नेशनल पीपुल्स पावर ने हाल ही में संपन्न राष्ट्रपति चुनाव और आम चुनाव में ऐतिहासिक चुनावी जीत हासिल की। श्रीलंका के लोगों द्वारा व्यक्त किए गए संदेश ने श्रीलंका में एक नई संस्कृति के उभरने का मार्ग प्रशस्त किया। लोगों ने हम पर विश्वास जताया है। देश के सभी हिस्सों के लोग, जो सभी पंथों, पंथों और धर्मों से संबंधित हैं, ने हमें वोट दिया है। विविधता लोकतंत्र की आधारशिला है। उन्होंने कहा, मैंने भारत के प्रधानमंत्री को यह भी आश्वासन दिया है कि हम अपनी जमीन का किसी भी तरह से भारत के हितों के लिए हानिकारक उपयोग नहीं होने देंगे। भारत के साथ सहयोग निश्चित रूप से बढ़ेगा और मैं भारत के प्रति अपने निरंतर समर्थन का आश्वासन देना चाहता हूं।

संभल का सच ...

अब तक 209 हिंदुओं की हत्या हो चुकी। लेकिन किसी ने उन निर्दोष हिंदुओं के बारे में दो शब्द भी नहीं कहे। आज घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष कहते हैं कि मंदिर निकल आएगा तो क्या मंदिर बन जाएगा। बाबरनामा भी यही कहता है कि मंदिर को तोड़कर ही हर मस्जिद बनाई गई है। संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान दो दिन कोई शांति भंग नहीं हुई। लेकिन तीसरे दिन जुमे के नमाज के बाद जो सक्रियता देखी गई। उसके बाद सुनियोजित तरीके से घटना की गई।

सीएम ने कहा कि मुस्लिम त्यौहार आराम से हो जाते हैं। दंगे सिर्फ उसी क्षेत्रों में क्यों होते हैं, जहां मुस्लिम आबादी होती है। जब मंदिर के सामने से मोहर्रम का जुलूस निकल सकता है, तो मस्जिद के सामने से शोभायात्रा क्यों नहीं निकल सकती। एक झंडा लगाने में बहराइच में युवक की हत्या कर दी गई। अपने ही देश में कोई एक झंडा क्यों नहीं लगा सकता? भगवा झंडा क्यों नहीं लग सकता? सीएम योगी ने कहा कि मिलने पर राम राम बोलते हैं। अंतिम यात्रा में राम नाम सत्य बोलते हैं। राम नाम बोलना कहां से सांप्रदायिक हो गया। विपक्ष को निशाने पर लेकर कहा कि आप लोग सत्य पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों में 97 फीसदी तक की कमी आई है। 2012-2017 के दौरान सपा के कार्यकाल के दौरान 815 सांप्रदायिक दंगे हुए। इसमें 192 लोगों की मौत हुई। इससे पिछले कार्यकाल में भी 616 दंगे हुए। जिसमें 121 लोगों की मौत हुई।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा था, संभल की घटना पुलिस-प्रशासन की लापरवाही से हुई। इसकी जांच करानी चाहिए। सर्वे के दौरान विवाद की आशंका थी। सरकार को यह पता था तो कोर्ट में पुनर्निरीक्षण याचिका डालनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय मंदिर का कोई विरोधी नहीं है। हम सभी के घरों में मंदिर है। यूपी आज सांप्रदायिकता की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश को सांप्रदायिकता की आग में जाने से बचाइए।

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों...

उप-निदेशक पंचायती राज सास्वत आनंद सिंह ने इन सभी फर्जी प्रमाणपत्रों को निरस्त करने का आदेश दिया है। सरकार ने भविष्य में जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने में खास सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं।

जांच में पता चला कि कई गांवों में जालसाजों ने एक ही दिन 500 से लेकर 1000 तक फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बना डाले थे जबकि एक कंप्यूटर से 24 घंटे में 100 प्रमाणपत्र से अधिक नहीं निकल सकते हैं। माना जा रहा है कि एक ही आईडी और पासवर्ड से एक दिन में इतने ज्यादा प्रमाण पत्र बनाने के लिए कई प्रदेशों में बैठे साजिशकर्ताओं ने मिल कर काम किया था। जिन 11 गांवों में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र पाए गए हैं, उसमें सबसे अधिक प्रभावित पाल्हीपुर गांव है। यहां 13707 फर्जी प्रमाण पत्र पाए गए हैं। दूसरे नंबर पर नुरुद्दीनपुर है जहां मिले प्रमाण पत्रों की संख्या 10151 है। तीसरा नंबर पृथ्वीपुर का है। यहां 9393 फर्जी प्रमाण पत्र मिले हैं। इसके अलावा सांडा सैदन में 4897, माधौपुर निनैया में 3746, लहुरेपुर में 3780, गढ़ी इस्लामनगर में 2255, औनानीश में 1665, गोपालपुर उर्फ अनंतपुर में 225 और दुबहन में 2 फर्जी प्रमाण पत्र पाए गए हैं।

इस फर्जीवाड़े का मुख्य आरोपी मोहम्मद जीशान है जो रायबरेली के ही सलोन का निवासी है। उसके साथ साजिश में शामिल रियाज, सुहेल खान और वीडीओ विजय सिंह यादव को भी गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच में एटीएस के साथ-साथ एनआईए भी शामिल है। जांच एजेंसियां इस फर्जीवाड़े में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

जय श्रीराम का...

याचिका में कर्नाटक हाईकोर्ट के 13 सितंबर के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें दो आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया गया था।

बेंच ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत से पूछा, आपने इन लोगों की पहचान कैसे की? आप कह रहे हैं कि ये सब सीसीटीवी में दिख रहे हैं। क्या उन लोगों की पहचान की गई है, जिन्होंने मस्जिद में प्रवेश किया? कामत ने कहा, हाईकोर्ट ने कार्रवाई रद्द कर दी थी, जबकि मामले की जांच अधूरी थी। इस पर बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट ने यह देखा कि आरोप आईपीसी की धारा 503 (आपराधिक धमकी) या धारा 447 (अवैध प्रवेश) के तत्वों को पूरा नहीं करते थे।जब बेंच ने पूछा कि क्या आप उन व्यक्तियों को पहचान पाए हैं, जिन्होंने मस्जिद में प्रवेश किया? तो कामत ने कहा कि राज्य की पुलिस ही इसका जवाब दे सकती है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई जनवरी 2025 के लिए तय कर दी। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि यह समझ से बाहर है कि अगर कोई जय श्रीराम चिल्लाता है तो यह किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को कैसे ठेस पहुंचा सकता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शिकायत में यह आरोप नहीं था कि इस घटना से सार्वजनिक अशांति या किसी प्रकार का विवाद हुआ हो।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, यह घटना 24 सितंबर 2023 को हुई थी और दो लोगों ने मस्जिद में घुसकर धार्मिक नारे लगाए थे और इसके बाद धमकिया दी थीं। इसके बाद पुत्तूर सर्किल के कडाबा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपों में अपराध के कोई तत्व नहीं हैं, इसलिए उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करना कानूनी का दुरुपयोग और न्याय के साथ अन्याय होगा।

पंडित नेहरू के...

और इन्हें शोध और अध्ययन के लिए जनता के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर मूल दस्तावेज वापस नहीं किए जा सकते तो उनकी प्रतियां या डिजिटल संस्करण उपलब्ध कराए जाएं। यह मामला 2008 का है, जब यूपीए सरकार के दौरान सोनिया गांधी ने नेहरू मेमोरियल म्यूजियम से 51 बॉक्स निजी दस्तावेज लिए थे। इनमें नेहरू और अन्य हस्तियों के बीच पत्राचार शामिल था। इन दस्तावेजों में नेहरू और एडविना माउंटबेटन के पत्र भी थे, जो हमेशा विवाद का विषय रहे हैं।

सितंबर 2024 में भेजे गए पत्र का सोनिया गांधी की ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया। इस बार, कादरी ने राहुल गांधी से हस्तक्षेप की अपील की है। कादरी ने लिखा कि ये दस्तावेज भारत के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम और नेहरू के विचारों को समझने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि अगर दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किए गए तो यह इतिहास के प्रति अन्याय होगा।

कादरी ने अपने पत्र में लिखा कि इन दस्तावेजों का ऐतिहासिक महत्व अत्यधिक है, और इन तक पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है ताकि देश के इतिहास को समग्रता से समझा जा सके। उनका कहना है कि इन कागजातों तक पहुंच होने से भारत के स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रीय निर्माण और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की जा सकेगी। उनके अनुसार, गांधी जी के लेखन को व्यवस्थित रूप से दस्तावेज किया गया है, लेकिन सरदार पटेल के योगदान को लेकर इतने व्यापक दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए नेहरू और उनके पिता मोतीलाल नेहरू द्वारा छोड़े गए दस्तावेज बेहद महत्वपूर्ण हैं।

कादरी ने अपने पत्र में यह भी कहा कि अगर सोनिया गांधी दस्तावेज वापस नहीं करना चाहतीं, तो वे उनकी डिजिटल प्रतियां उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी पेशकश की कि वह खुद दस्तावेजों का डिजिटलीकरण करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि सोनिया गांधी द्वारा किए गए दस्तावेजों की वापसी अच्छे इरादों से की गई थी ताकि इनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हालांकि, अब समय आ गया है कि इन दस्तावेजों तक पहुंच प्रदान की जाए ताकि राष्ट्र के इतिहास का व्यापक अध्ययन हो सके।

यह मामला केवल दस्तावेजों की वापसी तक सीमित नहीं है। यह सवाल भी उठता है कि क्या ऐसे ऐतिहासिक दस्तावेज किसी परिवार की निजी सम्पत्ति हो सकते हैं, या उन्हें राष्ट्रीय विरासत के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। पीएमएमएल के अनुसार, इन दस्तावेजों की सार्वजनिक उपलब्धता इतिहास के व्यापक अध्ययन और राष्ट्र की समझ के लिए जरूरी है। फरवरी 2023 में पीएमएमएल की वार्षिक बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में यह मुद्दा उठाया गया था। बैठक में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया था कि इन दस्तावेजों को फॉरेंसिक ऑडिट के जरिए सत्यापित किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब न हो।

नेहरू के पत्रों ...

जयप्रकाश नारायण और कई अन्य नेताओं को लिखे थे। साल 2008 में जब सोनिया गांधी यूपीए अध्यक्ष थीं, तो एक दिन वह संग्रहालय में गईं और ये सभी पत्र अपने साथ ले गईं।

संबित पात्रा ने कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, सवाल यह है कि क्या लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देश को इन पत्रों को लौटाने के लिए सोनिया गांधी से बात करेंगे? लोग जानना चाहते हैं कि नेहरू जी ने एडविना माउंटबेटन को क्या लिखा था। जब 2010 में इन सभी दस्तावेजों को डिजिटल करने का फैसला किया गया था, तो सोनिया गांधी ने डिजिटलीकरण होने से पहले इन पत्रों को क्यों लिया? इन पत्रों में ऐसा क्या था जो गांधी परिवार देश को नहीं बताना चाहता?पंडित नेहरू के ये निजी पत्र बेहद ऐतिहासिक माने जाते हैं। पहले ये पत्र जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल के पास थे, जिन्हें साल 1971 में नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी को दिए गए। अब इसी नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी को प्रधानमंत्री मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के रूप में जाना जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने...

जस्टिस शेखर यादव के इस बयान पर नस्लदूषित प्रगतिशीलों और कुंठाग्रस्त लिबरलों को मिर्ची लगी हुई है। इसी जमात का साथ देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट से इस मुद्दे पर रिपोर्ट मांग ली थी। विपक्ष के 55 सांसदों ने राज्यसभा में जस्टिस यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस भी दाखिल कर दिया था।

सुप्रीम के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने पिछले दिनों कहा था, अयोध्या के राममंदिर के फैसले पर जो लोग सवाल उठा रहे हैं, उनमें से कई लोगों ने 1000 पन्ने के फैसले का एक पन्ना भी नहीं पढ़ा होगा। राम मंदिर फैसले का संदर्भ लेते हुए जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, मैं फैसले का एक पक्ष था। इसलिए यह मेरे काम का हिस्सा नहीं है कि मैं इस फैसले का बचाव करूं या आलोचना करूं। कोई जज किसी फैसले में पार्टी होता है। वह फैसला सार्वजनिक सम्पत्ति बन जाता है और उस पर दूसरे लोग बात करते हैं। जस्टिस नरीमन ने फैसले की आलोचना की है। इसका मतलब ही है कि भारत में धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत अभी जिंदा है। भारत में धर्मनिरपेक्षता जिंदा नहीं होती तो लोग इस तरह की स्वतंत्र अभिव्यक्ति नहीं दे पाते। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा था, मैं अपने फैसले का बचाव नहीं कर सकता। हमने पांच जजों के जरिए अपनी बात रखी है और हर तर्क को पेश किया है। ऐसे में हर न्यायाधीश इस फैसले का हिस्सा है। यह निर्णय लेने का काम सामूहिक है और हम अपने हर शब्द पर अडिग हैं। अदालतें वर्तमान मुद्दों पर फैसला लेती हैं। वो उन मुद्दों पर फैसला लेती हैं, जो देश के सामने हैं।

जस्टिस नरीमन के आरोपों पर उन्होंने कहा, यह एक धारणा है और इस तरह की कई धारणाएं समाज में रहती हैं। नागरिकों के पास चर्चा करने, टिप्पणी करने, आलोचना करने का अधिकार है। लोकतंत्र में यह सब संवाद की प्रक्रिया है। यह जस्टिस नरीमन का नजरिया है लेकिन यह नजरिया सत्य पर उनके एकाधिकार को नहीं दर्शाता। अंतिम शब्द सुप्रीम कोर्ट का ही होता है। कांग्रेस सरकार में देश के सॉलिसिटर जनरल रहे और बाद में सुप्रीम कोर्ट में जज बने रोहिंटन नरीमन ने पिछले दिनों एक लेक्चर के दौरान राम मंदिर पर दिए गए फैसले की कड़ी आलोचना की थी। यह जानते हुए कि उनकी टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की अवमानना का गंभीर अपराध है। नरीमन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को न्याय का मजाक कहा और उसे सेकुलरिज्म का उल्लंघन करने वाला फैसला करार दिया। नरीमन ने पागल प्रलाप की तरह हिंदुओं को कानून के खिलाफ रहने वाला समुदाय बता दिया और मस्जिदों के खिलाफ याचिका डालने वालों को दैत्य का सिर कह दिया।

रोहिंटन नरीमन ने अपनी यह बेजा और गंदी टिप्पणियां जस्टिस एएम अहमदी मेमोरियल लेक्चर में की थीं। रोहिंटन नरीमन ने कहा कि राम मंदिर का पूरा मसला 1984 में विश्व हिंदू परिषद की राम मंदिर बनाने की तानाशाही और अत्याचारी मांग से चालू हुआ था। नरीमन ने अपने आराध्य देव के पूजास्थल की मांग करने वाले हिंदुओं को तानाशाही और अत्याचारी कहा। नरीमन यह भूल गए कि पूजा स्थल की मांग करना अत्याचार था या मंदिर का विध्वंस कर वहां मस्जिद बनाना अत्याचार था? नरीमन को यह भी याद नहीं रहा कि उनके पुरखे पर्शिया से क्यों भागे थे? पर्शिया में इस्लाम का कानून लागू हो गया था, इसलिए पारसी भारत आ गए थे और सैकड़ों साल से अपने धर्म को स्वतंत्रतापूर्वक मान रहे हैं। उन्हें शरण भी इन्हीं तथाकथित अत्याचारी और तानाशाही हिंदुओं ने दी थी। उसी नरीमन ने राम मंदिर के मामले में हिंदुओं को हमेशा कानून के खिलाफ रहने वाला करार दिया। जबकि असल बात यह है कि यदि हिंदू पक्ष कानून के खिलाफ रहता तो बाबरी मस्जिद का ढांचा 6 दिसंबर 1992 तक खड़ा नहीं रह पाता और मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 की प्रतीक्षा नहीं करती। हिंदू पक्ष ने तो इस मामले में अंग्रेज न्यायाधीशों से लेकर जिला अदालत, हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी। हिंदू कानून से मंदिर मांगते रहे और इसी कानून के अनुसार मंदिर बनाया। इस बीच उनके आराध्य को काल्पनिक तक बताया गया।

अगर हिंदू कानून के खिलाफ होते तो आज देश में बहुसंख्यक होने के बाद भी वह कश्मीर से भाग नहीं रहे होते। अगर हिंदू कानून के खिलाफ होते तो काशी मथुरा का मामला कोर्ट में अटका नहीं होता। खैर पीढ़ी दर पीढ़ी वकालत का पेशा अपनाने वाले नरीमन को यह सब कैसे पता होगा। वह तो जन्म से लेकर अब तक उस छद्मी बुलबुले में रहते रहे जिसे अंग्रेजी स्टाइल में लिबरल कहते हैं। नरीमन का कहना है कि फैसले में सेकुलरिज्म का ध्यान नहीं रखा गया।

यानी सेकुलरिज्म का ध्यान तब होता जब हिंदू अपना दावा छोड़ कर चुप बैठ जाते। ऐसा कहते समय नरीमन ने अपनी आत्मा में झांक कर यह नहीं पूछा कि उनसे कोई उनके धार्मिक स्थल को छोड़ने को कहे तो उन्हें कैसे लगेगा? तब वे सेकुलरिज्म की दुहाई देंगे या नहीं देंगे?

पर बांग्लादेश निर्माण ...

पीएम मोदी ने कहा, आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने देश की रक्षा की। उन्होंने कहा कि यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंतर्निहित रहेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, विजय दिवस के विशेष अवसर पर राष्ट्र भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी और बलिदान को सलाम करता है। उनके अटूट साहस और देशभक्ति ने सुनिश्चित किया कि हमारा देश सुरक्षित रहे। भारत उनके बलिदान और सेवा को कभी नहीं भूलेगा।

भारतीय वायुसेना ने भी विजय दिवस सैनिकों के बलिदान को नमन किया और पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण से लेकर बांग्लादेश के निर्माण तक की बात कही।

वायुसेना ने कहा, 1971 का भारत-पाक युद्ध 16 दिसंबर 1971 को लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी द्वारा बिना शर्त आत्मसमर्पण के साथ समाप्त हुआ। इस युद्ध ने एक स्वतंत्र बांग्लादेश को जन्म दिया। यह ऐतिहासिक पल एक समन्वित सैन्य प्रयास के माध्यम से हासिल किया गया था।

राम नवमी 6 अप्रैल को मनाई जाएगी

भगवान राम का जन्म अयोध्या के महाराज दशरथ और माता कौशल्या की संतान के रूप में हुआ था। राम जी मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहे जाते हैं। ऐसे में उनकी जन्म तिथि यानी राम नवमी के दिन साधक को भगवान के पूजन से शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में जानते हैं कि राम नवमी का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

राम नवमी शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का प्रारम्भ 05 अप्रैल को शाम 07 बजकर 26 मिनट पर हो रहा है। वहीं इस तिथि का समापन 06 अप्रैल को शाम 07 बजकर 22 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, राम नवमी का पर्व रविवार, 06 अप्रैल 2025 को मनाया जाएगा। इस दौरान शुभ मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहने वाला है।

राम नवमी मध्याह्न मुहूर्त

सुबह 11 बजर 08 मिनट से दोपहर 01 : 39 मिनट तक

राम नवमी मध्याह्न का क्षण – दोपहर 12:24 मिनट तक

राम नवमी पूजा

राम नवमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर राम जी का ध्यान करें। इसका बाद पूजा स्थल पर चौकी बिछाकर भगवान राम के साथ-साथ माता सीता, लक्ष्मण और भगवान हनुमान की मूर्ति या फिर तस्वीर स्थापित करें। सभी को चंदन, रोली, धूप, फूल माला आदि अर्पित करें।इसके बाद अलग-अगल तरह के फल अर्पित करें। साथ ही इस दिन पर रामायण, रामचरितमानस और रामरक्षास्तोत्र का पाठ करना भी काफी लाभदायक माना जाता है। अंत में श्रद्धापूर्वक आरती करें और सभी लोगों में प्रसाद बांटें।

राम जी के मंत्र

ॐ श्री रामाय नमः।।
श्री राम जय राम कोदण्ड राम।।
राम तारक मंत्र – श्री राम जय राम जय जय राम।।
राम गायत्री मंत्र –
ॐ दशरथये विद्महे सीतावल्लभाय धीमहि, तन्नो राम प्रचोदयात्।।
राम ध्यान मंत्र –
ॐ आपदामपहर्तारम् दातारम् सर्वसम्पदाम्।
लोकाभिरामम् श्रीरामम् भूयो-भूयो नमाम्यहम्।।

जीवन जीने का गुण सिखाते हैं प्रभु श्रीराम आदर्श जीवन की रामकहानी

दादी के साथ पार्क में टहल रहा 10 साल का विहान रोज भगवान श्रीराम की कहानियां सुनता है। वो हमेशा यही सोचता है कि दादी को भगवान श्रीराम कुछ ज्यादा ही अच्छे लगते हैं। तभी तो वो बस उनके ही गुणों के बारे में बताती हैं। विहान को भी दादी का फेवरेट बनना है, इसलिए वो दादी की कहानियों से भगवान श्रीराम के गुणों की सूची बना रहा है। श्रीराम के आदर्श ऐसे हैं कि यह विहान सहित हर बच्चे के न सिर्फ बेहतर वर्तमान बल्कि शानदार भविष्य के लिए भी जरूरी हैं।

चरितं रघुनाथस्य शतकोटि प्रविस्तरम्।
ऐकैकमक्षरं पुसां महापातक नाशनम्।।

श्रीराम के चरित्र को आदर्श, नैतिकता और व्यवहार का उच्चतम मानदंड माना जाता है जो बहुत विस्तृत है और जिससे मनुष्य के महापाप भी नष्ट हो जाते हैं। श्रीराम का जीवन एक सीख नहीं अपितु सीखों का खजाना है। गुरु-शिष्य, राजा-प्रजा, स्वामी-सेवक, पिता-पुत्र, पति-पत्नी, भाई-भाई, मित्र-मित्र के आदर्शों के साथ धर्मनीति, राजनीति, कूटनीति, अर्थनीति, सत्य, त्याग, सेवा, प्रेम, क्षमा, परोपकार, शौर्य, दान आदि मूल्यों का सुंदर आदर्श हमें उनके जीवन से सीखने को मिलता है ।

कौशल बनाते हैं गुणी

चक्रवर्ती सम्राट दशरथ के पुत्र होने के बाद भी श्रीराम उपनयन संस्कार के बाद गुरुकुल गए, जहां न तो महल जैसा सुख था और न ही कोई स्वजन। मगर श्रीराम यह समझते थे कि विद्या और कौशल के बलबूते ही वे भविष्य में अपनी जिम्मेदारियों को निभा पाएंगे। बिना ज्ञान अथवा कौशल के राज्य की देखभाल करना तो असंभव था। ठीक वैसे ही आपने भी भविष्य में कुछ बनने का स्वप्न संजोया होगा, तो उसको पूर्ण करने के लिए आवश्यक कौशल पूरा करना भी महत्वपूर्ण है।

धैर्य से हल होता हर कार्य

गणित का सवाल हल करते-करते अचानक तनाव होने लगता है कि प्रश्न इतना कठिन है कि हल ही नहीं हो रहा। तो वहीं कोई पजल साल्व करते-करते मन में आया कि यह तो हो ही नहीं रहा, और पूरी पजल खराब कर दी। यहां भगवान राम की तरह धैर्य रखना सीखें। 14 वर्ष का वनवास पूरा करने के लिए उन्होंने धैर्य का पालन किया। कहीं, अगर वो भी वनवास के दौरान आने वाली समस्याओं से परेशान होने लगते तो फिर कैसे काम चलता! इसी तरह जब जानकारी मिली कि माता सीता का हरण रावण ने किया है, तो भी श्रीराम ने धैर्यपूर्वक पूरी योजना बनाई, साथी जुटाए, युद्धविराम के प्रस्ताव भेजे और तब युद्ध लड़ा।

आदर्श नेतृत्वकर्ता

कई बार होता है कि हम एक समूह का हिस्सा होते हैं मगर उस समूह को अपनी तकलीफ साझा करने के लिए एक मजबूत आवाज की जरूरत होती है। जैसे ही वह आवाज मुखर होती है, साथ जुड़ने वाले लोग भी आ जाते हैं। नेतृत्व का यही गुण सबसे मुख्य था भगवान श्रीराम में। वो सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे। उनकी बेहतर नेतृत्व क्षमता की वजह से ही लंका पहुंचने के लिए पत्थरों का सेतु बन पाया। श्रीराम ने सामान्य लोगों को जोड़कर ऐसी ताकत का निर्माण किया, जिससे रावण जैसे शक्तिशाली शासक को भी पराजित होना पड़ा। भगवान श्रीराम ने लोगों को संगठन में शक्ति की सीख दी। तो अगर कभी आपको कक्षा में लगे कि कोई वास्तविक समस्या है, मगर बाकी विद्यार्थी इसे टीचर के सामने कहने में हिचक रहे हैं तो श्रीराम की तरह नेतृत्व का गुण अपनाएं।

सहायता मांगने में कैसी झिझक

अगर लगता है कि आपको सब कुछ आता है, मगर कोई समस्या सामने आने पर आप सिर्फ इस कारण मदद नहीं मांग रहे कि कोई आपके प्रति नकारात्मक राय बना लेगा तो याद रखिए कि चक्रवर्ती सम्राट के पुत्र, नेतृत्व में योग्य, कुशल धनुर्धर होने जैसे तमाम गुणों के बाद भी भगवान श्रीराम कभी भी मदद मांगने में हिचकिचाए नहीं। माता सीता का पता लगाने के लिए सुग्रीव और हनुमान हों या समुद्र पर सेतु बनाने में वानर सेना, आवश्यकता पर मदद मांगने में श्रीराम कभी नहीं हिचकिचाए।

'शस्त्रधारियों में मैं श्रीराम हूं' क्यों नहीं था कोई रघुनंदन से बड़ा शस्त्रधारी

गीता के विभूति योग नामक दशम् अध्याय के 31वें श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है 'रामः शस्त्रभृतामहम 'अर्थात शस्त्रधारियों में मैं श्रीराम हूं। इस कथन से यह बात स्वतः स्पष्ट हो जाती है कि प्रभु श्रीराम से बड़ा कोई शस्त्रधारी नहीं था। श्रीराम कैसे सबसे बड़े शस्त्रधारी बने? किस गुरु ने उन्हें शस्त्रों का ज्ञान दिया? शस्त्रों के नाम क्या-क्या थे, उनके संचालन की विधि, उनकी मारक क्षमता जैसे अनेक प्रश्न इस क्रम में स्वाभाविक रूप से उठ खड़े होते हैं। इन सभी प्रश्नों के उत्तर वाल्मीकि रामायण के बालकांड के सर्ग 27 से 30 में देख कर जहां विस्मय से आंखें खुली की खुली रह जाती हैं वहीं दूसरी ओर भारतीय ज्ञान परंपरा के वैभव को देख कर मन श्रद्धा से नत हो जाता है।

शस्त्र से ही संरक्षण

श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम और सनातन राष्ट्र के पर्याय हैं। शास्त्रों में कहा गया है, 'शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते' यानी शस्त्रों द्वारा सुरक्षित किए गए राष्ट्र में ही चिंतन-मनन, तप, स्वाध्याय समेत शास्त्र का चिंतन मनन संभव है।' 'निशिचर हीन करौं महि भुज उठाइ पन कीन्ह' जैसी प्रभु श्रीराम की प्रतिज्ञा की चरितार्थता अस्त्र-शस्त्र के बिना भला कैसे संभव हो पाती। तुलसीदास जी श्रीराम के शस्त्रधारी होने पर ही अपना मस्तक झुकाने की बात इसीलिए तो कहते हैं- का वरनौं छवि आपकी, भले बने हो नाथ तुलसी माथा तब नवै जब धनुष बाण हो हाथ। उन्होंने पाणौ महासायक चारु चापं नमामि रामं रघुवंश नाथम कह कर अयोध्या कांड के मंगलाचरण में भी धनुष बाणधारी श्रीराम की संस्कृत में वंदना की है।

पौरुष की पहचान

प्रभु श्रीराम, जो दया के सिंधु तथा क्षमाशील हैं, समुद्र की तरह गंभीर एवं हिमालय की तरह धैर्यवान हैं, वे सज्जनों की रक्षा के लिए कृत संकल्पित हैं। इसीलिए शस्त्र धारण करते हैं। शस्त्र ही उनकी मूल पहचान है। जनकपुरी में धनुष यज्ञ के समय परशुराम जी को भी अपना संशय निवारण करने के लिए श्रीराम से कहना पड़ा राम रमापति करधन लेहू खैचहु चाप मिटै संदेहू। कि हे श्रेष्ठ, धनुष लेकर प्रत्यंचा चढ़ाइए तब मैं समझूंगा कि आप परात्पर ब्रह्म असुर निकंदन श्रीराम हैं। समुद्र पार करने के लिए समुद्र जब श्रीराम के प्रस्ताव को नहीं स्वीकार करता तब लक्ष्मण से वे अपना धनुष बाण लाने के लिए ही कहते हैं लछिमन बान सरासन आनू सोखौं वारिधि विशिख कृशानू जिसे सुनते ही समुद्र उनकी आज्ञा पालन करने के लिए तैयार हो जाता है।

विश्वामित्र का वरदान

श्रीराम को ऐसे शस्त्रास्त्रों-दिव्यास्त्रों का ज्ञान देने वाले गुरुदेव थे विश्वामित्र। जब वे बालक श्रीराम एवं अनुज लक्ष्मण को राजा दशरथ से मांगने आए तो समझाया कि रावण पूरे आर्यावर्त की घेराबंदी कर रहा है। उसकी राजधानी भले ही लंका है, किंतु वह जगह-जगह अपना शिविर आर्यावर्त की सीमा में स्थापित कर चुका है। इसका एक ऐसा ही शिविर मेरे सिद्धाश्रम के पास ताड़का वन में भी है। राक्षस चाहते हैं कि मैं अस्त्रों के क्षेत्र में नए प्रयोग एकदम ना करूं। जो दिव्यास्त्र मेरे पास हैं वह मैं उन्हें प्रदान कर दूं। दिव्यास्त्र मैंने उन राक्षसों को दे दिए तो वे अधिक शक्तिशाली हो उठेंगे और संपूर्ण आर्यावर्त को पीड़ित करेंगे। मैं उन राक्षसों के विरुद्ध लड़ने के लिए श्रीराम को मांगने आया हूं।

वह वनप्रांतर ही श्रीराम की आयुध प्रशिक्षणशाला बना। दैत्यों पर विजय पाने के लिए गुरु विश्वामित्र ने उन्हें सर्वप्रथम बला तथा अतिबला नाम की दो विद्याएं प्रदान की। इससे मायावी राक्षसों से लड़ने की विशिष्ट शक्ति उन्हें मिली। वाल्मीकि रामायण में इसका विशद वर्णन किया गया है। गुरु विश्वामित्र के आदेश का पालन करते हुए श्रीराम ने ताड़का वध किया और विश्वामित्र ने राम को सहर्ष सभी दिव्य अस्त्रों को प्रदान कर उनके संचालन की विधि बताई। विश्वामित्र ने कहा कि इन दिव्यास्त्रों को प्राप्त करके अब तुम देव, दानव, गंधर्व आदि को अपने वश में करके उन पर विजय प्राप्त कर लोगे।

कैसे दिए दिव्यास्त्र

दिव्यास्त्रों के ज्ञाता मुनिवर विश्वामित्र स्नान आदि से शुद्ध होकर पूरब की तरफ मुंह कर बैठ गए और अत्यंत प्रसन्नता के साथ दिव्यास्त्रों का ध्यान करके सभी उत्तम अस्त्रों की एक-एक कर विशेषताएं श्रीराम को बताई। जिन अस्त्रों का पूर्ण रूप से संग्रह करना देवताओं के लिए भी दुर्लभ है उन सबको विश्वामित्र ने श्री राम को समर्पित कर दिया। प्रभु श्रीराम ने मंत्र एवं जप के प्रभाव से अस्त्रों को ग्रहण करने के बाद स्वयं गुरु विश्वामित्र से कहा कि आपकी कृपा से इन अस्त्रों को ग्रहण करके मैं देवताओं के लिए भी दुर्जय हो गया हूं। हे मुनिश्रेष्ठ मुझे कृपया इन अस्त्रों की संहार विधि भी बताने की कृपा करें। ऐसा कहने पर गुरु विश्वामित्र ने उन्हें विस्तार से एक-एक अस्त्र के संहार की विधि सिखलाई। यज्ञ की रक्षा करते हुए श्रीराम मानवास्त्र तथा शीतेषु नामक अस्त्र से मारीच का वध तथा आग्नेयास्त्र से सुबाहु वध एवं वायव्यास्त्र से शेष असुरों का संहार कर ऋषियों द्वारा सिद्धाश्रम में सम्मानित हुए। सीता स्वयंवर के समय जनकपुरी में शिव जी के धनुष को तोड़ने तथा त्रैलोक्य विजयी रावण जैसे महाबलशाली एवं शस्त्रास्त्रों से सुसज्जित राक्षस को पराजित करने में दिव्यास्त्रों का यह ज्ञान अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ।

अद्भुत थे वे आयुध

100 से अधिक दिव्यास्त्रों की सूची का वर्णन बालकांड में श्लोक के माध्यम से किया गया है। विश्वामित्र ने श्री राम को दंड चक्र, कालचक्र, विष्णु चक्र, ऐंन्द्र चक्र, शिव का श्रेष्ठ त्रिशूल, इंद्र का वज्रास्त्र, ब्रह्मा का ब्रह्मशर ऐषीकास्त्र तथा उत्तम ब्रह्मास्त्र प्रदान किया। इसके अतिरिक्त विश्वामित्र ने मोदकी तथा शिखरी नाम की दो गदा, शत्रुओं को बांधने के लिए धर्मपाश, कालपाश तथा वरुण पाश प्रदान किया। अशनी, पिनाक , नारायणास्त्र , आग्नेयास्त्र, क्रौंच अस्त्र, कंकाल, मुसल, कापाल, किंकिणी, मोहन नामक गांधर्वास्त्र प्रदान किया। इसके अतिरिक्त सत्यवान, सत्यकीर्ती, धृष्ट, रभस, प्रतिहारतर, प्राड्.मुख, अवांगमुख, लक्ष्य, अलक्ष्य, दृढनाभ, सुनाभ, दशाक्ष, शतवक्र, दशशीर्ष ,शतोदर ,पद्मनाभ ,महानाभ दुंदुनाभ, स्वनाभ, ज्योतिष ,शकुन, नैराश्य ,विमल, दैत्यनाशक ,यौगंधर,विनिद्र,शुचिबाहु ,महाबाहु ,निष्कलि ,विरुच ,सार्चमाली, धृतिमाली ,वृत्तिमान ,रुचिर,पित्र्य ,सौमनस ,विदधृत ,मकर, परवीर ,रति धन ,धान्य ,कामरूप ,कामरुचि, मोह आवरण, जृम्भक, सर्पनाथ, पन्थान और वरुण नामक अस्त्रों को भी प्रदान किया। सोमदेवता का शिषिर, विश्वकर्मा का दारुण अस्त्र तथा मनु का शीतेषु नामक अस्त्र भी प्रदान किया।

कान्हा की नगरी में दशकों से प्रज्वलित है रामभक्ति का दीपक

कान्हा की नगरी में पिछले आठ दशक से अधिक समय पहले से राम कथा के माध्यम से रामभक्ति के दीपक को प्रज्वलित रखने का काम रामायण प्रचारिणी समिति मथुरा द्वारा किया जा रहा है। इस बार समिति का 81वां आयोजन 18 दिसंबर से किया जा रहा है।

देश के चोटी के कथाव्यासों द्वारा समिति के मंच पर प्रवचन का श्रवण लाभ हर साल उन हजारों तीर्थयात्रियों को भी मिलता है जो तीर्थाटन पर ब्रजभूमि में हर साल आते हैं। तुलसी ने यदि रामायण के माध्यम से रामभक्ति का बिगुल बजाया तो रामकथा कहने वालों ने समय समय पर इसमें मुलम्मा चढ़ाने का काम किया । इसी दिशा में मथुरा की रामायण प्रचारिणी समिति ने हर साल रामकथा का आयोजन बिना किसी आर्थिक लाभ की अपेक्षा के साथ किया तो धीरे धीरे इसके साथ लोग जुड़ते गए और यह आयोजन बुलन्दियों तक पहुंच गया। समिति ने न केवल इस आयोजन की रजत, स्वर्ण एव हीरक जयंती मनाई बल्कि इसके माध्यम से पिछले 80 वर्षं से कान्हा की नगरी में ऐसा वातावरण तैयार किया कि यहां पर स्वतः राम भक्ति की गंगा प्रवाहित होने लगी और यदि श्री मदभागवत कथाकारों ने कथा के माध्यम से कान्हा की लीलाओं को जन जन तक न पहुंचाया होता तो संभवतः कान्हा की नगरी अयोध्या बन जाती।

रामायण प्रचारिणी समिति के महामंत्री लक्ष्मन प्रसाद यादव समिति द्वारा आयोजित रामकथा के उत्कर्ष का श्रेय एक के बाद एक उन महान कथा व्यास को देते हैं जिन्होंने रामायण प्रचारिणी समिति के मंच पर रामकथा का ऐसा जीवन्त प्रस्तुतीकरण किया कि लोग समिति के कार्यक्रम की ओर चुंम्बक की तरह खिंचे चले आते हैं।उन्होंने बताया महान कथा व्यास पं0 रामकिंकर जी ने तो अपनी कथा की शुरूवात रामायण प्रचारिणी समित के मंच से की थी।

समिति के मंच पर अब तक देश के जानेमाने रामकथा के मूर्धन्य विद्वानों अयोध्या बड़ी छावनी के संत प्रेमदास महराज, रामभद्राचार्य, कृष्ण चन्द्र ठाकुर, भीमचन्द्र व्यास, पारसनाथ, साध्वी सरोजबाला, कृष्णादेवी, डा0 स्वर्णलता शर्मा, शंकुतला गोस्वामी, पंछीदेवी आदि ने समिति के मंच से रामभक्ति की ऐसी गंगा प्रवाहित की कि कान्हा की नगरी में न केवल रामभक्तों की संख्या बढ़ी बल्कि स्वामी वामदेव महराज, स्वामी नृत्यगोपाल दास, साध्वी ऋतंभरा आदि ने तो राम मन्दिर आंदोलन को ऐसी धार दी कि यह आंदोलन ऐतिहासिक बन गया । देश के चोटी के रामकथाकारों के प्रस्तुतीकरण का यह प्रभाव था कि समिति से जुगलकिशोर अग्रवाल, स्व0 सुरेशचन्द्र सुपारी वाले, सोहनलाल शर्मा एडवोकेट , कल्याण दास ब्रजवासी आदि एक के बाद एक समर्पित लोग इससे जुड़ते गए। यादव को भरोसा है कि जिस प्रकार जोशीले युवक समिति से जुड़ते जा रहें उससे वे कह सकते हैं कि समिति की रामकथा माला आगे भी अनवरत चलती रहेगी।

समिति द्वारा आयोजित राम कथा में मूर्धन्य कथाकारों को समय समय पर बुलाने का यह प्रभाव पड़ा कि कोरोना काल या जिला प्रशासन द्वारा समय समय पर लगाए गए अघोषित कर्फ्यू में भी यह कथा बन्द नही हुई।समिति के रामकथा आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि चाहे कितना ही बड़ा कथा व्यास ही क्यों न हो किंतु समिति के मंच पर जीवन में उसे केवल एक ही बार प्रवचन करने का मौका मिलता है।

समिति के इस आयोजन की दूसरी सबसे बड़ी विशेषता छप्पन भोग का आयोजन है। कान्हा की नगरी में बड़े स्तर पर गिर्राज जी का छप्पन भोग आयोजित करने की पंरपरा है।हर साल होनेवाले गिर्राज जी के छप्पन भोग के आयोजन से हजारों लोग जुड़ते हैं।

समिति के अध्यक्ष जुगलकिशोर अग्रवाल का कहना है कान्हा की नगरी के अधिक से अधिक लोगों को इस अयोजन से जोड़कर उनमें भक्ति भाव जागृत करने और उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का आशीर्वाद दिलाने के लिए 56 भोग अर्पित करने की भी परंपरा रामकथा के आयोजन के साथ की जाती है साथ ही युवकों में भक्ति भाव जागृत करने के लिए तथा उनके अन्दर संगीत की प्रतिभा निखारने के लिए संगीत संध्या का भी आयोजन किया जाता है। 18 दिसंबर से 26 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में जहां कथा व्यास के रूप में रामचरित मानस की प्रख्यात विदुषी साध्वी अर्पिता अविनाशी मानस पर प्रवचन करेंगी वहीं 21 दिसंबर को छप्पन भोग के दर्शन होंगे । इस अवसर पर कथा व्यास के साथ प्रसादी सेवा का अयोजन किया गया है। कार्यक्रम के अन्तर्गत संगीत प्रतिभाओं का सम्मान एव संगीत संध्या का भी अयोजन 27 दिसंबर को किया गया है।

इस अवसर पर कल्किधाम पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम का प्रवचन भी होगा।कुल मिलाकर समिति का यह आयोजन हर साल उन सैकड़ों लोगों के मोक्ष के द्वार खोलता है जो देश के जाने माने रामकथा व्यासों के प्रवचन में गोता लगाते हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कार्तिक आर्यन के हाथ लगी नई रोमांटिक ड्रामा फिल्म

अभिनेता कार्तिक आर्यन को पिछली बार फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया और उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की।आने वाले दिनों में कार्तिक कई बड़ी और दिलचस्प फिल्मों में नजर आने वाले हैं।उनके खाते से एक और नई फिल्म जुड़ गई है, जिसके निर्देशन की कमान एक बार फिर सत्यप्रेम की कथा के निर्देशक समीर विद्वांस ने संभाली है।उधर निर्माता साजिद नाडियाडवाला फिल्म से बाहर हो गए हैं।सत्यप्रेम की कथा के बाद फिर कार्तिक और समीर साथ काम करने वाले हैं। वे दोबारा एक लव स्टोरी ला रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के साथ साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सत्यप्रेम की कथा की शूटिंग के दौरान, कार्तिक, समीर से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उनके साथ दोबारा काम करने की इच्छा जाहिर की थी। यहां तक कि उन्होंने समीर से एक बार फिर रोमांटिक ड्रामा फिल्म बनाने की बात कही थी।रिपोर्ट के मुताबिक, निर्देशक ने हाल ही में कार्तिक को एक स्क्रिप्ट दी, जिसके लिए उन्होंने तुरंत हां कर दी।फिल्म के लिए निर्देशक की पहली पसंद निर्माता साजिद नाडियाडवाला थे, जिन्होंने उनके साथ सत्यप्रेम की कथा में काम किया था तीनों साथ में काम करने को लेकर काफी उत्सुक थे, लेकिन साजिद को यह फिल्म ठुकरानी पड़ी।उनके पास फिल्म ठुकराने के सिवा दूसरा विकल्प नहीं था। दरअसल, साजिद पहले से ही 4 फिल्मों पर काम कर रहे हैं।कार्तिक के साथ सत्यप्रेम की कथा में अभिनेत्री कियारा आडवाणी नजर आई थीं। यह फिल्म 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।इस फिल्म ने भारत में 77.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि दुनियाभर में फिल्म 100 करोड़ रुपये से अधिक बटोरने में सफल रही। इसमें गजराज राव, सुप्रिया पाठक, शिखा तलसानिया और राजपाल यादव जैसे कलाकार भी नजर आए।सिनेमाघरों के बाद सत्यप्रेम की कथा ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर आई थी।

ब्लॉकबस्टर फिल्म भूल भुलैया 3 के बाद से कार्तिक ने अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है। उनके खाते में अनुराग बसु और भूषण कुमार की भी एक फिल्म है, लेकिन इसकी शूटिंग कब शुरू होगी, फिलहाल यह जानकारी नहीं मिली है।पति पत्नी और वो के सीक्वल से भी कार्तिक का नाम जुड़ चुका है। अभिनेता अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी का सीक्वल भी लेकर आ रहे हैं।

सोनू सूद की फतेह में दिखेगा यो यो हनी सिंह का जादू

अपनी पहली निर्देशित फिल्म फतेह की रिलीज को लेकर एक्साइटेड अभिनेता सोनू सूद फैंस के साथ पल-पल के अपडेट शेयर करते हैं। सूद ने एक पोस्टर शेयर कर फैंस को बताया कि फिल्म के नए गाने हिटमैन में हनी सिंह का जादू दिखेगा।अपकमिंग फिल्म फतेह के तड़क-भड़क म्यूजिक से सजे गाने का टाइटल हिटमैन है और इसमें सोनू सूद का कमाल और रैपर हनी सिंह का स्वैग एक साथ देखने को मिलेगा।गाने के पोस्टर को शेयर कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, खुश होने के लिए तैयार हो जाइए। हिटमैन गाना 17 दिसंबर को रिलीज होगा! फतेह 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। हिटमैन में सोनू सूद के साथ हनी सिंह का शानदार कोलाब देखने को मिलेगा, 17 दिसंबर को आउट होगा!पोस्टर में काले सूट बूट में सोनू सूद के साथ हनी सिंह खड़े नजर आए और दोनों हाथ में राइफल पकड़े हैं। हिटमैन फतेह एल्बम का दूसरा ट्रैक है। इससे पहले, यह बताया गया था कि सिंगर लॉयर कोटलर ने फतेह में कॉल टू लाइफ टाइटल गाने को अपनी आवाज दी, जो कि फिल्म का पहला गाना है।

एक्शन फिल्म की सफलता और प्रमोशन को लेकर सोनू सूद ने तैयारी शुरू कर दी। हाल ही में अभिनेता उज्जैन स्थित महाकालेश्वर के दर्शन करने पहुंचे थे, जहां मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आएगी। फिल्म में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडिस, नसीरुद्दीन शाह और विजय राज अहम भूमिका में हैं। जी स्टूडियोज के उमेश केआर बंसल और शक्ति सागर प्रोडक्शंस की सोनाली सूद द्वारा निर्मित और अजय धामा सह-निर्माता हैं।

कबीर खान ने अपनी पहली फिल्म 'काबुल एक्सप्रेस' के 18 साल पूरे होने का जश्न मनाया

फिल्म निर्माता कबीर खान ने अपनी पहली फिल्म 'काबुल एक्सप्रेस' के 18 साल पूरे होने पर कहा, पहली फिल्म हमेशा सबसे खास होती है। कबीर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम और अरशद भी हैं। पोस्टर पर लिखा है, काबुल एक्सप्रेस के 18 साल पूरे होने का जश्न।

कैप्शन में कबीर ने लिखा, पहली चीज हमेशा सबसे खास होती है। कबीर ने 25 साल की उम्र में गौतम घोष द्वारा निर्देशित डॉक्यूमेंट्री फिल्म बियॉन्ड द हिमालयाज के लिए सिनेमैटोग्राफर के रूप में करियर शुरू किया। इसके बाद उन्होंने सुभाष चंद्र बोस की इंडियन नेशनल आर्मी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री द फॉरगॉटन आर्मी के साथ निर्देशन शुरू किया। 2006 में यशराज फिल्म्स के बैनर तले थ्रिलर काबुल एक्सप्रेस के साथ मुख्यधारा के निर्देशन में डेब्यू किया। उनके अनुसार, यह फिल्म मोटे तौर पर और उनके मित्र राजन कपूर के अफगानिस्तान के अनुभवों पर आधारित थी।

फिल्म में दो भारतीय पत्रकारों, एक अमेरिकी पत्रकार और एक अफगान गाइड की कहानी बताई गई थी, जिन्हें पाकिस्तानी सैनिक बंधक बना लेते हैं। उन्हें युद्धग्रस्त देश में 48 घंटे की यात्रा करने के लिए मजबूर किया है।इस फिल्म को लेकर काफी विवाद भी हुए। 2007 में अफगानिस्तान सरकार ने (जिसने पहले इस फिल्म की शूटिंग का समर्थन किया था) फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया, यह फिल्म आधिकारिक तौर पर वहां

रिलीज नहीं हो पाई। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म पर प्रतिबंध इसलिए लगाया गया क्योंकि अफगानिस्तान की चार सबसे बड़े जातीय समूहों में से एक हजारा शिया अल्पसंख्यक समुदाय को कथित रूप से गलत दिखाया गया था।'काबुल एक्सप्रेस' के बाद कबीर ने 'न्यूयॉर्क', सलमान खान के साथ एक्शन थ्रिलर 'एक था टाइगर', 'बजरंगी भाईजान', 'फैंटम' और '83' बनाई। हाल ही में कबीर की आर्यन के साथ चंदू चैंपियन रिलीज हुई थी। कार्तिक ने भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई।

स्टाइलिश आउटफिट पहन प्रज्ञा ने कैमरे के सामने दिए पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका किलर अवतार इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस जैसवाल हमेशा अपने परफेक्ट फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स नहीं थकते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने ब्लू कलर की बेहद ही स्टाइलिश फ्रिल्स लुक में ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो अपने परफेक्ट बॉडी कर्व्स फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।बालों का स्टाइलिश बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो उनकी हर लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है।प्रज्ञा जैसवाल की इन फोटोज को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 48 हजार से भी यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं। वहीं, कुछ यूजर्स ने सो हॉट, यू लुक सो ब्यूटिफुल, हॉट एंड गॉर्जियस जैसे कॉमेंट्स किए हैं।

उन्नी मुकुंदन स्टारर मार्को 20 को रिलीज होगी

उन्नी मुकुंदन की आगामी बहुभाषी फिल्म, मार्को, भारतीय फिल्म उद्योग में हलचल मचा रही है। शरीफ मुहम्मद के क्यूब्स इंटरनेशनल द्वारा निर्मित एक्शन थ्रिलर, आईएमडीबी पर सबसे अधिक प्रतीक्षित नई भारतीय फिल्मों की सूची में शीर्ष पर है। बुकमायशो पर 100के की रेटिंग के साथ, मार्को को देश भर के फिल्म प्रेमियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है। फिल्म में उन्नी मुकुंदन, सिद्दीकी, जगदीश, एंसन पॉल और कई नए कलाकारों सहित कई प्रभावशाली कलाकार हैं।मार्को का निर्देशन हनीफ अदेनी ने किया है, जो अपनी असाधारण कहानी कहने की कला के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की पांच भाषाओं - हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में बहुभाषी रिलीज - भारतीय सिनेमा के विशाल बाजार में अपनी जगह बनाने के लिए एक रणनीतिक कदम है। निर्दयी मार्को में उन्नी मुकुंदन के बदलाव ने उम्मीदें बढ़ा दी हैं और भारत भर में प्रशंसक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपने अद्वितीय एक्शन और हिंसा के साथ, मार्को से भारतीय सिनेमा में क्रांति लाने और अखिल भारतीय फिल्मों के लिए एक नया मानक स्थापित करने की उम्मीद है।फिल्म की तकनीकी टीम में चंद्रू सेल्वराज (सिनेमैटोग्राफी), शमीर मुहम्मद (संपादन), रवि बसरूर (संगीत निर्देशन) और कलाई किंग्सन (एक्शन कोरियोग्राफी) शामिल हैं। मार्को 20 दिसंबर को बॉलीवुड फिल्म बेबी जॉन के साथ रिलीज होने वाली है। इस टकराव ने बॉलीवुड मीडिया में चर्चाओं को जन्म दिया है, जिससे मार्को की रिलीज को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। जैसे-जैसे रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, मार्को को लेकर उत्साह चरम पर पहुंच रहा है।अपने स्टार-स्टडेड कास्ट, आकर्षक कहानी और बेहतरीन फिल्म निर्माण के साथ, मार्को से भारतीय फिल्म उद्योग पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की उम्मीद है। फिल्म प्रेमी बड़े पर्दे पर मार्को के जादू को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मार्को निस्संदेह इस साल की सबसे प्रतीक्षित मलयालम फिल्मों में से एक है, और इसकी प्रभावशाली प्री-रिलीज़ रेटिंग इसकी अपार लोकप्रियता का प्रमाण है।

मौनी रॉय ने जताई डांस आधारित फिल्म में काम करने की इच्छा

एंटरप्रेन्योर-अभिनेत्री मौनी रॉय का ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से सुर्खियां बटोरना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में एक बातचीत में, उन्होंने विभिन्न डांस कला को सीखने के अपने जुनून का खुलासा किया और एक डांस-आधारित फिल्म करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने साझा किया, मुझे विभिन्न प्रकार के डांस सीखना पसंद है, और कहा, मैं एक दिन ऐसी फिल्म पर काम करने के अवसर की प्रतीक्षा कर रही हूं!मौनी अक्सर अपने सोशल मीडिया के जरिए डांस के प्रति अपना दीवानगी जाहिर करती रहती हैं। वह अक्सर विभिन्न डांस शैलियों में अपने प्रदर्शन के वीडियो और इम्प्रोम्टू डांस सेशन साझा करती हैं। पर्दे पर अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर अभिनेत्री ने खुलासा किया कि डांस उनकी लव लैंग्वेज है और यह उनके दिल में एक विशेष स्थान रखती है।वर्तमान में, मौनी कई रोमांचक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है कि आगे क्या होगा। वह सक्रिय रूप से कई दिलचस्प स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। डांस के प्रति अपने बढ़ते उत्साह और आशाजनक परियोजनाओं के साथ, मौनी रॉय अपने ऑन-स्क्रीन करिश्मा से अपने प्रशंसकों को प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 17 दिसंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 10:58 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 12:44 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 09:10 तक
करण : गर प्रातः 10:58 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 06:58 तक
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 05:56 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 05:48 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 05:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 10:26 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लु महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस के शिकंजे में जो आएगा उसका करियर खराब होना सुनिश्चित है : अनिल विज

अंबाला,16 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज फिर कांग्रेस पर चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस के शिकंजे में जो आएगा उसका करियर खराब होना सुनिश्चित है। इसके अलावा, उन्होंने किसानों को मार्च निकालने के बारे में सलाह देते हुए कहा कि किसान ट्रैक्टर मार्च अनुमति लेकर निकाले और रेल रोकने की बजाए कोई ओर रास्ता अपनाएं। क्योंकि रेल रोकने से लाखों लोगों को परेशानी होगी। वहीं, उन्होंने कहाकि देश के प्रजातंत्र के चारों पहिए सही तरीके से अपना निर्वहन कर रहे है। विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। मणिशंकर आयर के बयान गांधी परिवार ने मेरा करियर बर्बाद किया पर चुटकी लेते हुए हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि मणिशंकर को अपनी पड़ी है। गांधी परिवार ने 50 साल तक देश पर राज किया, देश का करियर बर्बाद कर दिया। मणिशंकर क्या है उसके सामने। उनके कब्जे में जो आएगा उसका तो करियर खराब होगा ही होगा।

शिवसेना सांसद संजय राउत के बयान कि वर्तमान सरकार भारत के संविधान के खिलाफ काम कर रही है। न्यायपालिका, संसद और भारत के चुनाव आयोग, राजभवन, जिन्हें संविधान का संरक्षक होना चाहिए, द्वारा निभाई जा रही भूमिका राष्ट्र के हित में नहीं है, पर प्रतिक्रिया देते हुए विज ने कहा कि हारा हुआ इंसान डिप्रेशन में होता है और जो डिप्रेशन में होता है उसे सब कुछ बुरा ही नजर आता है। देश के प्रजातंत्र के चारों पहिए सही तरीके से अपना निर्वहन कर रहे है।

वहीं, आज किसानों के ट्रैक्टर मार्च और 18 तारीख को होने वाले रेल रोको प्रदर्शन को लेकर विज ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रशासन से इजाजत लेकर प्रदर्शन करने का सभी को अधिकार होता है। जहां तक रेल रोकने की बात कर रहे हैं, इसे नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे लाखों लोगों को परेशानी होती है। पंजाब जाने वाली गाड़ियां रुक जाएंगी। किसान किसी और तरीके से प्रदर्शन करें ताकि इनकी आवाज भी उठती रहे और किसी को परेशानी न हो।

कांग्रेस पार्टी को समर्थन देने वाले सरपंचों से भेदभाव कर रही है भाजपा सरकार : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़,16 दिसंबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार कांग्रेस पार्टी को समर्थन देने वाले सरपंचों से भेदभाव कर रही है। सत्ता के घमंड में बीजेपी नेता लगातार कांग्रेस को समर्थन देने वाले सरपंचों को नतीजा भुगतने की धमकी दे रहे हैं। राजनीतिक बदले की भावना से काम करना प्रजातंत्र के लिए सही नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सरपंचों के साथ–साथ ग्रामीणों के हितों पर भी कुठाराघात किया है। ग्रांट मांगने और विकास के काम करवाने की मांग पर सरपंचों पर लाठी और वाटर कैनन का प्रयोग किया गया। क्षेत्र के सरपंच उन लाठियों की चोट को आज भी नहीं भूले हैं और समय आने पर इसका माकूल जवाब देंगे।

उन्होंने कहा कि सत्ता के अहंकार में चूर बीजेपी सरकार में बैठे लोगों ने पंचों–सरपंचों की पगड़ी को भी उछालने का काम किया है। बीजेपी सरकार पंचायतों को छोटी सरकार कहती थी, लेकिन जब चुने हुए सरपंच प्रदेश सरकार के दरवाजे पर अपनी मांग को लेकर चंडीगढ़ गये तो उनको अपमानित किया गया, उनके साथ बर्बरतापूर्ण दुर्व्यवहार किया गया। बीजेपी सरकार ने पंच, सरपंच समेत हर वर्ग का अपमान किया है। लेकिन सरकार समझ ले कि प्रजातन्त्र में जनता की आवाज को लाठियों के जोर से दबाया नहीं जा सकता। सांसद दीपेन्द्र ने कहा कि पूर्ववर्ती हुड्डा सरकार के समय बिना भेदभाव के पंचायतों को करोड़ो की ग्रांट दी जाती थी, जिससे गांवों में विकास कार्यों की अलग ही चमक दिखायी देती थी। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार गांवों में विकास को लेकर बड़ी–बड़ी बातें तो करती है लेकिन हकीकत में उसकी नीयत में ही खोट है।

उत्तर भारत में शीतलहर का कहर

हरियाणा में शीतलहर से हालत गंभीर

चंडीगढ़,16 दिसंबर (एजेंसियां)। पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी ने पूरे उत्तर भारत को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया है। हरियाणा में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जहां हिमाचल प्रदेश से भी ज्यादा शीतलहर का कहर महसूस किया जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने हरियाणा के 16 जिलों में शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा कुछ इलाकों में घने कोहरे की भी चेतावनी जारी की गई है।

हरियाणा में ठंड के कारण लोग घरों में कैद हैं। सोमवार को IMD ने हिसार, सिरसा, कैथल, करनाल, रोहतक, फतेहाबाद, मेवात, रेवाड़ी, भिवानी, चरखी दादरी, पलवल, महेंद्रगढ़, फरीदाबाद, गुरुग्राम और झज्जर समेत 16 जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया। इन जिलों में 10–11 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं चलने का अनुमान है। सुबह के समय कोहरा और शीतलहर के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से कतराने लगे हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी बर्फीली हवाओं के कारण हरियाणा में ठंड ने अपना जोर दिखाना शुरू कर दिया है। हिसार सबसे ठंडा, सिरसा सबसे गर्म। हरियाणा में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को 1.7 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ हिसार सूबे मे सबसे ठंडा तो 23.7 डिग्री सेल्सियस के साथ सिरसा सबसे गर्म शहर रहा. मौसम विभाग की माने तो प्रदेश मे आने वालों दिनों में ठंड का प्रकोप बढ़ सकता है।

हम तीन साल से महिला आयोग का पालन पोषण कर रहे हैं, भ्रष्टाचार की खबर सुनना दुखद : रेनू भाटिया

फरीदाबाद,16 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और सोनिया अग्रवाल और उनके कार के ड्राइवर कुलबीर को शनिवार को राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। इस पर हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कहा कि दुख की बात है कि महिला आयोग में इस तरह की बात सामने आई है।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, यह वाकई बहुत दुखद है। मैं कल अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में थी, जब मुझे अचानक कॉल्स आने लगीं और मुझे इस मामले के बारे में पता चला। मुझे अफसोस है कि पिछले तीन सालों से हम महिला आयोग को एक बच्चे की तरह पालन–पोषण कर रहे थे, उसे मजबूत बना रहे थे और हर बेटी की आवाज को सुनने की कोशिश कर रहे थे। अचानक मुझे यह सुनने को मिला। यह वाकई दुखद है, लेकिन अगर एंटी करप्शन ने इस मामले को लिया है और उसमें कुछ निकला है, तो हमें यह मानना पड़ेगा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के प्रति शून्य प्रतिशत सहिष्णुता रखती है। भ्रष्टाचार के लिए कोई सहिष्णुता नहीं होगी। हम खुद इसे लेकर बहुत सख्त हैं। अगर ऐसा कुछ हुआ है तो यह शर्मनाक है, एंटी करप्शन की टीम जो कार्रवाई कर रही है, उसका हमें इंतजार करना चाहिए।उन्होंने कहा, हमने पिछले तीन वर्षों में प्रयास किया है कि हर एक मामले को सुना जाए। आज तक 12,500 से ज्यादा मामलों को सुना गया है और हमारे पास एक भी लंबित मामला नहीं है। हर रोज नए मामलों का सामना करना पड़ा। हम कोशिश करते हैं कि उन्हें ईमानदारी से और पारदर्शिता से हल किया जाए।

मॉर्निंग वॉक पर निकले सीएम ने कहा

सुबह–सुबह योग–व्यायाम जरूर करें, स्वस्थ रहें

जयपुर,16 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार सुबह जयपुर के सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक किया। उन्होंने वॉक के साथ लोगों से संवाद भी किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान के संकल्प को साकार करने की दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का संदेश दिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री को अचानक अपने बीच पाकर लोग पहले तो आश्चर्यचकित हुए, फिर उनके साथ ही कदमताल मिलाते हुए वॉक करने लगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को सुबह–सुबह योग, व्यायाम या मॉर्निंग वॉक जरूर करना चाहिए जिससे वे स्वस्थ रहेंगे तथा पूरे दिन ताजगी तथा ऊर्जावान रहते हुए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को फिजिकल एक्टिविटी को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने सेंट्रल पार्क स्थित प्राचीन मन्दिर महामाया दरबार और बालाजी मन्दिर में दर्शन किए। इसके बाद भजनलाल शर्मा ने आमजन के साथ चाय पर चर्चा भी की। इस दौरान जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

एन्टी गैंगस्टर टास्क फोर्स की बड़ी कार्रवाई

करीब 40 करोड़ कीमत की ड्रग पकड़ी

जयपुर,16 दिसंबर (एजेंसियां)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने प्रतापगढ़ जिले के अरनोद थाना क्षेत्र में देवल्दी गांव स्थित दो फार्म हाउस पर दबिश देकर एमडी ड्रग बनाने की फैक्ट्री का खुलासा कर ड्रग फैक्ट्री से भारी मात्रा में ड्रग बनाने के उपकरण, मशीने, एमडी युक्त केमिकल बरामद किए, वहीं दूसरे फार्म हाउस से अवैध हथियार एक पिस्टल मय मैगजीन एवं तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। जब्त की गई करीब 12 किलो के लगभग एमडी ड्रग एवं अन्य एनडीपीएस घटकों की कीमत करीब 40 करोड़ रुपए आंकी गई है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि एजीटीएफ को इनपुट मिले थे कि राजस्थान–मध्यप्रदेश सीमा से जुडे प्रतापगढ जिले के गावों में बड़े पैमाने पर एमडी ड्रग्स का निर्माण कर तस्कर ड्रग की सप्लाई राजस्थान, हरियाणा, पंजाब में कर रहे है। मुख्य रूप से देवल्दी गांव में इसका कारोबार चल रहा है। एडीजी एमएन ने बताया कि कुछ दिन पहले गुजरात एटीएस ने भोपाल (मध्यप्रदेश) में 1800 करोड़ रूपये की एमडी ड्रग पकडी गई, जिसके तार देवल्दी गांव से जुडे हुये थे। मुख्य आरोपी देवल्दी गांव के ही है। इस पर डीआईजी श्री योगेश यादव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आशाराम चौधरी व श्री सिद्धान्त शर्मा के सुपरविजन में हैड कांस्टेबल महावीर सिंह व कांस्टेबल नरेन्द्र पाटीदार को इस सम्बन्ध में आ–सूचना संकलन करने के लिए प्रतापगढ रवाना किया गया। जिनके द्वारा निरन्तर करीब 2 महीनों से इस सम्बन्ध में सूचनाएं संकलन की गई।

सोमवार को टीम को पुख्ता सूचना मिली कि याकुब पुत्र फकीर गुल, जमशेद पुत्र फकीर गुल, शाहील पुत्र सलीम निवासी देवल्दी थाना अरनोद काफी लम्बे समय से एक फार्म हाउस पर अवैध मादक पदार्थो का व्यापार कर रहे है। इनके खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण दर्ज है। आज भी उक्त फार्म हाउस पर एमडी ड्रग बनाने का काम चल रहा है। इस पर बिना देरी के एजीटीएफ टीम ने थानाधिकारी अरनोद को सूचित कर मौके पर दबिश दी।पुलिस की भनक लगते ही मौके से अपराधी फरार हो गये। तलाशी में एमडी ड्रग बनाने के उपकरण, शुद्ध एमडी ड्रग का घोल, पिस्टल व जिन्दा कारतूस, मोटर साईकिल व भारी मात्रा में अन्य सामग्री जब्त की गई।

पीएम मोदी देश के विकास को एक नई दिशा देना चाहते हैं : प्रेम चंद बैरवा

जयपुर,16 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के उप–मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की आकांक्षा है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जाए। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, भारतीय जनता पार्टी की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भजन लाल के नेतृत्व में जो दृष्टिकोण है, वह देश के विकास को एक नई दिशा देने के लिए है। उनका मुख्य उद्देश्य 2047 तक भारत को एक समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान को एक नई दिशा देने का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने राज्य के विकास के लिए राइजिंग राजस्थान जैसी महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है।

उन्होंने कहा, राजस्थान को एक समृद्ध राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल ने उद्य–ोगपतियों और व्यापारियों को राज्य में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है। राज्य में अपार संभावनाएं हैं और उन्होंने उद्योगपतियों को बताया है कि यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं। उनके दृष्टिकोण में यह साफ दिखाई देता है कि राजस्थान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और इसके नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा करने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश की आवश्यकता है।

उन्होंने आगे कहा, भजन लाल की यह सोच राजस्थान के युवाओं को रोजगार देने, स्थानीय लोगों को सुविधाएं मुहैया कराने और राज्य को समग्र विकास की दिशा में अग्रसर करने में सहायक सिद्ध होगी।

रूमादेवी ने आर्मी हाउस में आयोजित विजय दिवस समारोह में की शिरकत

नई दिल्ली/जयपुर,16 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी द्वारा भारत–पाकिस्तान युद्ध 1971 की 53वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय राजधानी के आर्मी हाउस में विजय दिवस की पूर्व संध्या पर एक गरिमामय 'एट–होम' रिसेप्शन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप–राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, और दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सेना की वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करना था साथ ही वर्तमान में सामाजिक कार्यों के लिए सराहनीय व्यक्तियों के लिए सम्मान प्रकट करना था।

राजस्थान की प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और फैशन डिजाइनर डॉ. रूमादेवी को भी इस आयोजन में आमंत्रित किया गया। भारतीय सेना ने उनके द्वारा किए जा रहे महिला सशक्तिकरण व लोक कलाओ को संरक्षण व संवर्धन जैसे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर दिया। रूमादेवी ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है कि भारतीय सेना ने मुझे विजय दिवस जैसे ऐतिहासिक अवसर पर आमंत्रित कर सम्मान दिया। हमारे सैनिकों के अदम्य साहस और बलिदान से हर भारतीय को प्रेरणा लेनी चाहिए। उनका निस्वार्थ समर्पण हमें हर दिन याद दिलाता है कि हमारा गौरव और स्वतंत्रता उनके परिश्रम की देन है। इस कार्यक्रम में समाज, खेल, और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी देश की प्रमुख हस्तियों ने हिस्सा लिया। समारोह में वीर नारियों, दिग्गज सैनिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनयिक बिरादरी के साथ राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री ने संवाद किया।

भरतपुर में कोऑपरेटिव बैंक में 8 लाख की चोरी का खुलासा

तीन आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर,16 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के भुसावर थाना क्षेत्र स्थित दी कोऑपरेटिव बैंक में 5–6 दिसंबर की रात हुई चोरी की घटना का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। चोरी की राशि 8 लाख 14 हजार 200 रुपये थी। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें से सभी हरियाणा के निवासी हैं। आरोपियों ने बैंक की तिजोरी और जंगला काटकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने जेल में बैठकर चोरी की योजना बनाई थी। जेल में मुलाकात के बाद तीनों ने मिलकर बैंक को टारगेट किया था। पकड़े गए आरोपियों में अमित उर्फ टाकन, वतन और मक्खन शामिल हैं, जो पहले भी कई चोरी की घटनाओं में शामिल रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की और चोरी की रकम की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। जिले के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि शुरुआती दौर में जांच में कठिनाई आई, लेकिन साइबर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने एक ईको गाड़ी की पहचान की, जो हरियाणा के जींद में रजिस्ट्रेड थी। इसके बाद जींद और करनाल पुलिस की मदद से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.